हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

30 अगस्त, 1993

खण्ड–2, अंक–1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार 30 अगस्त, 1993

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(1)1
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(1)26
नियम 45 के अधीन मेज सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर	(1)57
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(1)59
घोशणाएं– (क) अध्यक्ष द्वारा– (i) पैनल आफ चेयरमैन (ii) कमेटी आन पटी ान्ज़	 (1)68 (1)68
(ख) सचिव द्वारा– राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिये गए बिलो सम्बन्धी	 (1)68
विभिन्न ध्यानाकर्शण सूचनाओ/स्थगन प्रस्तावो के बारे में माननीय अध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित सदस्यो को सूचनाएं	

देना	(1)69
राज्य में बाढ की स्थिती से सम्बन्धित स्थगन प्रस्ताव/नियम 84 के अधीन प्रस्ताव/ध्यानाकर्शण प्रस्ताव के बारे में माननीय अध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित सदस्यो को सूचना देना	(1)72
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना	(1)73
स्दन की मेज पर रखे गए कागज–पत्र	(1)74
1987–88 के लिए अनुदानो तथा विनियोजनाओ से अधिक मांगे प्रस्तुत करना	(1)76
वि ोशाधिकार मामलो के सम्बन्ध में वि ोशाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना–	(1)76
(i) श्री सम्पत सिंह एम एल तथा प्रतिपक्ष के नेता के विरुद्ध (ii) श्री कर्ण सिंह इलाल एम एल ए के विरुद्ध	(1)76 (1)77
राज्य मे बाढ की स्थिति से सम्बन्धित नियम 84 के	

अधीन प्रस्ताव पर चर्चा	(1)78
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– बिजली मंत्री द्वारा	(1)93
राज्य मे बाढ की स्थिति से सम्बन्धित नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(1)94
बैठक का समय बढाना	(1)121
राज्य मे बाढ की स्थिति से सम्बन्धित नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(1)121

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 30 अगस्त, 1993

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon. Members, now the Hon'ble Chief Minister will make obituary references.

श्रीमती ललिता भाास्त्री, प्रमुख कार्यकर्ता

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सदन भारत के भूतपूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर भाास्त्री की धर्मपत्नी तथा प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती ललिता भाास्त्री के 13 अप्रैल, 1993 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 11 मई, 1911 को उतर प्रदे ा में हुआ। दलितो और गरीबो की भलाई के लिए उन्होने अपने आपको समर्पित कर दिया था। उन्होने इलाहबाद में '' ाास्त्री सेवा निकेतन'' की स्थापना की। इस संस्था की अध्यक्षा के रुप में उन्होने बाल कल्याण केन्द्रो, औशधालयो, स्कूलो तथा खादी उद्योगों जैसी विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियो में सक्रिय रुप से

भाग लिया। वह नेहरु भाताब्दी समारोह समिति की सदस्या भी रही। समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हो नौवां ि ारोमणि पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

उनके निधन से दे ा ऐ प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओ से वंचित तो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री हरचरण सिंह अजनाला, पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष

यह सदन पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष श्री हरचरण सिंह अजनाला के 9 जून, 1993 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 2 अगस्त, 1923 को हुआ। वह ''लॉ ग्रेजुएट'' थे। उन्होने 18 वर्श से भी अधिक समय तक जिला बोर्ड तथा जिला परिशद, अमृतसर के सचिव के पद पर कार्य किया। वह वर्श 1972, 1980 तथा 1992 में पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए। वर्श 1980 से 1983 तक वह पंजाब सरकार के मंत्री पद पर रहे तथा मार्च, 1982 से अपने निधन तक पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी विधायक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

डॉ0 सेयद नूरुल हसन, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री, डॉ0 सेयद नूरुल हसन के 12 जुलाई, 1993 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

डनका जन्म 26 दिसम्बर, 1921 को हुआ। वह एक महान ि ाक्षा भाास्त्री थे। वह वर्श 1968 से 1978 तक राज्य सभा के सदस्य रहे। वर्श 1971 से 1977 तक वह केन्द्रीय मंत्री रहे। उन्होने यूनेस्को जनरल कान्फ्रैंस में भारतीय ि ाश्टमण्डल का कई बार नेतृत्व किया। वह वर्श 1983 से 1983 तक तत्कालीन सोवियत संघ में राजदूत रहे। उन्होने वर्श 1986 से 1989 तक पि चत बंगाल के और वर्श 1989 से 1990 तक उडीसा के तथा पुनः वर्श 1990 से अपने निधन तक पि चम बंगाल के राज्यपाल पद को सु ाोभित किया। वह कई पुस्तको के लेखक भी है। उन्हे वर्श 1983 में ''बी0 सी0 राय अवार्ड'' तथा वर्श 1986 में ''स्वामी प्रणवानंद अवार्ड'' से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक, प्रमुख ि ाक्षा भाास्त्री तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री आर. गुंडुराव, कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्य मंत्री

यह सदन कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्य मंत्री श्री आर. गुंडुराव के 22 अगस्त, 1993 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 8 अप्रैल, 1937 को हुआ। वह वर्श 1972 से 1983 तक कर्नाटक विधान सभा के सदस्य रहे। इस अवधि में उन्होने मंत्री पद भी सम्भाले। वह वर्श 1980 से 1983 तक कर्नाटक के मुख्य मंत्री पद पर रहे। वर्श 1989 से 1991 तक वह लोक सभा के सदस्य रहे। वह एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता और राजनेता थे। श्री गुंडुराव ने लोक सभा की कार्यवाही में अपना बहूमूल्य योगदान दिया। वह अनेक संसदीय समितियो के सदस्य भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक कु ाल प्र ाासक तथा योग्य सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के शोक–संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौधरी ब्रहा प्रका ा, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री चौधरी ब्रहा प्रका ा के 11 अगस्त, 1993 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 16 जून, 1918 को हुआ। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन में बढचढ कर भाग लिया ओर कई बार जेल यात्राए

की। वह वर्श 1952 से 1955 तक तत्कालीन दिल्ली राज्य के मुख्य मंत्री रहे। वह वर्श 1957 से 1970 तक तथा वर्श 1977 से 1979 तक लोक सभा के सदस्य रहे। वह वर्श 1979–1980 के दौरान केन्द्रीय मंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा एक स्वतंत्रता सेनानी, योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री पूर्णेन्दू भोखर नस्कर, भूतपूर्व केन्द्रीय उप मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय उप मंत्री श्री पूर्णेन्दू भोखर नस्कर के 24 अगस्त, 1993 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म मार्च, 1921 में हुआ। वह वर्श 1952 से 1967 तक लोक सभा के सदस्य रहे। वह केन्द्र में उप–मंत्री भी रहे। उन्होने अनेक दे ाो की यात्राएं की।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री दीप चन्द भाटिया, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री दीप चन्द भाटिया के 13 जुलाई, 1993 को हुए दुःखद हाइसे पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 2 फरवरी, 1930 को पाक्स्तान में हुआ। उन्होने कई सामाजिक, घार्मिक तथा ि ाक्षा–संस्थाओ में विभिन्न पदो पर कार्य किया। वह वर्श 1977 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए और वर्श 1979 में मंत्री पद पर रहे।

उनके निधन से हरियाणा एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री रामधारी वाल्मीकि, हरियाणा विाान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री रामधारी वाल्मीकि के 31 मई, 1993 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म पहली जनवरी, 1929 को जिला सोनीपत में हुआ। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लिया तथा दो बार जेल गए। वह वर्श 1962 मे संयुक्त पंजाब विधान सभा के तथा वर्श 1967 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। उन्होने अनुसूचित जातियो के लोगो की भलाई के लिए बहुत काम किया और वह कई सामाजिक संगठनो से जुडे रहे।

उनके निधन से हरियाणा एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री भयाम लाल तेवतिया,हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री भयाम लाल तेवतिया के 31 मई, 1993 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म पहली जून, 1932 को फरीदाबाद में हुआ। वह व्यवसाय से किसान थे। वह वर्श 1972 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। उन्होने अनेक ि ाक्षा–संस्थाओ में विभिन्न पदो पर कार्य किया। उन्होने अपने क्षेत्र में बहुत समाज सेवा की।

उनके निधन से हरियाणा एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री मोहिन्द्र सिंह दहिया, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री मोहिन्द्र सिंह दहिया के 8 मई, 1993 को हुए दुःखद निान पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 6 जनवरी, 1940 को जिला सोनीपत में हुआ। उनकी राजनीति में गहरी रुचि थी। वर्श 1987 में वह हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। दिसम्बर, 1989 से अप्रैल 1991 तक वह हरियाणा स्कूल ि ाक्षा बोर्ड, भिवानी के चेयरमैन रहे।

उनके निधन से हरियाणा एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री गिरिलाल जैन, प्रमुख पत्रकार

यह सदन प्रमुख पत्रकार श्री गिरिलाल जैन के 19 जुलाई, 1993 करे हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 26 जुलाई, 1922 को जिला सोनीपत में हुआ। उन्होने वर्श 1948 में ''न्यूज क्रानिॅकल;; के उप–सम्पादक के रुप में पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रवे ा किया। वर्श 1950 में उन्होने ''टाईम्ज आफॅ इंडिया'' के दिल्ली संस्करण के उप–संपादक का कार्य सम्भाला। वर्श 1978 से 1988 तक वह ''टाईम्स आफ

इंडिया'' के एडिटर–इन–चीफ रहे। उन्होने कई पुस्तकें भी लिखी। उन्हे वर्श 1989 में ''पदम भूशण'' से अलंकृत किया गया।

वह सिर्फ पत्रकार ही नही, बल्कि अपने आप में एक संस्था थे। उन्होने भारतीय पत्रकारिता पर अपनी गहरी छाप छोडी। वह अपने दमदार लेखन के लिए प्रसिद्ध थे और उनहोने दे ा में चल रही सामाजिक और राजनैतिक प्रकिया को प्रभावित किया।

उनके निधन से दे ा एक वि ाश्ट पत्रकार की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

न्यायमूर्ति श्री मेहर सिंह, पंजाब तथा हरियाणा हाईकोर्ट के भूतपूर्व मुख्य न्यायधी ा

यह सदन पंजाब तथा हरियाणा हाईकोर्ट के भूतपूर्व मुख्य न्यायधी ा न्यायमूर्ति श्री मेहर सिंह के 12 जून, 1993 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भोाक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 अगस्त, 1908 को जिला फिरोजपुर में हुआ। उच्च ि ाक्षा प्राप्त करने के बाद वह लाहौर हाईकोर्ट में वकील बने और उन्होने वर्श 1933 मे फिरोजपूर में वकालत आरम्भ की। वर्श 1935 में वह तत्कालीन फरीदकोट रियासत में मैजिस्ट्रेट नियुक्त हुए। वहां पर उन्होने वर्श 1948 तक कई महत्वपूर्ण पदो पर कार्य किया। फरीदकोट रियासत के पैप्सू में विलय के बाद वह

पैप्सू राज्य में अनेक महत्वपूर्ण पदो पर रहे। वर्श 1953 में वह पैप्सू हाईकोर्ट के तथा वर्श 1956 में मुख्य न्यायधी ा नियुक्त हुए और उसके बाद पहली नवम्बर, 1966 को वह पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधी ा बने।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख वि ोशज्ञ तथा योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सरदार अजमेर सिंह, संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री सरदार अजमेर सिंह के 18 जून, 1993 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 9 अप्रैल 1911 को हुआ। वह व्यवसाय से वकील थे। वह वर्श 1952 से 1957 तथा 1962 में पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह वर्श 1962 से 1964 तक तथा 1965 से 1966 तक पंजाब में मंत्री रहे। वह अनेक ि ाक्षा संस्थाओ से जुडे रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री तारा सिंह लायलपुरी, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री तारा सिंह लायलपुरी के 20 अप्रैल, 1993 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 20 जनवरी, 1921 को हुआ। वह वर्श 1962, 1969, 1980 तथा 1985 में पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह वर्श 1970 से 1971 तक तथा 1986 से 1987 तक पंजाब सरकार में राज्य मंत्री के पद पर रहे। उन्होने सदैव अपने क्षेत्र में अनुसूचित जातियो तथा कमजोर वर्गो के कल्याण के लिए कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक, सामाजिक कार्यकर्ता तथा अनुभवी विधायक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री के ाो दास, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री के ाो दास के 15 अप्रैल, 1993 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

वह पठानकोट के रहने वाले थे। वह वर्श 1952 से 1957 तक संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य विधायक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मेजर सूरज मल, स्वतंत्रता सेनानी

यह सदन स्वतंत्रता सेनानी मेजर सूरज मल के 11 जुलाई, 1993 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म जिला रेवाडी में हुआ। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लिया तथा लगभग 10 वर्श जेल में भी रहे। वह द्वितीय वि व युद्ध में नेताजी सुभाश चन्द्र बोस के निकट सहयोगी रहे। इस युद्ध में वह बहादुरी से लडे तथा उन्हे ''सरदार–ए–जंग'' की उपाधि भी प्रदान की गई। उन्होने समाज–सेवा के क्षेत्र में भी बहुत काम किया।

उनके निधन से दे ा एक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी तथा सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

बाढ पीडित व्यक्ति

यह सदन उन सभी लोगो की अकाल मृत्यु पर गहरा भाोक प्रकट करता है जो हाल ही में राज्य में आई भयंकर बाढ के ि ाकार हो गये।

यह सदन उन सभी दिवंगतो के भाोक–संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्रीमती चमेली देवी, सामाजिक कार्यकर्ता

यह सदन हरियाणा के राज्य मंत्री श्री तेजेन्द्र पाल मान की पूज्या माता श्रीमती चमेली देवी के 7 मई, 1993 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 2 जून, 1907 को हुआ। वह धार्मिक विचारो वाली महिला थी और सभी के दु:ख–दर्द को बांटती थी। वह हर क्षेत्र में महिलाओ के उत्थान के लिए इच्छुक थी।

उनके निधन से हरियाणा एक सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओ से वंचिता हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री देवेन्द्र कुमार, प्रगति ील किसान

यह सदन हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री किताब सिंह मलिक के सुपत्र श्री देवेन्द्र कुमार के 6 अगस्त, 1993 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री देवेन्द्र कुमार का जन्म 11 सितम्बर, 1967 को हुआ। वह एक किसान थे और कृशि–कार्यो में उनकी गहरी रुचि थी।

उनके निधन से हरियाणा एक प्रगति ाील युवा किसान की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री भगवान सिंह रो ा, हरियाणा के प्रथम आई0 जी0 पुलिस

यह सदन हरियाणा के प्रथम आई0 जी0 पुलिस श्री भगवान सिंह रो ा के 27 जुलाई, 1993 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 5 फरवरी, 1914 को हुआ। उन्होने गवर्नमैंट कालेज, लाहौर से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। वह अप्रैल 1936 में पुलिस में इंस्पैक्टर के पद पर भर्ती हुए और उसके बाद अक्तुबर, 1949 में आपात्कालीन भर्ती स्कीम के तहत स्टेट पुलिस सर्विस में नियुक्त हुए। वह पंजाब में पुलिस विभाग में विभिन्न पदो पर रहे।

पहली नवम्बर 1966 को हरियाणा राज्य के गठन पर वह प्रदे ा के प्रथम आई0 जी0 पुलिस बने। तत्प चात् उन्होने भारत सरकार में भी विभिन्न पदो पर कार्य किया। वह 5 फरवरी, 1972 को सेवानिवृत हुए। उनकी कर्मठ सेवाओ के कारण वर्श

1949 में उन्हे पुलिस मैडल तथा वर्श 1966 में राश्ट्रपति पुलिस मैडल प्रदान किया गया।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री एच आर के तलवार, भूतपूर्व आई0 जी0 पुलिस हरियाणा

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व आई0 जी0 पुलिस, श्री एच0 आर0 के0 तलवार के 27 अगस्त, 1993 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 जनवरी, 1924 को हुआ। उन्होने डी0 ए0 वी0 कालेज, लाहौर से स्नातक की डिग्री प्राप्त की तथा 1948 में भारतीय पुलिस सेवा में भर्ती हुए। पहली नवम्बर, 1966 को हरियाणा राज्य के गठन पर उनकी सेवां हरियाणा को सौंपी गई और उन्होने महत्वपूर्ण पदो पर कार्य किया। उन्होने भारत सरकार में भी विभिन्न पदो पर कार्य किया। उनकी वि ाश्ट सेवाओ के कारण उन्हे वर्श 1969 में पुलिस मैडल तथा 1979 में राश्ट्रपति पुलिस मैडल प्रदान किए गए। वह 31 जनवरी, 1982 को सेवा–निवृत हुए।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

प्रो0 सम्पत सिंह(भटटू कलां): स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, मै उसका समर्थन करने के लिये खडा हुआ हूं। सर, पिछले सै ान के प चात् हमारी विधान सभा की आज पहली बैठक हो रही है, इसके बीच में बहुत सी महान विभूतियां हमारे बीच में से चली गयी है। इनमें बहुत से ऐसे लोग थे, जिन्होने दे ा की आजादी की लडाई में बढ–चढ कर भाग लिया था। वे स्वतंत्रता सेनानी थे। कुछ लोग बहुत अच्छे एडवोकेट थे, बहुत अच्छे जुरिस्ट रहे है। इसी तरह से पुलिस के प्र ाासन अधिकारी भी रहे ै। यह काफी लम्बी लिस्ट है। बडे दुख की बात है कि ऐसे महान व्यक्तियो से हमें वंचित होना पडा है। अध्यक्ष महोदय, इस लिस्ट मे सब से पहले हमारे भूतपूर्व प्रधान मंत्री थे, लाल बहादुर भाास्त्री की धर्मपत्नी श्रीमती ललिता भाास्त्री का नाम है। हमें उनकी मृत्यु का बडा ही दु:ख है। श्री लाल बहादुर भाास्त्री इस दे ा की राजनीति में बडी भारी नि ाानी छोड कर गए है वे इस दे ा के बहुत ही योग्य और ईमानदार प्रधान मंत्री रहे। स्पीकर साहब, किसी भी व्यक्ति के उत्थान में उसकी पत्नी का बडा भारी योगदान होता है। कोई भी व्यक्ति अगर किसी उच्च पद पर पहुंचता है तो उसमें उसकी पत्नी का हाथ अव य होता है। श्रीमती ललिता भाास्त्री के चले जाने का हमें बडा भारी

दुख है। उन्होने दस दे ा की आजादी प्राप्त करने में बडा भारी योगदान दिया था। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उनके प्रति संवेदना प्रकट करता हूं।

इसी तरह से श्री हरचरण सिंह अजनाला जो हमारे पडोसी पंजाब के स्पीकर थे, उनका भी निधन 9 जून, 1993 को हो गया है। वे भी आपकी तरह से ही बडे योग्य स्पीकर थे और आपकी तरह से ही बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे। बडी कु ालता से विधान सभा को चलाते थे। उनका बडा अच्छा अनुभव था। वे 1972, 1980 तथा 1992 में पंजाब विधान सीाा के सदस्य चुने गए। 1980 से 1983 तक वह पंजाब सरकार में मंत्री पद पर रहे तथा मार्च, 1992 से अपने निधन तक पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष रहे। उनकी मृत्यु से हमें बडा भारी सदमा पहुंचा है।

स्पीकर साहब, डा0 सैयद नूरज हसन केन्द्र में मंत्री रहे थे। वे एक महान ि ाक्षा भााास्त्री थे और बडे इंडिपैंडैन्ट पोलिटीि ायन थे। वे राज्य सभा के भ सदस्य रहे। उन्होने भारत का विदे ाो में प्रतिनिधित्व किया। वे कई वर्श तक तत्कालीन सोवियत संघ में भारत के राजदूत रहे। उन्होने कई राज्यो में राज्यपाल का पद भी सु ाोभित किया। वह कई पुस्तको के लेखक भी थे। उन्हे वर्श 1983 में बी0 सी0 राय अवार्ड तथा एक और अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक, प्रमुख ि ाक्षा भााास्त्री तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ

से वंचित हो गया है। ऐसी महान विभूति के चले जाने का हमें बहुत ही दु:ख है।

इसी तरह से कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्य मंत्री श्री गुंडुराव का भी देहावसान हो गया है। वे वर्श 1972 से 1983 तक कर्नाटक विधान सभा के सदस्य रहे। वे लोक सभा के सदस्य भी रहे। गुंडुराव जी एक सामाजिक कार्यकर्ता और राजनेता थे। जब वे कर्नाटक के मुख्य मंत्री थे तो उनके नाम की बडी चर्चा हुआ करती थी। स्पीकर साहब, हमें उनके चले जाने का बहुत ही दु:ख है।

स्पीकर साहब, चौधरी ब्रहा प्रका ा जी का भी देहावसान हो गया है। वे भूतपूर्व केन्द्री मंत्री थे और दिल्ली स्टेट के वे पहले मुख्य मंत्री थे। उन की आइडैन्टीफिके ान दिल्ली के देहातो से जुडी हुई थी। दिल्ली का कोई भी व्यक्ति उनसे मिलने पर उनको अजनबी नही समझता था। उनके सामने जाने से और उनसे मिलने से हर व्यक्ति को अपनत्व मिलता था। उन्होने दे ा की स्वतंत्रता की लडाई में बहुत ही बढचढ कर भाग लिया और ऐसे व्यक्तियो की वजह से ही हम आज स्वतंत्रता का आनन्द भोग रहे है। मै अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। ऐसे स्वतंत्रता सेनानी के चले जाने से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है।

स्पीकर साहब, श्री भाग्ये गोवर्धन, भूतपूर्व केन्द्री राज्य मंत्री भी हमारे बीच नही रहे। वे एडमिनिस्ट्रे ान सर्विस में थे और उसके बाद उसको छोडकर राजनीति में आए। वे 1989 तक 1991 में लोक सभा के सदस्य चुने गए और 1990–91 के दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री रहे। 1989 में वे हमारी पार्टी की ओर से एम0 पी0 चुने गए थे और जब श्री चन्द्र ोखर प्रधान मंत्री बन तब उन्होने मिनिस्टरी का कार्यभार सम्भाला। उन्होने बहुत अच्छा काम किया और अपने क्षेत्र में बहुत समाज–सेवा की। वे बडे ही योग्य व्यक्ति थे। ऐसे बुद्धिमान व्यक्ति के चले जाने का हमें बहुत ही दुःख है।

श्री पूर्णेन्दू भोखर नस्कर जोकि भूतपूर्व उप–मंत्री थे, स्पीकर साहब, उनका भी स्वर्गवास हो गया है। उनके चले जाने का भी हमे बहुत दुःख है।

श्री दीप चन्द भाटिया, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री थे। वे 1977 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए और वर्श 1979 में मंत्री पद पर रहे। वे बहुत ही हंसमुख किस्म के व्यक्ति थे। हम प्यार से उनको पठान कहा करते थे। वे जब भी आते थे और चाहे कितने ही व्यक्ति बैठे हो तो लोग उनकी तरफ आकर्शित हो जाया करते थे। मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हू।

स्पीकर साहब, इसी तरह से श्री रामधारी वाल्मीकि 1962 में संयुक्त पंजाब विधान सभा के तथा 1967में हरियाणा

विधान सभा के सदस्य चुने गए। वे सामाजिक कार्यो में बहुत रुचि लेते थे। उन्होने अनुसूचित जाति के लोगो के उत्थान के लिए बहुत काम किया। उनकी मृत्यु का हमें बहुत दुख है।

श्री भयाम लाल तेवतिया, 1972 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये थे। वे बडे ही समाज सेवी थे। उन्होने अनेक ि ाक्षा संस्थाओ में विभिन्न पदो पर कार्य किया। उनके निधन से हरियाणा एक प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता तथा योग्य विधायक की सेवाओ से वंचित हो गया है। उनके निधन से हमें बेहद दुःख है।

इसी तरह से स्पीकर साहब, श्री मोहिन्द्र सिंह दहिया जो 1987 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए थे। वे बहुत ही अच्छे इंसान थे। उन्होने किसानो व मजदूरो के लिए ईमानदार ढंग से लडाईयां लडी। उनकी राजनीति में गहरी रुचि थी। उन्होने हरियाणा की आन बान के लिये हरियाणा के अन्दर जो न्याय युद्ध हुआ, उसमें बढचढ कर हिस्सा लिया। वे सही मायनो में किसान थे। एम0 एल0 ए0 होते हुए भी वे बडा सादा जीवन व्यतीत करते थे और सादी वे ाभूशा में रहते थे और लोगो में आपसी भाई चारे में बैठते उठते थे। वे बडे अच्छे समाज सेवी भी थे। वे पैदल ही गांव गांव मे जाते और लोगो की बातो को सुनते थे और उनकी सेवा करते थे। उनके जाने से हमें गहरा दुःख है। स्पीकर साहब, उनका अचानक निधन हो गया, ऐसा हमने कभी सोचा भी नही था कि इतनी जल्दी हमसे बिछुड जाएंगे। पांच मिनट पहले हमारे यहां के बहुत सारे साथियो से वे मिल कर गए थे। नरवाना

बाई–इलैक ान के दिनो में वे वहां पर गये और आफिस में जाते हुए इन्होने कहा कि मुझे जरा पेन सी हो रही है। डाक्टर को दिखाना चाहिये। उन्होने डाक्टर को दिखाया और उसी समय वहां पर कुलैप्स कर गये। स्पीकर साहब, वे एक लीगल लडाई भी लड रहे थे। वे उसमें कामयाब भी होने जा रहे थे। उनके निधन से हमे और पार्टी को निजि तौर पर बडी ही क्षति पहुंची है जिसकी पूर्ति कभी नही हो सकती। मै अपनी तथा अपनी पार्टी की ओर से उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री गिरिलाल जैन, एक प्रमुख पत्रकार थे। टाइम्ज आफ इंडिया के वे उप–संपादक रहे और बादमें 19 वर्शो तक वे टाइम्ज आफ इंडिया के एडिटर इन चीफ भी रहे। उन्होने कई पुस्तके भी लिखी। वे एक निर्भिक पत्रकार थे। उन्हे 1989 में पदम भूशण से अलंकृत किया गया था। उन्होने भारतीय पत्रकारिता पर अपनी गहरी छाप छोडी। उनके निधन से हमें गहरा दुःख है।

इसी तरह से न्यायमूर्ति श्री मेहर सिंह, जोकि पंजाब तथा हरियाणा हाई कोर्ट के भूतपूर्व मुख्य न्यायधी ा थे, उनकी मृत्यु से हमें बडा दुःख है। वे बडे–बडे उच्च पदो पर भी रहे ह। पैप्सू में भी वे बडे ही महत्वपूर्ण पदो पर विराजमान रहे। ऐसी महान विभूति, ऐसे महान जज के चले जाने से हमे गहरा दुःख हुआ है, जिसकी पूर्ति होना असम्भव है। उनके निधन से दे ा एक प्रमुख कानून वि ोशज्ञ तथा योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वंचित

रह गया है। मै उनके भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

स्पीकर साहब, सरदार अजमेर सिंह जी, जो कि संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री थे वे बहुत सी ि ाक्षा संस्थाओ से जुडे रहे। उनकी मृत्यु से हमें गहरा दुःख हुआ है।

इसी तरह से श्री तारा सिंह लालयपूरी, वे संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे। वे 1962, 1969,1980 तथा 1985 में पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए और बाद में पंजाब सरकार में मंत्री पद पर भी रहे। उन्होने सदा ही अपने क्षेत्र में अनुसूचित जातियो तथा कमजोर वर्गो के कल्याण के लिए कार्य किया।

इसी तरह से श्री के ाोदाास जी जोकि संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे, उनके निधन से भी हमें गहरा दुख हुआ है।

मेजर सूरज मल, जोकि एक स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होने 10 वर्शो तक जेले काटी और बढ–चढ कर स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लिया। वे बडे ही बहादुर सेनानी थे। उन्होने द्वितीय वि व युद्ध में नेताजी सुभाश चन्द्र बोस के साथ आजादी की लडाई में भाग लिया। इस युद्ध मे वे बडी ही बहादुरी से लडे और उन्हे सरदार–ए–जंग की उपाधि भी प्रदान की गयी। वे बडे अच्छे समाज सेवी थे। समाज के उत्थान के लिये उन्होने बहुत

काम किया। उनके निधन से दे ा एक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी तथा सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओ से वंचित हो गया है। इस तरह से एक एक करके ऐसे स्वतंत्रता सेनानी अपने बीच से जाते रहे है तो इनकी पूर्ति कभी नही हो सकेगी। इसके साथ–साथ अभी जैसाकि मुख्य मंत्री महोदय ने बाढ से प्रभावित लोगो की मृत्यु के बारे में भी यहां पर भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। हम भी बाढ से मरने वालो के परिवारो के प्रति अपनी संवेदना, सहानुभूति प्रकट करते है लेकिन जिन कारणो से लोगो की बाढ के कारण मौते हुई, उन जिम्मेवारियो से हम कभी नही बच सकते। सरकार को इस ओर पूरा प्रबन्ध करना चाहिये था, जिसके लिये सरकार ऐसा करने में असमर्थ रही। इन भाब्दो के साथ मै इस भाोक प्रस्ताव का समर्थन करता हुआ अपनी और अपनी पार्टी की ओर से दिवंगत आत्माओ के भाोक संतप्त परिवारो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इसी तरह से हमारी विधान सभा के सदस्य है जो आज मंत्री पद पर विराजमान है, वे है श्री तेजेन्द्र पाल मान जिनकी माता जी का निधन हो गया है जिसका हमें बहुत दु:ख है। माता–पिता की उम्र चाहे कितनी भी बडी क्यों न हो लेकिन बेटे के लिए हमे ाा मां–बाप का आि ार्वाद होता है। उनके निधन से हमें बहुत दु:ख है। इसी तरह से चौधरी किताब सिंह का होनहार बेटा जिसकी उम्र अभी 26 साल की भी नही थी, उसके निधन से भी हमें बहुत दु:ख हुआ है। स्पीकर साहब, आदमी बेटे की मृत्यु से टूट जाता है। इसलिए हमारा साथी होने के नाते हमें उनके लडके की मृत्यु पर बहुत दुख हुआ है। स्पीकर साहब,

इसी तरह से हमारे हरियाणा प्रदे ा के दो आई0 जी0 श्री भगवान सिंह तथा तलावड साहब बहुत बढिया अफसरे थे। उनके चले जाने से भी हमें बहुत दु:ख हुआ है। मै अपनी पार्टी की तरफ से तथा अपनी तरफ से इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

श्री बंसी लाल (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो औबिच्युरी प्रस्ताव सदन के सामने रखा है, मै इसका अनुमोदन करता हूं। श्रीमती ललिता भाास्त्री स्वर्गीय लाल बहादुर भाास्त्री जी की धर्म पत्नी थी। वे बहुत अच्छी सो ाल वर्कर थी और उन्होने लाल बहादुर जी का फ्रीडम फाइटिंग में डट कर साथ दिया था। उन्होन समाज की बडी सेवा की और उन्होने एक सेवा निकेतन इलाहबाद में चलाया। उनके निधन से तथा हमको एक बुजुर्ग माता के चले जाने वे दु:ख हुआ है। मै उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। स्पीकर साहब, श्री हरचरण सिंह अजनाला, पंजाब विधान सभा के स्पीकर थे। वे बहुत नेक, बडे लायक और एक अच्छे इंसान थे। मेरे तो वे व्यक्तिगत दोस्त भी थे। खास तौर पर मुझे तो उनकी मृत्यु से व्यक्तिगत दु:ख हुआ है। उनके परिवार के प्रति मै सहानुभूति प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, डा0 नुरुल हसन की मृत्यु पर भी हमें बहुत दु:ख हुआ है। वे केन्द्रीय सरकार में ि ाक्षा मंत्री भी रहे और उसके बाद वे बंगाल और उडीसा के गवर्नर भी रहे। वे एक बहुत अच्छे स्कालर थे। उन्होने कई इंटरने ानल इंस्टीच्यू ांज में बढ चढ कर हिस्सा लिया। उनकी मृत्यु पर भी हम गहरा भाोक प्रकट करते है। श्री

गुंडुराव जो कर्नाटक के मुख्य मंत्री रहे है वे अचानक ही इस संसार से चल बसे। उनकी उम्र कोई ज्यादा नही थी। वे ईलाज करवाने के लिए विलायत गए हुए थे। वे हस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर आ गए थे और हिन्दुस्तान वापिस आने की तैयारी कर रहे थे। उनकी मृत्यु से हमने एक नेक इन्सान खो दिया है। मै उनके परिवार के लोगो के प्रति सहानुभूति प्रकट करता हू। श्री ब्रहा प्रका ा जी दिल्ली के मुख्य मंत्री रहे और केन्द्री सरकार में भी मंत्री रहे। वे एक बहुत तगडे फ्रीडम फाईटर थे। वे दिल्ली मे 1952 से लेकर 1955 तक मुख्य मंत्री रहे। उन्होने दिल्ली में इतना काम किया कि दिल्ली और उसके आस पास के लोग उन्हे हमे ाा याद करते रहेंगे। चौधरी ब्रहा प्रका ा गरीबो के हमदर्द थे। उन्होने डाउन ट्रोडन को उपर उठाने के लिए कोई कसर नही छोडी। इसमें उनको बहुत कामयाबी मिली। वे लोक सभा के मैंबर तथा केन्द्र में मंत्री भी रहे। वे अपने आप में एक इंस्टीच्यु ान थे। उनके बारे में जितना भी कह दे उतना ही थोडा है। मै उनकी मृत्यु पर भी भाोक प्रकट करता हू और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हू। श्री भाग्य गोवर्धन, भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री के निधन पर भी मै भाोक प्रकट करता हूं और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हू। श्री पूर्णेन्दू भोखर नस्कर, फौरमर युनियन डिप्टी मिनिस्टर रहे, वे बहुत पुराने एम0 पी0 थे। वे हमारे साथ भी एम0 पी0 रहे। वे एक बहुत ही अच्छे इन्सान थे। उनकी मृत्यु पर मै भाोक प्रकट करता हूं ओर उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हू। श्री दीप चन्द भाटिया, हरियाणा के

फौरमर मिनिस्टर थे। वे इस संसार से चले गए। मै उनकी मृत्यु पर भाोक प्रकट करता हू। श्री रामधारी वाल्मीकि, हरियाणा विधान सभा के मैम्बर रहे। वे बहुत योग्य मैम्बर थे। वे जो भी काम करते थे वह पक्के इरादे के साथ किया करते थे। वे बीमार भी नही थे। अचानक इस संसार से चले गए। मै उनकी मृत्यु पर भाोक प्रकट करता हूं और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हू। श्री भयाम लाल तेवतिया इसी सदन में मैम्बर रहे। वे 1972 से चुन कर आए थे। वे बेलाग और बडे निर्भिक कार्यकर्ता थे, बडे अच्छे इंसान थे। वे समाज सेवा मे लगे रहते थे। मै उनकी मृत्यु पर भाोक प्रकट करता हू और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हू। श्री मोहिन्द्र सिंह दहिया इसी सदन के मैम्बर रहे। जैसे लीडर आफ दी अपोजि ान ने बताया कि वे बिल्कुल भले चंगे थे। वे डाक्टर के पास दवाई लेने गए थे। पता नही उनको कोई दवाई का रीएक ान हो गया या कोई और बात हो गई वे अचानक इस संसार से चले गए। मै उनकी मृत्यु पर भाोक प्रकट करता हू और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हू। श्री गिरीलाल जैन एडिटर इन चीफ, टाइम्ज आफ इंडिया होते थे। इससे पहले वे न्यूज क्रानिक्ल के सम्पादक थे। किसी जमाने में न्यूज क्रानिकल बहुत क्रांतिकारी अखबार था। श्री गिरीलाल जैन अपने आप में एक इंस्टीच्यू ान थे। उन्होने बडी समाज सेवा की। वे निर्भिक एडीटर थे। उन्होने पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत उंचा नाम कमाया। जर्नलिज्म में उन्होने दूसरे लोगो को लीड दी। उनकी मृत्यु पर मै भाोक प्रकट करता हू और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट

करता हू। जस्टिस श्री मेहर सिंह पंजाब तथा हरियाणा हाई कोर्ट के भूतपूर्व मुख्य न्यायधी ा थे। पहले वे पैप्सू में मैजिस्ट्रेट रहे। उसके बाद पैप्सू होई कोर्ट के जज बन गए। उसके बाद वे पंजाब हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बन गए। फिर उसके बाद पंजाब तथा हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बन गए और वे इस पद पर लम्बे अर्से तक रहे। वे इस संसार से चले गए। उनकी मृत्यु पर मे गहरा भाोक प्रकट करता हूं। सरदार अजमेर सिंह की मृत्यु पर भी मै भाोक प्रकट करता हूं और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। श्री तारा सिंह लायलपुरी के निधन पर मै भाोक प्रकट करता हू। और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। श्री के ाो लाल की मुत्यू पर भाोक प्रकट करता हू। और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। मेरज सूरज मल रिवाडी में पैदा हुए थे। सेकिण्ड वर्ल्ड वार में वे नेता जी सुभाश चन्द्र बोस के बहुत नजदीक रहे। उन्होने नेता जी के साथ कंधे से कंधा मिला कर लडाई लडी। उनकी मृत्यू पर मै भाोक प्रकट करता हू और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हू। जिन लोगो का बरसात में फल्ड के कारण स्वर्गवास हो गया और वे समय से पहले ही इस संसार से चले गए उनकी मृत्यु पर मै भाोक प्रकट करता हूं। साथ ही सदन के नेता से प्रार्थना करता हू। कि उनको प्रोपर कम्पन ोसन दे और उनकी हैसियत के अनुसार कम्पनसे ान दे क्योंकि कई तो ऐसे थे जो अपने घर में अकेले ही कमाने वाले थे। इस तरफ भी ध्यान रखे। श्रीमती चमेली देवी के प्रति भी मै भाोक प्रकट करता हूं। श्री देवेन्द्र कुमार, प्रोग्रेसिव

फौरमैनसदन के सदस्य चौधरी किताब सिंह मलिक के सुपुत्र थे, अफसोसहै कि वे इतनी छोटी उम्र में ही इस संसार से चले गये। वैसे तो यह दुख बहुत ही बउा है और घर वाले इस महान दुख को कभी भूला नही सकते और दूसरे लोग भी उनको भुला नही सकते, मगर भगवान की करनी प्रबल है। मै उनके परिवार के प्रति और खासतौर पर चौधरी किताब सिंह मलिक के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हू। श्री भगवान सिंह रो ाा, हरियाणा के प्रथम आई0 जी0 पुलिस थे और मेरे वक्त में भी आई0 जी0 रहे। उनकी मृत्यु पर मै भाोक प्रकट करता हू। श्री एच0 आर0 के0 तलवार जिनका अभी एक दो दिन पहले ही स्वर्गवास हुआ है, उनकी मृत्यू पर भी मै भाोक व्यक्त करता हूं ।इन सभी दिवंगत आत्माओ के प्रति अपनी तथा पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपनी संवेदना प्रकट करता हू और इस प्रस्ताव का समर्थन करता हू। धन्यवाद।

श्रीमती चन्द्रावती(लोहारु): स्पीकर साहब, इस सदन में जो भाोक प्रस्ताव रखा गया है, मै उसका समर्थन करने के लिये खडी हुई हू। जो लोग इस संसार को छोड कर चले गये, उनके परिवारो के प्रति मै अपनी संवेदना प्रकट करती हू। श्रीमती ललिता भाास्त्री स्वर्गीय लाल बहादुर भाास्त्री जी की धर्म पत्नी थी। श्रीमती भाास्त्री और चौधरी चरण सिंह जी ने पोलिटिक्स में रहते हुए बहुत ही अनुकरणीय जीवन जीया और पोलिटिक्स मे रहते हुए भी समाज सेवा से जुडे रहे। श्रीमती ललिता भाास्त्री एक अनुकरणीय

महिला थी। मै उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करती हूॅ। इसी प्रकार से हरचरण सिंह अजनाला का समय से पहले ही निधन होने पर उनकी मृत्यु का बहुत ही दुख है। मै उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करती हूॅ। श्री नुरुल हसन, श्री आर0 गुण्डुराव, चौधरी ब्रहम प्रका ाको मै व्यक्तिगत रुप से जानती हूं। वे हमारे साथी रहे और फ्रीडम फाइटर थे। उन्होने समाज के पिछडे हुए लोगो तथा बैकवर्ड क्लास के लोगो के लिये बहुत ही काम किया। मै उनको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हू। प्रो0 नुरुल हसन बहुत बडे विद्या वि ाारद थे और विद्वान आदमी थे, मै उनके निधन पर भी भाोक प्रकट करती हू। श्री भग्ये गोवर्धन, पूर्णेन्दू भोखर नस्कर की मृत्यु पर भाोक प्रकट करती हॅ। श्री दीप चन्द भाटिया, श्री रामधारी वालमिकी, श्री भयाम लाल तेवतियां और श्री मोहिन्द्र सिंह दहिया का भी स्वर्गवास हो गया है। श्री मोहिन्द्र सिंह दहिया को छोड कर सभी मेरे साथ एम0 एल0 ए0 रहे। इस सब के बिछुड जाने का मुझे बहुत ही अफसोस है। उनके परिवार को उनके बिछोह का दुख होना स्वाभाविक है। मै इन सभी के परिवारो के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करती हॅ। श्री गिरी लाल जैन बहुत ही महान ओर अच्छे लेखक थे। उनके लेखो को मै बहुत ही रुचि से पढती थी। उनकी समालोचना बहुत अच्छी होती थी, राजनीतिक समालोचना वे बडे ही अच्छे और नपे तुले भाब्दो में किया करते थे। उनका किटिसिज्म करना आता था। उनकी मृत्यु पर भी मै भाोक प्रकट करती हूं।

स्पीकर साहब, इसी प्रकार से न्यायमूर्ति श्री मेहर सिंह, सरदार अजमेर सिंह, श्री तारा सिंह लायलपुर, श्री के ाो दास और मेजर सूरज मल, प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी का भी निधन हो गया है। मेजर सूरज भान जी आई0 एन0 ए0 मे रहे और आई एन0 ए0 के लोगो ने दे ा के लिये जो कार्य किया वह बहुत ही महान है। दे ा की आजादी के लिये उन लोगो ने सबसे बडा योगदान दिया, इसलिये ऐसे लोगो की कोई न कोई यादगार होनी चाहिये और ऐसे महान लोगो का नाम पाठ्य पुस्तको में भी भाामिल किया जाना चाहिए। जो लोग स्वर्ग मे चले गए है उनके परिवार को दुख होता है उन दुखी परिवारो को मै अपनी संवेदना भेजती हू।

श्रीमती चमेली देवी जो राज्य मंत्री श्री तेजेन्द्र पाल मान जी की माता जी थी, उनके प्रति भी हम संवेदना प्रकट करते है और उनके परिवार को श्रद्धांजलि देते है। श्री वी0 एस0 रो ाा जी को मै व्यक्तिगत तौर पर जानती हू। इसी तरह से तलवार जी के बारे में है, अगर पुलिस मे उन जैसे व्यक्ति और अफसर हो जाए तो हरियाणा में ला एण्ड आर्डर की स्थिती बहुत अच्छी हो जाएगी। मै उनके परिवार के प्रति भी श्रद्धांजलि प्रकट करती हूं। मै देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री किताब सिंह मलिक के प्रति संवेदना प्रकट करती हू। अध्यक्ष महोदय, देवेन्द्र कुमार की ला ा 3 घंटे तक सडक पर पडी रही, वहां से गुजरने वालो में से किसी ने भी नही सोचा कि कुछ किया जाए। यह कितनी भार्म की बात है। उनके माता पिता को काफी समय बाद पता चला था। मै उनके माता–पिता को

अपनी संवेदना प्रकट करती हॅू और परमात्मा से प्रार्थना करती हूं कि उनके परिवार को इस दुख को सहने की भाक्ति दे। मै अध्यक्ष महोदय से प्रार्थना करती हूं कि वे इस सदन की ओर से सभी के परिवारो को श्रद्धंजलि भेज दें। इन भाब्दो के साथ ही मै अपना स्थान लेती हू।

प्रो0 राम बिलास भार्मा(महेन्द्रगढ): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक–प्रस्ताव रखा है, मै उसका समर्थन करता हू। पिछले सदन से लेकर अब तक कुछ महान विभूतियां इस संसार से उठ गई है। स्वर्गीय श्री लाल बहादुर भाास्त्री जी की धर्मपत्नी अब इस संसार में नही रहीं। पति की जिंदगी मे जो भी उत्थान और पतन होता है, उसमें काफी हद तक उसकी पत्नी का हाथ होता है। भाास्त्री जी जो भारत रतन बन पाए है, उसमें उनकी पत्नी का वि ोश योगदान रहा था। श्री हरचरण सिंह, अजनाला डा0 सयैद नुरुल हसन, श्री आर0 गुण्डुराव भी अब इस दुनिया में नही रहें। मै उन सबके परिवारो के प्रति संवेदना प्रकट करता हू। चौ0 ब्रहम प्रका ा जी दिल्ली में रहते थे परन्तु उनका जो सामाजिक रि ता था, वह हरियाणा से भी था, खासतौर पर मेरे इलाके आहीवाल से था। हरियाणा के लोग उनका अपना ही आदमी मानते थे, उनकी मृत्यु से हमें बहुत ही धक्का लगा है। श्री भाग्ये गोवर्धन जी मेरी ही पार्टी के व्यक्ति थे, 1977 मे एम0 एल0 ए0 बनकर आए थे। वे एक सामाजिक कार्यकर्ता भी थे। जैसा कि भाई सम्पत सिंह जी ने कहा कि उनका एक अलग ही व्यक्तित्व था और हम उन्हे पठान

कहते थे, हमें उनकी मृत्यु पर गहरा भाोक है और मै परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनके परिवार को यह कमी सहने की भाक्ति दे। श्री रामधारी वाल्मीकि एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होने पिछडे वर्ग के लोगो को ऊंचा उठाने के लिये काम किया। वे एक प्रसिद्ध विधायक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनकी मृत्यु से हम उनकी सेवाओ से वंचित हो गए है। मै उनके प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हू। श्री मोहिन्द्र सिंह दहिया बहुत अच्छे राजनितिज्ञ थे और वे बहुत कम उम्र के थे। वे राजनीति के काम करते करते इस संसार से उठ गए। मै दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू। गिरीलाल जैन जैसे कुछ ऐसे बुद्विर्जीी इस दे ा में थे, जिन्होने समय समय पर अपने विचारो में परिवर्तन पाया और उसकी अभिव्यक्ति करने में भी कोई संकोच नही किया। अध्यक्ष महोदय, गिरीलाल जैन ऐसे ही व्यक्ति थे। वे बडे राश्ट्रवादी और कलम के धनी व्यक्ति थे ओर बडे निर्भिक होकर अपनी बात लिखते थे। हम उनकी लेखनी के कायल है। उनके निधन से अभिव्यक्ति जगत में बहुत बडा खलल पैदा हुआ है। इसी तरह से न्यायमूर्ति मेहर सिंह, सरदार अजमेर सिंह तथा श्री तारा सिह और श्री के ाो दास व मेजर सूरज कल जो स्वतंत्रता सेनानी भी थे, के निधन से हमें बडा दुख हुआ है। मेजर सूरज मल मेरे इलाके के पास रेवाडी के रहने वाले थे। अध्यक्ष महोदय, यह अच्छा ही किया कि इस भाोक प्रस्ताव में उनका नाम भी जोड दिया गया वरना स्वतंत्रता सेनानियो के नाम नही जोडे जाते परन्तु इनका नाम इसमें भाामिल करके अच्छा ही

किया है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से बाढ के कारण भी कई लोग मारे गये है। मेरे हल्के मे ही 21 और 22 तारीख की रात को बारि ा के कारण इतना पानी नदियो मे आया कि केवल महेन्द्रगढ सब डिवीजन में ही चार लोग मारे गए। इसमें एक हरिजन बुढिया, जाटवास गांव का छोटेलाल और खैरा यादव है। अध्यक्ष महोदय, मै सदन के नेता से गुजारि ा करुंगा कि प्राकृतिक प्रकोप से हरियाणा में जो 40 के आसपास लोगो की मृत्यु हुई है, उनके नाम भी इस भाोक प्रसताव में भाामिल करे। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि चौधरी बंसी लाल जी ने भी कहा कि इन लोगो को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिये। सरकार ने जो बाढ से मरने वालो के लिए 50 हजार रुपये की रा ि ा देने की घोशणा की है, मै चाहता हूं कि उसको बढाकर कम से कम एक लाख रुपये करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से श्रीमती चमेली देवी, जो हमारे साथी चौधरी तेजेन्द्र पाल मान की माता जी थी,के निधन से हमें बडा दुख हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आप भी जानते है कि मां बाप उठने सेएक बहुत बडा साया हमारे उपर से समाप्त हो जाता है। भगवान के द र्ान तो भाायद किसी ने न किये हो लेकिन माता पिता के द र्ान से हमे एक अनुभूति होती है, जो उनके उठने से समाप्त हो जाती है। मै अपने सथी के साथ अपनी संवेदना का इजहार करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनको इस दुख का सहने की भाक्ति दे। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से चौधरी किताब सिंह मलिक के एक बेटे देवेन्द्र कुमार के उठ जाने से बहुत बडी चोट लगी है। चौधरी किताब सिंह मलिक

जो कि इस सदन में हमारे साथी है, को एक बहुत बडी चोट पहुंची है।

मै भगवान से प्रार्थना करुंगा कि उनको इस असहाय दुख को सहने की भाक्ति दे। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हमारे हरियाणा प्रदे ा के दो बडे पुलिस अधिकारी श्री भगवान सिंह रो ाा और श्री एच0 आर0 के0 तलवार के निधन से हमें बडा दुख हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि भगवान सिंह रो ाा, वे पुलिस अधिकारी थे जो पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के बंटवारे के समय कितनी कठिनाई से अपने दीन और ईमान को लेकर आये थे। उनके जाने से एक अच्छी परम्परा का अंत हो गया। इसी तरह से श्री तलवार साहब के निधन से मुझे और मेरी पार्टी को बडा दुख हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मै भगवान से प्रार्थना करुंगा कि वह इन सबको भाांति दे। साथ ही मै सदन के नेता से यह भी गुजारि ा करुंगा कि नारनौल में 10 अगस्त को पुलिसकी गोली से, जो 18 साल का मंडलाना गांव का सुरेन्द्र यादव और बरगांव का राजकुमार भार्मा, जिसकी उम्र 23 साल थी, मारे गये, उनके नामो को भी इस भाांक प्रस्ताव में जोडा जाए और उनके परिवारो के प्रति भी संवेदना प्रकट करे। अन्त मे मै इन सबको श्रद्धांजलि देता हुआ इस प्रस्ताव का समर्थन करता हू।

श्री औम प्रका ा चौटाला (नरवाना): अध्यक्ष महोदय, सदन के समक्ष भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत है और बहुत से ऐसे लोग जो कि बडे राजनितिज्ञ थे, स्वतंत्रता सेनानी थे, अच्छे ऐडमिनिस्ट्रेटर,

ि ाक्षाविद और समाज सेवक थे, आज वह इस संसार से चले गये। अध्यक्ष महोदय, प्रकृति का एक नियम है कि जो इस संसार में आता है उसे जाना भी पडता है। लेकिन कई दफा कुछ ऐसी भाख्सियत ऐसे समय में चली जाती है जिनका हरेक को दुख होता है औरउसकमी को पूरा होने में बहुत लम्बा समय लग जाता है। और कई दफा तो वह कमी पूरी भी नही हो पाती। संयुक्त पंजाब विधान सभा के कई वरिश्ठ सदस्य और हरियाणा विधान सभा के सदस्य भी आज हमें छोडकर चले गये। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से दे ा के भूतपूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर भाास्त्री, जो राश्ट्र के स्तर पर ही नही, वि व के स्तर पर भी भाक्ति ाली रहे है, की धर्म पत्नी श्रीमती ललिता भाास्त्री के ऐसे समयपर चले जाने से जबकि उनकी उनके पति की यादो से दे ा के लेागो को बहुत बल मिलना था, हमे बडा दुख हुआ है। वे एक बडी नेक औरत थी। जैसा मेरे दूसरे साथियो ने बताया कि श्री लाल बहादुर भाास्त्री की जो छवि निखर कर आई उसमें श्रीमती ललिता भाास्त्री की अहम भूमिका रही है। वे कई ि ाक्षा संस्थाओ से जुडी हुई थी। उनका हमारे बीच से चले जाना हमारे लिए असहाय दुख की बात है। उनके चले जाने का दुख केवल उनके परिवार के लोगो को ही नही है क्योंकि उनका परिवार समूचा भारत दे ा था। सारे भारतवर्श को उनके जाने का दुख है।

इसी तरह से पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष श्री हरचरण सिंह अजनाला के चले जाने का भी हमें बडा दुख है। व्यक्तिगत

तौर पर मुझे कई बार उनसे मिलने का अवसर प्राप्त हुआ। वे एक नेक इन्सान थे बडे अच्छे पार्लियामैटेरियन थे, बडे अच्छे ढंग से हाउस को चलाया करते थे। कोई ऐसा मौका नही आया जिसकी वजह से सम्मानिक सदस्यो को कोई तकलीफ रही हो। उनका हमारे बीच से चले जाना एक असहाय दुख की बात है। परमात्मा उनकी दिवंगत आत्मा को भाांति प्रदान करे।

डा0 एस0 नुरुल हसन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री थे और बहुत लम्बे समय तक केन्द्र की सरकार में मंत्री रहे। वे बहुत अच्छे ि ाक्षा भाास्त्री थे, नेक इन्सान थे। वे भी हमारे बीच से चले गए। उनके प्रति हम संवेदना प्रकट करते है।

श्री आर0 गुण्डुराव कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्य मंत्री रहे है। पिछले दिनो उनका देहान्त हुआ और ऐसे हालात में हुआ जबकि यह उम्मीद हो गई थी, कि वे स्वस्थ हो जाएंगे। डाक्टरो ने उन्हे डिस्चार्ज कर दिया था वे विदेश से दे ा में आने वाले थे कि उनका निधन हो गया। वे एक अच्छे प्र ाासक थे। अपनी स्टेट में आज भी उनका नाम है। उनका हमारे बीच से चले जाना बडे भाोक का विशय है। उनके प्रति यह हाउस संवेदना व्यक्त करता है।

चौधरी ब्रहम प्रका ा दिल्ली प्रदे ा के पहले मुख्य मंत्री रहे। केन्द्र की सरकार में भी वे अच्छे मंत्री पदो पर रहे। वे एक बहुत अच्छे प्र ाासक थे। उन्होने दिल्ली का बहुत विकास किया

और दिल्ली व हरियाणा चूंकि आपस में मिले जुले है इसलिये हरियाणा की जनता से भी उनका वि ोश लगाव था। हमें उनके चले जाने का असहाय दुख है। मुझे इस बात का दुख है कि ऐसे व्यक्ति का दाह–संस्कार राजकीय सम्मान के साथ होना चाहिए था लेकिन दिल्ली प्र ाासन ने इस बात का अनदेखा किया जिसकी वजह से इस दे ा के लोगो को और ज्यादा दुख है। वे एक अच्छे रहनुमा किसान थे। किसान वर्ग के लिये और वि ोश रुप से ग्रामीण अंचल मे बसने वाले लोगो के लिये उन्होने अच्छी योजना बनाई। वे योजनाएं केवल कागजो पर नही थी बल्कि उन्होने उन्हो कार्यान्वित भी किया था। आज उनका हमारे बीच से चले जाना अत्यंत दुख का विशय है। परमात्मा उनकी आत्मा का भाांति प्रदान करे। मै इस सदन की भावना इनके भाोक संतप्त परिवारो के पास भेजुंगा। अब मै रिक्वैस्ट करुंगा कि सदन दो मिनट के लिये खडे हो कर मौन धारण करे।

(इस समय सदन ने दो मिनट के लिये खडे हो कर मौन धारण किया)

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Desilting of Canals/Feeders, Distributaries of Bhiwani District

***559. Prof Chattar Singh Chauhan:** Will the Minister for irrigation be pleased to state-

(a) whether any amount has been earmarked for desilting of Canals, Feeders, Distributaries, minors and sub-minors of Bhiwani District during the year 1993-94; and

(b) if so, the details of the amount spent so far out of the amount refereed to in part(a) above?

Irrigation Minister (Chaudhri Jagdish Nehra):

(a) Rupees 26.83 lacs have been earmarked for disilting of canals in Bhiwani District during the year 1993-94.

(b) Desilting work will be started in September/Octoer after end of rainy season.

प्रो0 छतर सिंह चौहानः स्पीकर साहब, जुलाई 1991 से लेकर आज तक कई बार सरकार का ध्यान इस ओर दिलाया गया है कि भिवानी जिले की सारी नहरे टूटी पडी है। इस बारे में सिंचाई मंत्री महोदय से भी कई बार मिला हूं। यहां पर दो मंत्री श्रीमती करतार देवी तथा श्री ए0 सी0 चौधरी बैठे है। जब भी ये ग्रिवैंसिज कमेटी की मिटिंग में जाते है तो हम इनसे प्रार्थना करते है कि भिवानी जिले की नहरो की बुरी हालत है। क्या सिंचाई मंत्री जी बताएंगे कि 26.83 लाख रुपये भिवानी जिले की नहरो की छंटाई के लिये काफी रहेगे। जब भी हम किसी सिंचाई विभाग के अधिकारी के पास जाते है तो एक ही बात सुनने में आती है कि साहब पैसा नही है इसलिए नहरो की छंटाई नही हो रही। जब हम यहां आते है तो कहते है कि पैसो की कोई कमी नही है। तो

समझ नही आता कि पैसा चण्डीगढ और भिवानी के बीच कहां रह जाता है। मै दावे के साथ कह सकता हूं कि जब से भजन लाल जी की सरकार आई है एक पैसा भी वहां की नहरो पर खच्र नही हुआ। जैसे पैंतावास में वाटर टैंक और तालाब सुखे पडे है, जिनमें बच्चे खेलते है। वहां पानी जाने का कोई रास्ता नही है। मेरा निवेदन है कि मंत्री जी भिवानी जिले से ऐसा सौतेला व्यवहार न करे। ठीक पैसा दे, ताकि नहरो की छटाई हो सके।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, भिवानी जिले के साथ दुभान्त करने वाली बात नही है। जो पैसा दिया गया है, इस बारे में मै यह तो नही कह सकता कि वह पूरा पैसा है। हो सकता है कि कम हो लेकिन हम पूरी कोि ा ा करेंगे कि आपकी जितनी नहरे है, उनकी सफाई हो और उनमें पानी आसानी से चल सके।

श्री अमर सिहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने मेन सवाल के पार्ट बी का जवाब नही दिया पार्ट बी मे ंयह पूछा गया है–

if so, the details of the amount spent so far out of the amount refereed to in part(a) above?

क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि अप्रैल, 1993से अब तक कौन कोन सी नहर की डिसिल्टिंग पर कितना–कितना पैसा खर्च किया गया है?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, सवाल के पार्ट बी के जवाब में यह कहा है कि नहरो की डीसिल्टिंग का काम

रेली सीजन के बाद भ्रुरु होगा। अब तक डीसिल्टिंग का काम भ्रुरु नही हुआ है। इस काम के लिये पैसा दे दिया गया है। पिछले सै ान में जैसे मैने वायदा किया था, उसी तरह से कमेटियां बना दी गई है। हर सर्कल में जैसे मैने वायदा किया था, उसी तरह से कमेटियां बना दी गई है। हर सर्कल में एस0 ई0 के अंडर जितने एक्सीयंज है, वे मैम्बर है। विजिलैंस के एक्सीयर्ज उसकी चैंकिंग करते है ंचीफ इंजीनियर यही से पैसा सैंक ान करते है। जैसे मैने पिछले सै ान में कहा था कि हम जो भी काम भ्रुरु करते है, उसके बारे में उस हल्के के मैम्बर को और डी0 सी0 को इन्फार्म करते है। जिन–जिन मैम्बर्ज और डी0 सी0 के एरिया में अब काम भ्रुरु होगा तो उस बारे में उनका बकायदा इन्फार्म करेंगे।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मै दोबारा दोहरा देता हूं। सवाल के पार्ट बी का जवाब नही दिया गया, पार्ट बी में यह पुछा गया है–

if so, the details of the amount spent so far out of the amount refereed to in part(a) above?

अप्रैल, मई और जून तीन महीने तो बरसात नही हुई। मै मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जो आपने नहरो की सफाई के लिये 26.83 लाख रुपये सैंक ान किए है, इसमें से भिवानी जिले की कौन कौन सी नहर की डीसिल्टिंग पर कितना कितना पैसा खर्च किया है?

चौधरी जगदी ा नेहरा: अभी तक कोई पैसा खर्च नही हुआ है। रैनी सीजन के बाद जब नहरो की डीसिल्टिंग का काम भ्ाुरु होगा, तब पैसा खर्च होगा।

मुख्य मंत्री(चोधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने ठीक जवाब दिया है, लेकिन माननीय सदस्य के मन मे जो खद ाा है, वह मै दूर करना चाहता हूं। भिवानी जिले में चार सर्कल्ज़ से पानी फीड होता है। मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि 287.75 लाख यानी लगभग 3 करोड रुपये इसके लिये रखे गये है, जिसमे से 54.32 लाख रुपये के एल0 ओ0 सी0 खुल चुके है और 16 लाख रुपये खर्च हो चुके है, यानी 233.43 लाख रुपये अभी बरसात के बाद खर्च करने है। इसमें चिनता की कोई बात नही है। इन दिनो में नहरो की सफाई का काम भ्ाुरु नही कर सकते क्योंकि आजकल में भी बरसात आ सकती है। अभी 233.43 लाख रुपया उन चार सर्कल्ज का बकाया है जो बरसात के बाद खर्च करेंगे। नहरो मे गाद या मिटटी न रहे उनकी पुरी सफाई हो जाए ताकि टेल तक पानी पहुंच जाए।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि क्या नहरो का मौके पर जाकर सर्वे किया गया है और पता लगाया है कि इसमें कितने फुट गहरी मिटटी जीम हुई है, उसको साफ करवाने पर कितना खर्चा होगा इस पर कितना टाईम लगेगा? क्या इस तरह

की रिपोर्ट सरकार के पास आई है, अगर आई है तो वह रिपोर्ट किस रैंक के अधिकारी ने मौके पर जाकर तैयार की है?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, हाईड्रोलिक सर्वे करवाया है। हाईड्रोलिक सर्वे का इन्हे भाायद ज्यादा ज्ञान नही होगा, मुझे खुद भी इस बारे में ज्यादा पता नही था लेकिन मैने इन्जीनियरो से पूछा तो पता चला कि नहर की कितनी ऊंचाई है, कितनी उसकी चौडाई है, उसका सर्वे करने के बाद पता चलेगी कि कितनी मिटटी निकाली जाएगी। यह काम रेनी सीजन के बाद होगा और सफाई की जाएगी माईनरे अटी पडी है, यह बात दुरुस्त है। मै खुद देख कर आया हूं और नहरो में जहां कही टिब्बे है उनको ठीक किया जाएगा। जून के महीने में आंधियां चलती है और उनकी वजह से जो समस्या है, उसको हल करने की कोि ा ा करेंगे।

चौधरी सूरज भान काजलः स्पीकर साहब, यह जो गाद निकालने की समस्या है यह केवल भिवानी जिले की ही नही, यह समस्या तो पूरे हरियाणा प्रदे ा की है। डब्ल्यू0 जे0 सी0 की कपैसिटी 57000 क्यूसिक पानी की है और उसके केवल 37000 क्यूसिक पानी चल रहा है। 20000 क्यूासिक पानी कम चलने की वजह से हजारो किसानो को नुक्सान हो रहा है। इस पानी से कितने ही एकड जमीन की सिंचाई हो सकती है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या

यह बात सरकार के नोटिस में है और यदि है तो सरकार इसको कब तक ठीक करेगी?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, सरकार के ध्यान में यह बात है कि यमुना में रेत है और जो मोस्टली डिस्ट्रिब्यूटरीज है, उनमें रेत आता है। इस बात का सर्वे किया जा रहा है और रेनी सीजन के बाद भी सर्वे करेंगे कि कहां–कहां से गाद निकलवाई जाए।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी और मुख्य मंत्री जी ने जो जवाब दिया है, इन दोनो में कण्ट्राडिक ान आ गई है, इसलिये मै इसकी क्लेरिफिके ान चाहता हूं, सवाल यह पूछा गया था–

whether any amount has been earmarked for desilting of Canals, Feeders, Distributaries, minors and sub-minors of Bhiwani District during the year 1993-94?

मंत्री जी का जवाब है कि उस पर 26 लाख 83 हजार रुपये खर्च किये है जब कि दूसरी तरफ पूछा गया है कि अब तक खर्च कितना किया गया, तो खर्च का जवाब दिया है 'निल'। एक नया पैसा भी अब तक खर्च नही किया गया। मुख्य मंत्री जी ने मालूम नही कहां से जवाब दिया, कि 3 करोड के करीब ईयर मार्क किया गया और 26 लाख खर्च हो चुके है। स्पीकर साहब, इन दोनो स्टेटमैंटस में से एक स्टेटमैंट हाउस को मिसलि करने वाली है। आपने भी सुना है, दोनो जवाब सैल्फ कण्ट्राडिक्टरी है। दोनो

में से क स्टेटमैंट असत्य जरुर है मै इसे क्लेरिफाई करवाना चाहता हू। स्पीकर साहब, काम तो अप्रैल, मई और जून महीनो में होना चाहिए था। जब आंधियां चलती है और नहरे बन्द हो जाती है पानी वहां पर क्या खाक आएगा? जब वहां पर सफाई की जरुरत ही महसूस नही की गई और पानी भी नही चला तो सफाई की उसमें कोई जरुरत ही नही थी? मंत्री जी कह रहे है कि अब तक इस पर खर्च करेंगे और मुख्य मंत्री जी कह रहे है कि 26 लाख खर्च कर चुके है। अध्यक्ष महोदय, मै यह भी जानना चाहता हूं कि इसमें जो अमाउन्ट खर्च किया है और उसके साथ साथ जो डिपार्टमैंट की तरफ से डिपार्टमैंटल वर्क्स के द्वारा जो डिपार्टमैंटल ऐम्पलाईज है, जैसे बेलदार या दूसरे ऐम्पलाईज़ है, वर्क करवाया जाएगा या यह अमाउन्ट इसमें इन ऐडी ान होगा?

चौधरी जगदी I नेहराः स्पीकर साहब, कोई कण्ट्राडिक ान नही है, अपनी बात का जवाब इन्होने खुद ही दे दिया है। जैसे मुख्य मंत्री महोदय ने कहा कि 2 करोड 87 लाख रुपये इसके लिए इयर मार्क किये गये है। इसमें बहुत सी बातें है डीसिल्टिंग है, पम्पिंग सैट्स की रिपेयर है (विघ्न)।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, सवाल तो डीसिल्टिंग का था (ाोर एवं व्यवधान)

Chaudhri Jagdish Nehra: I will clear it. (Interruptions)

Mr. Speaker: This is only additional information (Interruptions)

Chaudhri Jagdish Nehra: Sir, I will reply.

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात तो सुनिये.... .....

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji, Please take your seat.

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, जो मुख्य मंत्री जी ने कहा वह भी दुरुस्त है और जो मैने कहा है, वह भी दुरुस्त है। सवाल यह है कि जो डीसिल्टिंग के लिये पैसा रखा था और उसमें यह खर्च नही हुआ..... (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः सवाल डीसिल्टिंग का है।

चौधरी जगदी ा नेहराः मै भी तो डीसिल्टिंग की ही बात कर रहा हूं। आप मेरी बात सुनें। इसमें जो ईयर के लिए टोटल रुपया ईयर मार्क किया गया है, उसमें पम्पस की रिपेयर के लिये और मैन्टेन्स के लिये वे सारे पैसे है। डीसिल्टिंग का मतलब रेत निकालने से है, पम्पस से नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः आप पढ कर आया करें।

चौधरी जगदी ा नेहराः मै तो पढकर आया हूं आप ही पढकर नही आए है। असल में तो आप ********** हो रहे है।

प्रो0 सम्पत सिंहः हम नही आप********** हो रहे है।

Mr. Speaker: This word should not be recorded.

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मैनटेंस के लिए टोटल पैसे दो करोड सतासी लाख है और इसमें डी–सिल्टिंग के लिए छब्बीस लाख है।

प्रो0 सम्पत सिंहः डी–सिल्टिंग के लिए कितने है?

चौधरी जगदी ा नेहराः अभी तो बताया कि 26 लाख है। इससे पता चलता है कि हम नही आप ********** हैं। अध्यक्ष महोदय, जो यमुना के सर्कल है वे सात है, और भाखडा के चार है, उनका टोटल करके मुख्य मंत्री जी ने बताया। एक तो जे0 एल0 एन0 1 है, जे0 एल0 एन0 2 है, लिफ्ट इरिगे ान भिवानी है और जे0 एस0 बी0 ये चार है। इसके साथ ही तीन सर्कल करनाल, दिल्ली और कैथल है। तो मेरे कहने का भाव यह है.....
...

श्री अध्यक्षः ये अनपार्लियामैंटरी भाब्द रिकार्ड न किये जाये।

श्री धीरपाल सिंहः आप 'भाव' पर न जाएं। प्र न पर आएं।

चौधरी जगदी ा नेहराः मै प्र न पर ही आ रहा हूं, असैम्बली से बाहर नही जा रहा हूं।

Mr. Speaker: Please address the chair.

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि भिवानी की सब नहरो की डी–सिल्टिंग और मैन्टेनैंस कब तक पूरी हो जाएगा?

चौधरी जगदी ा नेहरा: अध्यक्ष महोदय, रेनी सीजन के बाद हम नम्बर–वाईज भ्ाुरु करेंगे जहां–जहां पर ज्यादा दिक्कतें है, उनको हल करने की कोि ा ा करेंगे परन्तु यह तो मै नही कह सकता कि अक्तुबर के एंड में या नवम्बर में हो जाएगी।

श्री बंसी लाल: आपने जितना भी टाईम लेना हो बता दे जितने महीने लेने हो ले लो, परन्तु जोन सी तारीख देनी हो वह दे दो।

चौधरी जगदी ा नेहरा: अध्यक्ष महोदय, रबी की जो बिजाई है, उस से पहले पहले सरकार कोि ा ा करेगी। भिवानी डिस्ट्रिक्ट में या दूसरे डिस्ट्रिक्ट्स में जहां पर सिल्ट है, उनको हम पूरी तरह से ठीक करके पानी की पूरी व्यवस्था करेंगे।

Purchase of Cotton for Spinning Mill, Hansi

***556. Shri Amar Singh:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state whether any representation/complaint was made in the month of November, 1992 to the Govt. inregard to the purchase of cotton for Hafed Spinning Mill, Hansi during the period from

1990 to date; if so, the details thereof togetherwith the action taken thereon?

सहकारिता मंत्री (श्रीमती भाकुंतला भगवाडिया): मैसर्ज राम चन्द्र अर्जुन दास काटॅन जीनिंग प्रोसिंग मिल, जी0 टी0 रोड हांसी, जिला हिसार की आरे से एक ि ाकायत दिनांक 22–11–92 को प्राप्त हुई थी, जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि हैफेड के एक कर्मचारी श्री एस0 के0 बंसल ने हैफेड के लिए वर्श 1983–91 के दौरान की गई कपास की खरीद में काफी अनियमितताएं तथा हेरा फेरी की थी, जिसके फलस्वरुप उस ने हैफेड को नुक्सान पहुंचाकर काफी फायदा उठाया है।

मामले की जांच करवाने एवं आव यक निरीक्षण उपरान्त इसे फाईल कर दिया था, क्योंकि इसमें कोई बल नही था।

श्री अमर सिंह: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से आनरेबल मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि इसमें इंक्वायरी औफिसर कौन लगाया गया तथा कब ि ाकायत कर्ता को इंक्वायरी आफिसर ने भाामिल किया था या नही, क्या इससे उस समय पूछताछ की गयी, अगर नही तो उसके क्या कारण थे?

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया: अध्यक्ष महोदय, इसकी इंक्वायरी के लिए एक एच0 सी0 एस0 औफिसर को लगाया गया और इसकी इंक्वायरी रिपोर्ट सरकार के पास है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदया ने बताया है कि सरकार के पास इंक्वायरी रिपोर्ट है। मै इनसे जानना चाहूंगा कि इंक्वायरी औफिसर किसाको अप्वायंट किया गया, किस माध्यम से वह अप्वायंट हुआ तथा कहा कहा जाकर उसने इंक्वायरी की? अध्यक्ष महोदय, इस मिल के दो महलुओ पर गडबड है, एक तो परचेज औफ कॉटन और दूसरा सेल औफ यार्नज। मिल जो धगा बनाती है, उसको बेचा जाता है और किसानो से काटॅन हैफैड के माध्यम से खरीदी जाती है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि 1983 से 1991 तक बंसल साहब ने, जिनका नाम मंत्री महोदया ने अपने रिप्लाई में दिया है, उसने कहां कहां से परचेज की तथा क्या क्या ि ाकायत मिली और किन किन से पूछताछ की गयी, क्या यह सब मंत्री जी बताने का कश्ट करेंगे?

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडियाः अध्यक्ष महोदय, टैन्डर इंवाइट करने के बाद ही खरीद की गयी और 7 पार्टियो ने इसमें हिस्सा लिया। इन पार्टियो के नाम इस प्रकार है–

1. मैसर्ज बसे वार लाल राम गोपाल, हांसी
2. मैसर्ज गर्ग ट्रेडिंग कं0, हांसी
3. मैसर्ज सरस्वती काटन, हिसार
4. मैसर्ज दलीप सिंह मनसा राम, हांसी

5. मैसर्ज पुटेला ब्रदर्स, सिरसा

6.मैसर्ज नामधारी काटन इंडस्ट्री, सिरसा

7. मैसर्ज गंगा काटन एवं अलाय प्राइवेट लि0, सिरसा

अध्यक्ष महोदय, मै यही कहना चाहती हूं कि जो ि ाकायतकर्ता है, उसने टैन्डर नही किया है और न ही वे इसमें कोई पार्टी बने है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, उससे पूछताछ की गयी या नही?

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडियाः अध्यक्ष महोदय, मै यह कह नही सकती कि ि ाकायतकर्ता से पूछताछ की गयी या नही।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इसकी इंक्वायरी एक बडे सीनियर औफिसर श्री आर0 एस0 दुग्गज ने की है जो को–आपरे ान के डिप्टी सकेटरी है। अध्यक्ष महोदय, परचेज करने के लिए बकायदा एक कमेटी नही हुई है जिसमें आठ लोग भाामिल है। कमेटी एक एक बात को देखकर ही परचेज करती है। अध्यक्ष महोदय, ि ाकायतकर्ता ने ि ाकायत इसलिए की है, क्योंकि वहां पर आपस में कम्पीटी ान है। यह कम्पीटी ान दो तीन फैक्टरीयो में है। कम्पीटी ान होने की वजह से ही यह ि ाकायत की है, क्योंकि ि ाकायतकर्ता वहां पर बडी मोनोपली थी जो अब कम हो गयी है, इसलिए उनको तकलीफ हो गयी। वे

अमर सिंह जी के भी मिलने वाले है, इसलिए इन्होने भी थोडा बहुत कह दिया, लेकिन इसमें कोई लम्बी चौडी बात नही है।

Persons Living below the poverty line in the State

***551. Shri Jai Parkash:** Will the Minister for Finance be pleased t state-

(a) whether any survey has been conducted by the Government to ascertain the percentage of the persons who are living below the poverty line in the State;

(b) if so, the percentage thereof; and

(c) whether any scheme has been formulated by the Govt to bring the persons above the poverty line as referred to in part(b) above; if so, the details thereof?

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता):

(क) जी हा।

(ख) 22.50 प्रति ात।

(ग) विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

हरियाणा में गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमो के अन्तर्गत लक्ष्य तथा उपलब्धियां (लाखो रुपयों में)

क0 स0	कार्यक्रम	ईकाई (भौतिक)	1991–92				1992–93	
			लक्ष्य		उपलब्धि		लक्ष्य	
			वित्तीय	भौतिक	वित्तीय	भौतिक	वित्तीय	भौतिक
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	आई. आर. डी. पी. (ट्राईसम तथा डबाकरा	लाभान्वित व्यक्ति (संख्या)	722.00	22776	899.63	34623	865.90	19976

	सहित)							
2	जवाहर रोजगार योजना	निर्मित रोजगार (लाख मानवदिन)	2550.00	28.79	2553.04	36.03	2610.00	33.71
3	वि ेश प ुधन प्रजनन कार्यक्रम	लाभान्वित व्यक्ति (संख्या)	200.00	2300	101.54	3518	210.00	2900
4	नेहरु रोजगार योजना							
(क)	भाहरी क्षेत्र में स्वयं रोजगार ईकाईयां	लाभान्वित व्यक्ति (संख्या)	60.0	2974	80.53	4468	250.00	7576
(ख)	पारिश्रमिक	निर्मित रोजगार (लाख	90.00	1.44	124.	1.16	150.00	1.50

	रोजगार	मानवदिन)			02			
(ग)	आवास तथा आश्रय स्थल का सुधार	लाभान्वित व्यक्ति (संख्या)	32.65	2250	25.06	1800	60.00	1800

क0 स0	कार्यक्रम	ईकाई (भौतिक)	1992–93		1993–94		आठवीं योजना 1992–97	
			उपलब्धि		लक्ष्य		लक्ष्य	
			वित्तीय	भौतिक	वित्तीय	भौतिक	वित्तीय	भौतिक
1	2	3	10	11	12	13	14	15

1	आई. आर. डी. पी. (ट्राईसम तथा डबाकरा सहित)	लाभान्वित व्यक्ति (संख्या)	943.07	34526	953.60	28289	5737.20	167600
2	जवाहर रोजगार योजना	निर्मित रोजगार (लाख मानवदिन)	2011.40	32.63	2875.00	46.33	17245.00	340.00
3	वि ेश प ुधान प्रजनन कार्यकम	लाभान्वित व्यक्ति (संख्या)	206.54	3172	110.00	3000	500.00	15000
4	नेहरु रोजगार योजना							
(क)	भाहरी क्षेत्र में स्वयं रोजगार	लाभान्वित व्यक्ति (संख्या)	99.29	4264	325.00	9849	750.00	22727

	ईकाईयां							
(ख)	पारिश्रमिक रोजगार	निर्मित रोजगार (लाख मानवदिन)	87.91	0.78	125.00	1.25	1115.00	11.15
(ग)	आवास तथा आश्रय स्थल का सुधार	लाभान्वित व्यक्ति (संख्या)	52.50	1765	92.00	4166	525.00	23499

श्री जय प्रका ाः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जो उन्होने सर्वे कराया है, वह कब करवाया है और किस विभाग के द्वारा सर्वे हुआ है? दूसरे गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगो की जो फिगर दी है, वह क्या आधार रखकर 22.5 प्रति ात निकाली है ये बताने का भी कश्ट करे। तीसरे लोगो को गरीबी की रेखा से उपर उठाने के लिए हरियाणा सरकार ने क्या क्या पग उठाए है, इसके साथ साथ भारत सरकार से हमें इसके लिए कितना योगदान मिला है?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जहां तक सर्वे कराने का संबंध है, यह ने ानल लेवल पर केन्द्रीय सरकार करती है, हरियाणा सरकार नही करती। ने ानल लेवल की रिपोर्ट के मुताबिक इस पर कार्यवाही की जाती है। हर पांच साल के बाद केन्द्र सरकार इसका सर्वे कराती है। ने ानल लेवल पर जो रिपोर्ट आई है उसका रे ाो 26 परसैंट है और हरियाणा का 22.5 परसैंट है। माननीय सदस्य ने जो काइटेरिया की बात की है, उसमें बकायदा आमदनी के हिसाब से भाहर और देहात का अन्तर है। देहात में रहने वाले एक व्यक्ति की 125 रुपये माह की आय है, उसे हम गरीबी की रेखा के नीचे मानते है। भाहर में एक व्यक्ति की 135 रुपये प्रति माह तक की आय को गरीबी की रेखा से नीचे मानते है। ऐसा क्राइटेरिया बनाया हुआ है और गरीबी की रेखा से ऊपर उठाने के लिए हरियाणा सरकार जो कर रही है, उसके लिए भाहर और देहात में अलग अलग स्कीमें है। जिनमें 50 प्रति ात

केन्द्र सरकार हमें एड देती है और 50 प्रति ात हरियाणा सरकार अपना हिस्सा जोडती है। देहात के लोगो को गरीबी रेखा से उपर उठाने के लिए कई तरह की योजनाए अई आर डी पी, जवाहर रोजगार योजना के तहत एक स्पे ाल लाइव स्टोक ब्रीडिंग प्रोग्राम है। इसी तरह से भाहरो में नेहरु रोजगार योजना के तहत मदद करते है, इसके भी तीन हिस्से बने हुए है। माइक्राएन्टरप्राइजेज़ सैल्फ एम्पलायमैन्ट के तहत एक डेली बेसिज एम्पलायमै।ट स्कीम है, इसके तहत उनको मजदूरी दी जाती है। तीसरे हाउसिंग भौल्टर प्रोग्राम के तहत भी उनको मदद दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य के सवाल के जवाब में मै सदन को यह भी सूचित करना चाहता हूं कि जहां आज केन्द्रीय स्तर पर 36 प्रति ात लोग गरीबी की रेखा के नीचे है, हरियाणा सरकार के प्रयास से वह आज 22.5 प्रति ात है, जो केन्द्र और दूसरे प्रदे ाो मे ंसबसे कम है। यह सरकार के प्रयासो का ही परिणाम है।

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या इस साल मैचिंग ग्रान्टस स्कीम के तहत एच0 आर0 डी0 एफ0 एस0 के तहत रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ग्रन्ट दी गई है?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यह सप्लीमैंटरी इस क्वे चन से सम्बन्धित नही है। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री सतबीर सिंह कादयानः इससे लोगो को रोजगार मिलेगा।

श्री मांगे राम गुप्ताः कादयान साहब, आपका यह क्वै चन इससे नही उठता। जवाहर योजना में तो मैचिंग ग्रन्ट का कोई सवाल ही नही है। मैचिंग ग्रान्ट में 50 प्रति ात सैन्टर से पेसा आता है और 50 प्रति ात स्टेट गवर्नमैंट का होता है। वह तो सैल्फ एम्पलायमैंट के लिये है। जो लोग अपना रेाजगार कर सकते है, उनको सस्ते दरो पर ऋण दिलवाते है। उसके द्वारा बेरोजगार लोग छोटी इंडस्ट्री, कारखाना या दूसरा कोई छोटा–मोटा रोजगार कर सकते है। जो व्यक्ति अपना कोई पैसा या साधन नही जुटा सकता, उसको हम मजदूरी के तहत काम दिलवाते है। इसमें मैंचिंग ग्रन्ट का कोई सवाल ही पैदा नही होता।

श्री जय प्रका ाः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह बात जानना चाहूंगा कि इन्होने जो कहा है कि पांच साल के बाद सर्वे होता है, यह हमारा लास्ट सें कब हुआ था, यह सवा सौ रुपया महीने की और 135 रुपये महीने की इन्कम का क्राइटेरिया किसने और कैसे तय किया था? आज की महंगाई को देखते हुए यह क्राईटेरिया गलत है और 22.5 प्रति ात की परसैंटेज से मै सहमत नही हूं। मुझे मंत्री महोदय यह बतायें कि लास्ट सर्वे कब हुआ था?

श्री मांगे राम गुप्ताः हमारे पास सर्वे रिपोर्ट तो 1987–88 की है। उसके बाद जो 1992–93 में सर्वे हुआ है, उसकी रिपोर्ट हमें अभी नही मिली है। क्राइटेरिया की बाबत, महंगाई को देखते हुए, मै अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमने यह कहा है कि सवा सौ रुपये महीने की आमदनी की सीमा नही रखनी चाहिये। अध्यक्ष महोदय, इसका जो क्राइटेरिया बना हुआ है, उसमें महंगाई वाली कोई बात नही है। वह तो कैलोरिज के हिसाब से बना हुआ है। देहात में रहने वाले व्यक्ति को 2400 कैलोरिज प्रति व्यक्ति मिलनी चाहिए और 2100 कैलोरिज प्रति व्यक्ति भाहर में रहने वाले व्यक्ति को मिलनी चाहिये। इन्कम के बारे में क्राइटेरिया यह है कि एक परिवार की यदि प्रति वर्श की इन्कम साढे ग्यारह हजार रुपये या उससे कम है, तो वह परिवार गरीबी की रेखा के नीचे वालो में भाामिल किया जायेगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, जो फिगर्ज मंत्री महोदय ने हाउस के सामने रखी है, वे बडी ही भार्मनाक है। यह देखकर दु:ख होता है कि इतने प्रति ात लोग गरीबी की रेखा सेनीचे हरियाणा के अन्दर रह रहे है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इनकी प्रति ातता भाहरो में कितनी है और देहातो में कितनी है? एक बात मै और जानना चाहता हूं कि क्या काई विधायक भी ऐसा है जो गरीबी की रेखा से नीचे था और आज भी वह गरीबी की रेखा से नीचे है? (व्यवधान एव ं ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, भाहर और देहात की रे ाो के बारे में हमारे माननीय सदस्य ने जानना चाहा है। हमारी पिछली सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक भाहरो में 15.81 प्रति ात और देहातो में 23.53 प्रति ात है।

Amount for Municipal Committee, Ellenabad

***565. Shri Mani Ram Keharwala:** Will the Minister of State for Local Government be pleased to state the total amount of grant given to the Municipal Committee, Ellenabad during the years 1989-90 and 1990-91 togetherwith the details of amount spent on each scheme yearwise separately?

Minister of State for Local Government (Chaudhri Dharambir): A statement is laid on the Table of the House.

Statement

During the year 1989-90 & 1990-91 the following amount mentioned against each scheme had been given to Municipal Committee, Ellenabad as grant-in-add. The development works done by Municipal Committee are also indicated in column No. 4 of the table given below:-

Year	Name of Scheme	Amount Sanctioned	Workd Done	Amount spent
1989-90 grant for the year 88-89 received	Dev. Works	75000	1. Payment of the Dev. works done by defunct M.C. 2- Loan to Class-IV employees for purchase	30000 25600

in 89-90			of wheat. 3- Pay to Safal Workers. 4- Material for street light. 5- Gaurder crossing on various strees.	 12584.64 1111.40 6296.24 75592.28
1989-90	Dev. Works	150000	1. Line put into the tanks and drains. 2. Purchase of Cement 3. Earch Filling 4. Purchase of Bricks. 5. Earth Filling and carriage charges of works 6. Payment of Old Dev. Works 7. Purchase of Bajri and sand	16000 24300 16400 22000 35000 32732 9436 155868
1989-90	Environmental Improvement of Urban Slums	79000	1. Purchase of Bricks 2. Earth Filling and labour charges. 3. Purchase of sand Bajri & Carriage charges.	26950 45972.30 15947

				88869.30
1989-90	Development Works	500000	1. Earth Fillin in old bus stand Complex, MB-2/13. 2. Bricks paying in street tending to M.C. office MD-2/14. 3. Brick paying in street tending to M.C. Office MB02/16 4. Boundary Wall old bus Stand back side & left side MB-2219 5. Pipe culvert & brick paying W. No. 5 Gall sardoll singh Wali M.B. 2/19 6. Gutter crossing ward no. 13, Gali Murari Lal Wali and near G.S School & Madan Lal, MB02/22 7. Drain & brick paing W.No. 7, Gali Tantia wali, MB 2/26/ 8. Brick paying ward No. 6, Gali Jagdish Rai & Braman Wali near Thana MB-3/51 9. Const. of Drain W.	11990 12729 14236 34022 8714 4730 16990 19590

			No. 7, Shayam Colon Mange Ram Wali, MB 4/45	
			10. Const. of drain W.No.8, Gali Surender Sagar Wali MB 4/48.	19630
			11. Brick paying Old Railway Road ground No. 1, MB 3/53	20350
			12. Brick paying old railway road Group No. 2, MB 3/53	17100
			13. Brick paying No. 2, Multani Mohalla M.B.3/55	17100
			14. Const. of Drain Multani Mohalla W. No. 2 MB-3/57	17470
			15. E.Filling W. No5 Near H.S.E.B Gali Kala Singh Wali, M.B 2/29	17231
			16. E.Filling W. No.5, Gali Nayaka Wali Gaushala & Rajinder M.C. Wali, M.B. 2/28	9430
			17. E.Filling Old Mammers road No. 5,7, MB 2/27	8400
			18. E.Filling W.No.5 Gali Namdhari tent House	3200

			M.B. 4/50	
			19. E.Filling W.No. 6/7 Near Thana and CIA staff, MB 4/50	7200
			20. E.Filling Ward No.10 Gali Dhanak Basti Harchand ka bas rogar Mohalla, MB 4/53	6100
			21. Brick paying & Drain Ward No.4, Sani Mandi Wali & Ram Lal, M.B. 4/57	8000
			22. Const. of Drain W.No. Gali Mandi Wali west side MB 2/34	21878
			23. Const. of Drain W.No. Gali Mandi Wali M.B. 2/36 East	12560
			24. E,Filling W.No.2 Gali Goga Madi Wali, MB 3/58	14946
			25. Brick paying W. No.1, Gali GogaMadi wali, Group1 MB2/37	13200
			26 Brick paying W.o 1 Gali Goga Wali Group 2, M.B. 2/39	18170
			27 Const of Drain & W.No 13 Gali Brahamnia	18171

			Wali MB2/31	22320
			28 Brick paying & Drain W.No. 13 Gali Ram Niwas Goyal Wali & Anupam Cpnfectionery Wali MB 4/61	
			29 Drajn in W.No. 1&2 Gali Gora Wali, MB 4/59	25420
			30. Drain in Ward No.8Gali Prem Kuiya Wali M.B 2/33	15640
			31.Brick paying W.No. 6 Gali Roshan Lal Wali & Nai wali M.B-4/54	11766
			32. Brick paying W.No.2 Drain W.No 2 and Old Brick paying Near S.B.I. M.B 3/67	8048
			33. Brick paying in W.No.10 Harchand ka Bass Main Street G.J.M.B 2/47	10257
			34. Brick paying in w.N. 10, Gali 2, Harchand ka Bass. Main Streert, M.B. 2/48	15534
			35. Do Gali No.3. M.B 3/71	
			36. Const. of Drain & Flooring of Stree W.No.3	12605

			Gali Sajjan Goyal Wali 4 Stone crossing M.B 3/70	11321
			37. Brick paying Gali Telephone Exchange wali, W.No. M.B 2/53	9307
			38. Const. of Drain W.No.11 Gali Mohan Discute Wali Gali M.B. 2/53	16767
			39. Brick paying old Railway Road M.B. 2/54	5747
			40. Const. of Drain W.No.8 Gali Warwan Kumar Wali M.B 2/52	19015
			41. Brick paying W.No.6 Gali Pawan Ladha Wali G.I MB 3/74	8861
			42. Const. of Drain W.No4 Gali Namdhari Main Bazar Ganesh Goyal Wali Gali M.B4/73	14071
			43. Brick paying W.No4 Gali Ganesh Goyal Wali, Main Bazar M.B. 3/73	20019
			44. B/paying in W.No1 Gali Nikku Bhardwaj Wali, M.B 4/74	10570
			45. Brick paying W.No. 6, Gali Pawan Ladha	

			Wali, M.B 2/49	
			46. Brick paying W.No. 13, Gali Video Mkt Wai, M.B 2/50	14735
			47. B/paying W.No11, Gali Durga Mandir Wali, Nehru Public School Wali, (Labour)	11709 7748
			48. B/paying W.No.12 Gali back side post office wali and garg house wali, M.B 4/66	18146
			49. B/paying W.No.12 Gali Ramdev Mandir wali, Tel. Exchange wali M.B 4/67	110000
			50. Const of Drain Main Chowk to Hanuman Garh Road left side M.B 2/57	9610
			51. Const of Drain Main Chowk to Hanuman Garh Road left side M.B 2/56	11348
			52. Do G. No.2 M.B 2/64	
			53. Const. of D. in W.No.5 Gali Tara Chand Wali, M.B 4/82	16815
			54. Const of Drain W.No.1 Gali puran	

			Chand Wali, M.B 4/78	15412
			55. Const of Drain W.No2 Gali Om Banwari Wali, Harijan mohalla M.B 4/80	11260
			56. Const of Drain Gali Kesar Wali and L.D Painter wali W.No. 1, Harijan Mohlla M.B 3/76	11555
			57. Const of Drain W.No. 1, Gali Miku Bhatt Wali M.B 2/61	4430
			58. Const of Drain W.No 2, Gali Puran Chand G.No.1 M.B 2/60	5230
			59. Const. of Drain W.No.4 Gali Talwara Road, Gurdeep Singh Wali. M.B 4/92	11238
			60. B/paying W.No. 11, Nikku Chakki - Mamra Road MB 3/77	18192
			61 Const of Drain Old Railway Road. W.No 11, M.B 4/90	14569
			62. Const. of Drain 4 E/Filling W.No 8, Gali Devi Dayal Wali M.B 2/74	15262

			63. Const of Drain W. No 2-3, Dr Puran Chand Wali, M.B4-89	6890
			64. Brick paying W.No2/3 Dr Puran Chand Gali, M.B 2/68	13521
			65. Do G.4 M.B 2/69	9709
			66. Drain W.No. 4 Gali Lakhwinder Singh, G2 M.B 5/2	8675
			67. B/paying W.No. 12/13, Gali Tel Exch wali, M.B 5/1	11078
			68. E/filling W.No.9 Gai Ram Kumar Modi wali, M.B 5/1	22299
			69. Const. of Drain W.No.2,3 and Brick paying from Puran Chand Wali to Kumbhara Wali Gali M.B 5/5	16602 2800
			70. Const of Drain W.No.1 & 13 Tel. Exchange. Gali, M.B 5/3	
			71. Const of Drain W.No5 Gali Rai Jagdish Chand M.B 4/94	7835
			72. B/paying W.No 3 Gali Talwara Wali, M.B	3951

			5/6	
			73. Const of Drain W. No.2 Gali Jadwa Wali, M.B 4/95	14584
			74. Const of Drain W.No.5 Gali Lachhaman Wali, M.B 4/86	6251
			75. Const of Drain Main Chowk to Thana Road R/side G.I M.B	10936
			76. Const of Drain Main Chowk to Thana Road, L/side M.B 5/15	5337
			77. E/Filling W.No. 2 Gali Raj Kumar M.C, M.B 4/96	8286
			78. Const. of Drain W.No.7 Gali Jagpal, Near Kutia Bambu Ward No.8,VishwaNath Gali M.B 2/24	7220
			79. Stone crossing in various Ward No. 13,8,6,10, M.B 5/9	2700
			80. E/Filling W.No.1 Gali Goverdhan Mochi, M.B 4/97	10541
			81. Const of Drain Ward No.3 Gali Talwara Wali, Darshan Singh, Dr	7284
				1000

			Puran Chand House. M.B 5/19 82. Brick paying W.No 5 Culvert to Electric pole Sardool Singh Wali, Rajinder M.C. M.B 5/18 83. Const of Drain Gali Ram Avtar Singh Mistry, M.B 5/21 84. Brick paying W.No 7 Gali B.B.C India Wali, M.B 5/24 85. Brick paying W.No 13 Gali Raghunath Rai, Gyanka Wali (Labour) M.B 5/25 86 Supervision of Work Total	5784 12620 6866 880 4600 13393 1040396
1990-91	Adhoc Revenue Earning Scheme	200000	Not Utilized yet	
1990-91	Environmental Improvement of Urban Slum	79000	1. Brick paying W. No.7 Mumhara Wala Mohalla in Dhani Group No.1 2. B/paying W.No. 10 &	16852

			Drain Gali Harchand ka Bass Harijan Mohalla Bhola Nath Wali & Earth filling main Road to Rogar Mohalla	
			3. Const. of Drain & Brick paying in W.No. 10, Harijan Mohalla Gali Sh. Ram Painter	13732
			4. Brick paying Ward No.5 Gali Bishamber Radio Wali	18282
			5. Const of B/paying in W.No 7 Gali Kumara Wali in Dhani Group No. 2	12489
			6. B/paying W.No.3 Gali Kumara Wali	5571
			7. Brick Paying W.No 2 Gali Raj Kumar M.C Harijan Mohalla	10721
			8. Drain & Brick paying W.No 1 Gali near Khetic Dharamshala, Harijan Mohalla	6302
			Total	5192 89141

1990-91	Dev. Works	30500	1. Brick paying & Repair of Drain Gali Jain Mandir Wali W.No.3	
			2. Brick paying W.No 7 Gali B.B.C India Only cost of Bricks	9425
			3. Const. of old Brick paying W.No 13, Gali Raghunath Rai Wali (only cost of Bricks)	5180
			4. Reflooring of street Gali Jamalia Wali W.No 13 Near Laxmi Market (Material Cost)	6364
			5. Stone crossing of various wards incrossing of Drain (only cost of Bricks)	1606
			6. Brick paying W.No.5 Gali Bishamber Radio Wali, (Cost of Bricks)	2020
			7. B/paying W. No.7, Gali Jagdish Kochar Wali,	2993
			Total	1679
				29267

श्री मनीराम केहरवालाः अध्यक्ष महोदय, यह 1989–90 और 1990–91 दोनो वर्शो के लिए ऐलनाबाद म्युनिसिपल कमेटी के अन्दर, एन्वायरमैंटल इम्प्रूवमैंट आफ अर्बन स्लम के तहत 79000–79000 रुपये रखे गये थे। इन दोनो सालो में यह जो पैसा रखा गया है, यह पता नही कौन से वार्ड में या कौन से मोहल्ले में लगा दिया गया है, इस बात का इसमें कोई जिक्र नही है। क्या मंत्री जी इसकी डिटेल देंगे?

चौधरी धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, मै 1990–91 में यह पैसा किन–किन चीजो पर खर्च किया गया, वह बता देता हूं।

श्री मनीराम केहरवालाः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय 1989–90 की भी बता दें।

चौधरी धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, वर्श 1989–90 में 89000 रुपया इम्प्रवमैंट के लिए दिया। स्लम क्लीयरैंस के लिए इसमें से रेत बजरी खरीदी गई, ब्रिक्स खरीदी गई और जमीन की भराई की गई, बाकी का पैसा कमेटी ने अपने पास से खर्च किया।

श्री मनीराम केहरवालाः स्पीकर साहब, मै यह पूछना चाहता हूं कि यह पैसा कहां लगाया गया, कौन से वार्ड में लगाया गया? ऐलानाबाद में दो वार्ड है। वार्ड नम्बर एक और वार्ड नम्बर दो। स्पीकर साहब, वहां पर एक पैसा भी नही लगाया गया।

चौधरी धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, 1989–90 के जिस पीरियड की ये बात कर रहे है उस समय कोई डिसिप्लन नही था और न कोई और बात थी जिससे कि यह पैसा ढंग से लगता।

श्री सतबीर सिंह कादयानः उस वक्त डिसिप्लन क्यों नही था? ये कैसे कह रहे है कि उस वक्त कोई नियम या डिस्प्लिन नही था। (व्यवधान एवं भाोर)।

चौधरी धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहता हूं कि अगर कोई भाक की बात है तो इंकवायरी रिपोर्ट भिजवा दें कि असलियत क्या है?

श्री मनीराम केहरवालाः स्पीकर साहब, यह पैसा स्लम एरिया के लिए दिया गया था लेकिन कमेटी की तरफ से इस काम पर एक पैसा भी खर्च नही किया गया। स्लम क्लीयरैंस के लिए अगर स्टेट गवर्नमैंट कोई पैसा देती है तो पहले उस काम को करने का एस्टीमेट मांगती है कि किस किस काम पर कितना पैसा खर्च किया जाएगा, तब जाकर स्टेट गवर्नमैंट पैसा भेजती है। ऐस्टीमेट के बगैर, अगर पैसा खर्च किया गया तो वह कहां खर्च किया गया, वहां पर तो एक पैसा भी खर्च नही किया गया?

श्री अध्यक्षः मंत्री जी ने कहा है कि इंक्वायरी करवा कर रिपोर्ट भिजवा देंगे।

चौधरी धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, स्लम क्लीयरैंस के लिए पैसा वहां दिया जाता है जहां गरीब लोग रहते है और स्लम

क्लीयरैंस के लिए पैसे देने का काइटेरिया भी है। यह पैसा नालियां बनाने हेतु जिससे की गन्दा पानी निकल सके, कौमन लैटरीन बनाने तथा कौमन बाथरुम बनाने पर खर्च किया जाता है। पार्क भी बनाए जाते है। यह पैसा वहां दिया गया था और वही पर खर्च किया गया है।

श्री मनीराम केहरवालाः स्पीकर साहब, वहां एक पैसा भी नही लगा।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरे लायक दोस्त ने सवाल पूछा है और मंत्री जी ने जवाब दिया है कि 1989–90 में स्लम एरिया के लिए 89000 रु दिया गया था। इनको ऐप्रीि ाएट करना चाहिए था कि उस वक्त की सरकार ने, 1989–90 में, आठ लाख चार हजार ग्रान्ट दी थी और वर्श 1989–90 के बाद 1990–91 में 7 लाख 79 हजार की ग्रान्ट दी थी। इनको ऐप्रीि ाएट करना चाहिए था कि उस वक्त सरकार ने कितनी लिबरल ग्रान्ट दी थी, एक ऐसे भाहर को जो राजस्थान के किारे पर है और बैकवर्ड है। स्पीकर साहब, मै इनसे पूछना चाहता हूं कि इनकी सरकार आने के बाद इन्होने ऐलनाबाद के लिए वर्श 1991–2 तथा 1992–93 में कितनी ग्रान्ट दी जब कि हमारी सरकार ने दो सालो में सोलह लाख के करीब ग्रान्ट दी थी?

चौधरी धर्मबीर गाबा: स्पीकर साहब, म्युनिसिपल कमेटी ऐलानाबाद को जो रुपया इन्होने दिया था, वह तो खर्च नही किया गया। हमने 1992–93 में साढे चार लाख रुपया दिया है।

श्री धीरपाल सिंह: इस साढे चार लाख में से स्लम एरिया के लिए कितना खर्च किया गया?

चौधरी धर्मबीर गाबा: स्लम क्लीयरैंस के लिए 75 हजार रुपया दिया है।

Recruitment of Masters

***602. Shir Pir Chand:** Will the Minister for Educati be pleased to state-

(a) the number of Masters recruited in the State during the period from 1st March, 1992 to date;

(b) the number of Masters out of those referred to in part (a) above belonging to Scheduled Castes and Backward Classes separately; and

(c) whether there is any short fall in the reservation; if so, the time by which the said shortfall is likely to be wiped off?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना):

(क) 583 मास्टर्ज भर्ती किए गए।

(ख) (i) अनुसूचित जाति 48।

(ii) पिछडी जाति 68।

(ग) जी हां, भाार्ट फाल अभी पूरा किया जा सकता है जब अभ्यर्थी उपलब्ध हो जाए।

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा मंत्री महोदय, ने अपने लिखित उतर में बताया है कि प्रथम मार्च, 1992 से अब तक की अवधि के दौरान राज्य में भर्ती किये गये अध्यापको की संख्या 583 है और इनमें से अनुसूचित जाति व पिछडी जाति की संख्या क्रम ाः 48 व 68 है। मेरे सवाल के 'सी' पार्ट के जवाब में उन्होने बताया है कि आरक्षण में कमी है और इस कमी को तभी पूरा किया जा सकता है जब अभ्यर्थी उपलब हो जाएं। मेरे विचार से इनका जवाब सही नही है क्योंकि 20 परसैंट के हिसाब से 117 की भाार्ट फाल बनती है और इनहोने कमी बताई है जबकि पहले से हजारो की तादाद मे भाार्ट फाल रह रहा है। मै आपके माध्यम से इनसे यह जानना चाहता हूं कि इन स्थानो में हरिजनो को अपना पूरा हिस्सा मिलने की कोई सम्भावना है या नही और भाार्ट फाल रह रहा है, उसको कब तक सरकार पूरा कर देगी, मेरे विचार मे तो स्पीकर साहब, सरकार की इस बारे में नीयत ही साफ नही है क्योंकि आज मैट्रिक, चौदहवीं, 16वी पास लडके, लडकियां सडको पर बेकार फिर रहे है। मंत्री महोदय, इस बात का आ वासन दे कि जो भाार्ट फाल है, वह कब तक पूरा कर दिया जाएगा?

श्री फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, इनकी चिंता काफी गम्भीर है लेकिन मै चौधरी पीर चन्द जील को यह बताना चाहता हूं कि मास्टर्ज करी की भर्ती टीचर्ज की उपलब्धि पर निर्भर करती है। जब इन जातियो मे से लोग उपलब्ध होंगे तभी ये रिक्त स्थान भरे जा सकेंगे लेकिन हमें साईंस और मैथ के क्वालीफाईड टीचर्ज उपलब्ध नही हो पा रहे है। अगर वे उपलब्ध हो जाएंगे तो तुरन्त भर्ती कर दी जाएगी और जहां तक रिजर्वे ान की भाार्ट फाल का सम्बन्ध है, इसको पुरा करने के लिए सरकार कोई कसर नही छोडेगी।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला: अध्यक्ष महोदय, अभी ि ाक्षा मंत्री महोदय ने चौधरी पीर चन्द जी के सवाल के जवाब में काफी कुछ बताया है। मै भी उनके नोटिस में वह बात लाना चाहता हूं कि फरीदाबद जिले में वैसे तो सारे प्रदे ा में ही अध्यापको की बहुत सी रिक्तियां वर्शो से खाली पडी हुई है जिनको अभी तक हरिजन कैंडीडैट्स न मिलने के कारण भरा नही गया है। उन रिक्तियो को न भरने के कारण आज स्कूलो में पांच या 10 परसैंट रिजल्ट ही रह गया है। इसलिये मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से इस हाउस के अन्दर ऐसा आ वासन चाहता हूं कि अगर हरिजन व बैकवर्ड क्लासिज के लोगो से टीचर्ज की उपलब्धि नही होती और ऊंची जाति के टीचर्ज़ अवेलेबल होते है तो क्या सरकार उन खाली पडे स्थानो को जनरल कोटे में से भरने का प्रयत्न करेगी

ताकि स्कूलो में बच्चो की पढाई का नुक्सान न होने पाए और बच्चो के भविश्य के साथ खिलवाड न हो?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मै अपने भाई बिसला जी को य बताना चाहता हूं कि सरकार इस ओर पूरी तरह से जागरुक है और जल्दी ही रिक्त स्थानो को भरने का प्रयत्न कर रही है। जहां तक इनका कहना है कि हरिजनो व बैकवर्ड क्लासिज के लोग न मिलने पर, उन के स्थान पर जनरल कैटेगरी में से रिक्त स्थानो की पूर्ति की जानी चाहिये, इसके लिए मै यह कहना चाहता हूं कि हम बैक्वड्ड क्लासिज व हरिजनो के लियो दो मौके देते है और अगर फिर भी कैंडीडेट्स अवेलेबल नही होगे तो हम जनरल कैटेगरी में से भरने के बारे में विचार कर सकते है।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अगर एस0 सी0 या बी0 सी0 का टीचर दस साल तक उपलब्ध नही होता है तो उस पोस्ट को जनरल कोटे से नही भरा जाता है तो यह बच्चो के जीवन के साथ खिलवाड होगा। मंत्रीजी एक काबिल आदमी है इसलिए वे इस बारे में कोई पोलिसी बनांए।

श्री फूल चन्द मुलानाः स्पीकर साहब, बिल्कुल इस बारे में नीति अपनाई जाएगी जिससे इस समस्या का समाधान हो सके।

श्री पीर चन्दः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जो बात कही, वह ठीक नही है। आज इन जातियो के इतने लडके फिरते है जिसको कोई अन्त नही है। इन्होने अपनी मर्जी के मुताबिक लडके

भर लिए और जो हरिजन लडके थे उनको इग्नोर कर दिया। ये दोबारा भर्ती करके देख लें इनको सब मिल जाएंगे। ये कहते है कि 69 कम है लेकिन आज भी इनको तीन सौ मिल सकते है। (ाोर)

श्री फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, माननीय चौधरी पीर चन्द जी ने चिंता व्यक्त की है कि बहुत सारे व्यक्ति उपलब्ध है लेकिन उनको लगया नही जाता। मै सदन में आ वासन देता हूं कि जो भी उपलब्ध व्यक्ति होंगे, सुप्रीम कोर्ट के आदे ा के मुताबिक जो इन्टरव्यु हुई थी उसकी मैरिट लिस्ट बनी हुई ह। जैसे जैसे जगह खाली होगी उस लिस्ट के मुताबिक एस0 सी0 और बी0 सी0 को लगाया जाएगा। उसके बाद भी अगर इनके नोटिस में कोई ऐसी बात आए कि उनको नही लगाया गया है तो मुझे बताएं और मै आ वासन देता हू कि उनको मैरिट के हिसाब से लगाया जाएगा।

डा0 राम प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, मै माननीय ि ाक्षा मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि ि ाडयूल्ड कास्टस और ि ाडयूल्उ ट्राइब्ज के कोटे को पूरा करने के लिए क्या वे उचित समझेगे कि एक्सक्लूसिवली उनके लिए एडवरटाइजमैंट कर दी जाए ताकि इस कोटे को पूरा किया जा सके। इसके साथ ही मै यह भी जानना चाहूंगा कि 583 मास्टर भर्ती किए गए थे। उनका जिलावार ब्यौरा क्या है यानि किस जिले के कितने लगे है?

श्री फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि सुप्रीम कोर्ट के आदे ा के मुताबिक इनटरव्यू के बाद जो लिस्ट बनी है उसके मुताबिक लोग भर्ती किए जाएंगे। जैसे जैसे जगह खाली होती जाएगी और जिस नम्बर पर कोई आएगा उसको भर लिया जाएगा। जहां तक जिलावार सूचना देने की बात है उसके लिए ये अलग से नोटिस दे दें, हम जवाब दे देंगे।

श्री कृश्ण लाल: स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने हाउस में माना है कि अगर दोबारा एडवरटाईजमैंट करने से भी एस0 सी0 और बी0 सी0 के कैंडीडेट्स नही मिलते, तो उनको जनरल से भर लेते है। तो मै यह जानना चाहता हूं कि क्या एस0 सी0 और बी0 सी0 के कोटे को डी–रिजर्व किया जा सकता है या नही?

श्री फूल चन्द मुलाना: स्पीकर साहब, यदि दो बार हमें एस0 सी0, बी0 सी0 कैटेगरी से कोई कैंडीडेट नही मिलता तो तीसरी बार पोस्ट को डी–रिजर्व करने पर विचार करते है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: मंत्री जी ने जवाब मे कहा है कि जितने एस सी बी सी एप्लीकैंट आए, उनमें रिक्विजिट क्वालिफिके ान के आदमी नही मिल, और दो बार पोस्टे एडवरटाइज करने के बाद भी नही मिले, इसलिये रिजर्व कोटे मे भाार्टफाल है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि दो बार पोस्टे

एडवरटाईज करने के बाद भी इनको रिजर्व कैटेगरी के आदमी नही मिले तो क्या ये एस0 सी0, बी0 सी0 के लिए रिक्विजिट क्वालिफिके ान में रिलैक्से ान करने पर विचार करेंगे?

श्री फूल चन्द मुलानाः स्पीकर साहब, जैसे साईंस मास्टर ने सांईंस सब्जैक्ट पढाना है तो उसके लिए साईंस की क्वालिफिके ान जरुरी है। यदि किसी मास्टर ने मैथ पढाना है तो उसके लिए मैथ की क्वालिफिके ान जरुरी है। इस समय एस0 एस0 मास्टर्ज की पोस्टो में कोई भाार्टफाल नही है। मैथ और साईंस मास्टरो की पोस्टो मे ं ाार्टफाल है क्योंकि काफी लडके मैथ और साईंस पढ करके मैडिकल या इंजीनियरिंग साइड में चले जाते है। फिर भी जो मेरे साथियो ने जो चिंता जाहिर की है हम वि ोश तौर पर मैथ और साईंस सब्जैक्टस की ट्रेनिंग देने की कोि ा ा करेंगे।

Death of Sewerman in the State

***577 Shri Ram Bhajan Aggarwal:** Will the Minister of State for Local Government be pleased to state-

(a) whether any incident of death of sewerman while cleaning the sewer took place during the year 1992-93, in the State; and

(b) if so, the number of persons died in the aforesaid incidents, togetherwith the details of any compensatin given in lieu thereof?

Minister State for Local Government (Chaudhari Dharambir Gauba):

(a) Yes, Sir,

(b) A statement is placed on the Table of the House.

Statement

Sr No.	Name of Municipal Committee/District Date of death	Number of deceased	Employed on regular basis or daily wages	Financial assistance provided to the leagal heirs of the deceased
1	2	3	4	5
1	Sirsa (Distt. Sirsa) 21-3-93	1 Sewerman	Dail wages (employed by P.W.D Public Health)	Rs. 5000/- (From Red Cross Fund)
2	Hansi (Distt Hisar) 7-6-92	1 Safai Majdoor of Municipal Committee	Regular Basis	Rs. 5000/- (Against G.I.S) (Rs. 10000/- ex-gratia by Municipal Committee) Rs. 20000/- (as Compensation by State Government frm Chief Minister's Relief Fund) Rs. 10000/- (From Red Cross Fund by

				Deputy Commissioner, Hisar)
	Do	Safai Majdoor of Municipal Committee	Daily wages	Rs. 20000/- (as compensation by State Government from Chief Minister's Relief Fund, to each) Rs. 10000/- (from Red Cross Fund by Deputy Commissioner Hisar to each)

श्री राम भजन अग्रवालः स्पीकर साहब, सीवर में काम करते हुए एक आदमी की मौत भिवानी में और दो आदमियो की मौत दादरी में हुइ। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार की तरफ से उनके परिवार वालो की कोई मुआवजा दिया गया है या मुआवजा देने के बारे में सरकार कोई विचार कर रही है?

चोधरी धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि 1992–93 में भिवानी के अन्दर सीवर साफ करते हुए आदमी नही मरा है बल्कि वह वाका 1993–94 में हुआ है। भिवानी के अन्दर जो आदमी मरा है वह 14–6–1993 को लगभग 4.45 बजे सीवर साफ करते हुए नही मरा बल्कि रो ानी के लिए सीवर मे जो बल्क लटकाया हुआ था उसमें करंट था

इसलिए करंट लगने से वह आदमी मरा है। उस आदमी के परिवार वालो को हमने 10 हजार रुपए मुआवजे के दे दिए है। उस आदमी को नौकरी पर लगे अभी एक महीना ही हुआ था, फिर भी हमने उस आदमी के परिवार के जितने आदमी थे उनको डेली वेजिज पर या परमानैंट वेसिज पर नौकरी भी दी है।

श्री राम भजन अग्रवालः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार सीवर साफ करने वालो को आक्सीजन के सिलेण्डर उपलब्ध कराएगी ताकि भविश्य में ऐसी दुर्धटनाएं न हो?

चोधरी धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि दादरी में सीवन साफ करते हुए जिस आदमी कर मौत हुई है, उसकी जगह पर हमने उसकी बीवी को नौकरी पर लगा दिया है। उस आदमी को भी नौकरी पर लगे हुए अभी एक महीना हुआ था। मै माननीय सदस्यो को एक बात यह भी बताना चाहता हूं कि इस काम की अहमियत को देखते हुए हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने यह फैसला किया है कि सीवन की सफाई करवाने का काम वब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट को दे दिया जाए ताकि क्वालिफाइड इंजीनियर्ज इस काम को सही ढंग से करवा सके। इसके अलावा मै यह भी बताना चाहूंगा कि जो भी आदमी सीवर साफ करने के लिए सीवर में जाता है उसको एक लालटेन दी जाती है ताकि गैस आ जाए तो वह लालटेन बुझ जाए। इसके अलावा उसको एक पेटी देते है ताकि अगर उसको

बाहर निकालना पड जाए तो बाहर निकाल सके। एक चुने की बोरी देते है ताकि गैस आ जाए तो चुना उपर डाल कर उसको दबा दिया जाए। हमने सभी म्यूनिसिपल कमेटीज को लिख दिया है कि यह काम पब्किल हैल्थ डिपार्टमैंट से करवाएं।

श्री धर्मपाल सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि दादरी के अन्दर जो दुर्घटना हुई है, उस दुर्घटना के लिए जो अधिकारी जिम्मेदार था, उसके खिलाफ कार्यवाही की गई है? दूसरी बात मै यह कहना चाहता हूं कि मै वाल्मीकि को दे ा का सबसे बडा सेवक मानता हूं। बाढ मे जो लोग मरे है उनके परिवार वालो को 50 हजार रुपये दिए गए जबकि एक सफाई कर्मचारी सफाई करते हुए मर गया तो उसके परिवार को केवल 10 हजार रुपये दिए गए, इसकी क्या वजह है और क्या यह अन्याय नही है?

चौधरी धर्मबीर गाबाः हमारे पास जो रैगुलर बेसिज पर कर्मचारी है अगर उनमें से किसी की मृत्यु हो जाती है तो उसको म्यूनिसिपल कमेटी से एक्स–ग्र ाया मिलता है, उसको इं योरैंस का पैसा मिलता है, गरीब आदमी को सी0 एम0 साहब के फण्ड से 20–20 हजार रुपया मिलता है तथा रैडक्रास से भी पैसा मिलता है। जिस व्यक्ति का ये जिक कर रहे है, एक महीना पहले उस व्यक्ति को डेली वेजिज़ पर रखा गया था इसके बावजूद भी डी0 सी0 भिवानी ने सी0 एम0 साहब को एक नोट भेजा है कि हो सके

तो रिलीफ फण्ड से उसके परिवार की मदद करें। म्यूनिसिपल कमेटी ने उसकी घरवाली को नौकरी दे दी है।

श्री धर्मपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब पूरा नही आया है। मैने यह पूछा था कि जो अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार था उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है? वह अधिकारी बहुत ही लापरवाह है और कोई काम नही करता।

चौधरी धर्मबीर गाबाः जो सफाई कर्मचारी मैन होल में जाते है, उनको किट दी जाती है लेकिन वह व्यक्ति किट साथ ले कर नही गया था, अगर वहां पर गैस हो तो किट का इस्तेमाल हो सकता है।

श्री धर्मपाल सिंहः वहां पर जो अधिकारी है, वह बहुत ही लापरवाही करता है, मेन हाल खुला होने के कारण एक बच्चा उसमें गिर गया। उस अधिकारी की लापरवाही के कारण उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है?

श्रीमती चन्द्रावतीः जैसे कि धर्मपाल जी ने भी कहा है कि उस अधिकारी ने उस कर्मचारी को जबरदस्ती मेनहोल में भेजा। वह मेनहोल बन्द था ओर समय पर उसकी सफाई नही करवाई गई थी तथा उस कर्मारी को जबरदस्ती उस मेनहोल में ढकेला गया, जिसकी वजह से उसकी डैथ हो गई। इस अधिकारी के खिलाफ 302 का मुकदमा करना चाहिए। स्पीकर साहब, इस तरह की घटना एक गरीब हरिजन के साथ हुई है। अगर उस

अधिकारी के अपने घर में घटना होती तो उसको पता चलता। स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि उस अधिकारी के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है?

चौधरी धर्मबीर गाबा: स्पीकर साहब, वह व्यक्ति म्यूनिसिपल कमेटी का रैगुलर ऐम्पलाई नही था।

Checking of Sewarage

***569. Smt Chandrawati:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether any complaint of mixing of drinking water with the sewerage water in the State has been received during the current year; and

(b) if so, details thereof together with the steps taken or proposed to be taken to prevent such occurances in future?

जन स्वास्थय मंत्री (श्री राम पाल सिंह कंवर):

(क) जी हां।

(ख) गुडगांव भाहर की सीमा नगर और जाकबपुरा कालोनियो तथा भिवानी भाहर के पतराम गेट क्षेत्र और गली गन्धेले ब्राहमण क्षेत्र में पीने के पानी में गंदा पानी मिलने की ि ाकायते प्राप्त हुई है। छानबीन करने पर पता चला कि कुछ नीजि जी0 आई0 पाईप सर्विस कनैक ान खुली नालियो मध्य तथा मेनहोल के मध्य से गुजर रही है वह पूरी तरह गल चुकी है और

उसमें छिद्र हो गये है। इस कारण पीने के पानी में गन्दा पानी मिल रहा है। ये सर्विस कनैक ान सही ढंग से जोडे भी नही गये थे। इससे कोई बिमारी न फैले, इस सुरक्षा हेतु पुरे इलाके का निरीक्षण करवाया गया और सभी त्रुटिपूर्ण कनैक ान काट दिये गये। हां, जन स्वास्थय की बिछाई गई वितरण प्रणाली की पाईपो में कही कोई पेयजल के गंदे पानी से मिश्रण की ि ाकायत नही पाई गई है। दूसरे भाहरो में भी ऐसे गलत कनैक ानो का पता लगा कर इन्हे काटने के लिये सख्त हिदायतें जारी कर दी गई है।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, दादरी में तो ि ाकायतें मैने खुद की है, लेकिन क्या मंत्री महोदय यह बताएंगे कि रोहतक में इस तरह की कितनी ि ाकायतें आई है? सीवरेज का गन्दा पानी मिलने से दादरी में और रोहतक मे पीलिया की बीमारी हुई है। क्या उन्होने सारे हरियाणा में इस तरह का कोई इन्तजाम किया है कि दोबारा इस तरह की घटना न हो? अगर किया है तो आपने क्या स्टैप्स उठाए है? अध्यक्ष महोदय, जो मैने दरखास्त दी थी, उसका भी इन्होने जिक नही किया।

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, जो भी दिक्कते महकमे को प्राप्त हुई थी, उनके बारे में तुरन्त ही छान–बीन करवाई गई है। बहन जी की दरखास्त के बारे में पूछ लेगे और जो भी आव यक कार्यवाही होगी, हम करेंगे।

दूसरी बात इन्होने जो गन्दे पानी के बारे में कही है। मैने महकमे को हिदायतें कर दी है कि सारे हरियाण मे वे सर्वे करवाएं और जो भी त्रुटियां पाए और जो भी गलत पाईपे लगी हुई है, जो म्यूनिसिपल कमेटी वालो ने लगाई है उनको बदल दें। यह काम हमें एक अप्रैल से सौंपा गया है और जिस समय से मैने यह महकमा सम्भाला है, मैने महकमे को आदे ा दिए है कि जो भी त्रुटि वाली पाईपे है, उनको दो महीने के अन्दर अन्दर ठीक करके, उनको साफ करके स्वच्छ पानी दिलवाया जाए।

Sports Stadium at Palwal

***579. Shri Karan Singh Dalal:** Will the Minister of State for Sports be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a sports stadium in Palwal; and

(b) if so, the time by which the aforesaid stadium is likely to be constructed?

खेल राज्य मंत्री (श्री राजे ा भार्मा):

(क) हां।

(ख) यह भूमि तथा धन की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने मेरे सवाल के भाग ''क'' के जवाब में हां कहा है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि वहां पर कितना बडा स्टेडियम बनाना चाहते है? जहां तक धन और जमीन उपलब्ध करवाने की बात है, पलवल भाहर में सीनियर सकैण्डरी स्कूल की जमीन पडी हुई है, क्या वहां पर ये स्टेडियम बनाने का विचार कर रहे है?

श्री राजे ा भार्मा: अध्यक्ष महोदय, सीनियर सकैण्डी स्कूल की जमीन के बारे में हमने वहां के प्रिसिपल को दो बार लिखा था और हमने यह मामला ि ाक्षा विभाग से उठाया है। प्रिसिपल की तरफ से कोई जवाब नही आया और न ही उन्होने कुछ लिख कर दिया था। हमें जैसे ही परमि ान मिल जाएगी, हम स्टेडियम बना देंगे।

Mr. Speaker: Questions Hour is over please.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर

Constructionof Retaining Wall

***574. Shri Ram Kumar Katwal:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a retaining wall alongwith the Tank which caused damage to link road of village Majra Rehta, in District Kaithal;

(b) if so, the time by which it is likely to be constructed?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नही है।

(ख) प्र न ही नही उठता।

Bus Stand at Charkhi Dadri

***573. Shri Dharampal Singh:** Will the Minister of State for Transport be pleased to state-

(a) whether the construction work of the Bus Stand building at Charkhi Dadri has been completed; and

(b) if not, the reasons therefore and the time by which it is likely to be completed?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री बलबीर पाल भााह):

(क) जी हां।

(ख) निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सडके) द्वारा किया जा रहा है जिनको कई बार अनुरोध किया जा चुका है कि निर्माण कार्य भीघ्र पूर्ण किया जाए। अब उन्होने सूचित किया है कि निर्माण कार्य अक्तुबर, 1993 के अंत तक पूर्ण होने की आ ाा है।

Election of Municipal Committee, Charkhi Dadri

***607. Shri Atar Singh:** Will the Minister of State for Local Government be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to hold elction of Municipal Committee Charkhi Dadri; and

(b) if so, the time by which the election of the said Municipal Committee is likely to be held?

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (चौधरी धर्मबीर गाबा):

(क) हां।

(ख) भारत के संविधान में 74वें सं ाोधन के फलस्वरुप भविश्य में हरियाणा राज्य की नगरपालिकाओ के चुनाव हरियाणा नगरपालिका अधिनियम 1973 और चुनाव नियमो में सं ाोधन होने के प चात हो सकेंगे। उपरोक्त सं ाोधन हो जाने के उपरान्त नगरपालिका चरखी दादरी में चुनाव यथा ाीघ्र ही करा दिये जायेंगे।

Subzi Mandi

***630. Sathi Lehri Singh:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether there is any scheme under consideration of the Govt. to drain out the rain water from the Babain Grain Market which accumulated there during rainy season; if so, the time by which the said scheme will be implemented; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct the Subzi Mandi at Radaur and Babain; if so, the time by which these will be constructed?

Interim Reply

D.O. No. 2053 Agri. (SC) 93

Agriculture Minister

Haryana, Chandigarh

Dated 27-8-963

Subject: reply to starred question No. 630 due for answer on 30th August 1993-extension of time.

Respected Speaker Sahib,

Starred question No. 630 is due for answer on the 30th of August 1993. Notice of this question was received only yesterday by the State Govt. and it has not been possible to collect the requisite information in such a short time. Information has to be obtained from the field after consulting old records of three Market Committes namely Ladwa, Babain and Radaur. It is, therefore, requested that a period of one more week by way of extension of time may kindly be allowed for answering this question.

With best regards,

Yours sincerely,

SD/-

(HARPAL SINGH)

Ch. Ishwar Singh Speaker,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh

अतारांकित प्र न एवं उतर

Construction of Link Road

95. Shri Mani Ram: Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct/complete a link road from village Jodka-kan-Ding Mandi to village Mochiwali by Market Committee, Sirsa; and

(b) if so, the time by which the said road is likely to be completed?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिंह):

(क) जी नही।

(ख) प्र न ही उत्पन्न नही होता।

Construction of Roads

96. Shri Mani Ram: Will the Minister for Agriculture be pleased to state the time by which the construction work on the road from village Kukarthana to

Sehrpura will be started/completed by the Market Committee, Sirsa?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिंह): सम्पर्क सडक निर्माण कार्य प्रगति पर है और दिनांक 31–3–94 तक पूरा होने की सम्भावना है।

Completeion of Road

97. Shri Mani Ram: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the construction work on the road from Moujukhera to Jodheka in District Sirsa is lying incomplete; and

(b) is so, the time by which the said work is likely to be completed?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) मौजुखेडा से जोधका तक सडक के निर्माण का प्रस्ताव था परन्तु इस पर कोई कार्य नही हुआ था। सरकार द्वारा बनाई गई नीति के अनुसार इस सडक को अस्वीकृत कर दिया गया था।

(ख) प्र न ही नही उठता।

Construction of Roads from village Barasari to Jorkia

98. Shri Mani Ram: Will the Minister for Agriculture be pleased to state the time by which the

construction work on the road from village Barasari to Jorkia will be completed by the Market Committee, Sirsa?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिंह): सम्पर्क सडक निर्माण कार्य दिनांक 31–3–94 तक पूरा होने की सम्भावना है।

Construction of Water Tank

114. Shri Amar Singh: Will the Minister for Public Health be pleased to stat-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct another over head water takn to provide more drinking water in sub division Siwani Head quarter; and

(b) if so, the time by which the aforesaid water tank is likely to be constructed?

जन स्वास्थय मंत्री (श्री राम पाल सिंह कंवर):

(क) जी नही।

(ख) प्र न ही नही उठता।

Cases of Murder/Rape/Abduction registered in the State

115. Shri Amar Singh: Will the Chief Minister be pleased to state the district wise number of cases of murder, abduction and rape registered in the State during the period from April, 1989, 1990 and July, 1991 to date separately?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

राज्य में माह अप्रैल 1989 से 1990 और जुलाई, 1991 से आज तक की अवधि के दौरान हत्या/बलात्कार/अपहरण के दर्ज हुए मुकदमो की विवरण तालिका

हत्या

जिला	1–4–89 से 31–12–89	1990	1–7–91 से 31–12–91	1992	1993 (30–6–93 तक)
अम्बाला	16	43	15	32	17
यमुनानगर	20	23	8	15	10
कुरुक्षेत्र	9	19	15	18	12
कैथल	14	31	12	25	16
हिसार	41	66	44	79	28
सिरसा	19	29	22	52	13
भिवानी	25	30	18	30	11

जींद	23	32	22	34	15
गुडगांव	27	37	16	44	23
फरीदाबाद	39	48	33	59	34
नारनौल	6	16	7	16	12
रिवाडी	8	14	15	17	13
रोहतक	43	75	35	72	27
सोनीपत	36	32	33	43	27
करनाल	62	15	36	41	18
पानीपत	1	33	—	35	12
जोड	389	543	331	611	288

बलात्कार

जिला	1—4—89 से 31—12—89	1990	1—7—91 से 31—12—91	1992	1993 (30—6—93 तक)
अम्बाला	4	9	6	12	2
यमुनानगर	11	15	2	12	10

कुरुक्षेत्र	1	13	4	21	8
कैथल	14	10	2	8	4
हिसार	11	22	14	11	8
सिरसा	3	4	4	10	4
भिवानी	7	11	5	11	5
जींद	1	2	6	12	4
गुडगांव	9	16	6	14	14
फरीदाबाद	10	16	9	32	11
नारनौल	2	6	3	5	4
रिवाडी	6	6	—	4	3
रोहतक	8	13	6	21	8
सोनीपत	9	12	10	22	10
करनाल	16	7	9	26	8
पानीपत	1	8	—	17	6
जोड	113	170	86	238	109

अपहरण

जिला	1–4–89 से 31–12–89	1990	1–7–91 से 31–12–91	1992	1993 (30–6–93 तक)
अम्बाला	23	20	7	23	18
यमुनानगर	19	17	9	21	11
कुरुक्षेत्र	–	8	8	7	2
कैथल	10	10	4	4	1
हिसार	25	11	16	43	21
सिरसा	6	17	12	24	8
भिवानी	8	8	5	20	6
जींद	5	3	14	6	5
गुडगांव	20	23	17	32	9
फरीदाबाद	19	27	33	49	22
नारनौल	5	7	3	11	3
रिवाडी	9	6	3	13	6
रोहतक	10	26	8	22	10

सोनीपत	13	9	5	15	12
करनाल	22	9	18	16	8
पानीपत	3	8	—	23	5
जोड	206	209	162	331	147

Construction of Nationa Highway

116. Shri Amar Singh: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct National Highway from Ambala to Nangal Chaudhry via Jind, Bhiwni; if so, the time by which aforesaid proposal is likely to be materalized?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): राश्ट्रीय उच्च मार्ग भारत सरकार का विशय है। फिर भी ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नही है।

Construction of Grain Market at Bawani-Khera

117. Shri Amar Singh: Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a Grain Market at Bawani Khera; and

(b) if so, the time by which it is likely to be constructed.

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिंह):

(क) जी नही।

(ख) प्र न ही उत्पन्न नही होता।

Shifting of the Office of Urdu Academy

108. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to shift the Head-quarter of Urdu Academy Haryana from Panchkula to Faridabad; and

(b) if so, the time by which the above said Head-quarter is likely to be shifted?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना):

(क) हरियाण उर्दू अकादमी के मुख्यालय को पंचकूला से फरीदाबाद में बदलने के सम्बन्ध में ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नही है और

(ख) प्र न ही नही उठता।

Setting up of Faridabad Municipal Corporateion

109. Shri Karan Singh Dalal: Will the Minister of State for Local Government be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a Municipal Corporattion (Nagar Nigam) at Faridabad; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (चौधरी धर्मबीर गाबा):

(क) हां, निम्नलिखित मंत्रियो/अधिकारियो की कैबिनेट सब कमेटी का पहले ही फरीदाबाद को नगर निगम बनाने के लिए गठन किया जा चुका है:–

1. श्री ए0 सी0 चौधरी, बिजली मंत्री, हरियाणा

2. श्री महेन्द्र प्रताप सिंह, खाद्य एवं पूर्ति मंत्री, हरियाणा

3. श्री धर्मबीर गाबा, राज्य मंत्री स्थानीय भाासन, हरियाणा

4. आयुक्त एवं सचित हरियाणा सरकार, स्थनीय विभाग

5. विधि प्राम र्ी एवं सचिव, हरियाणा सरकार, विधि विभाग

(ख) फरीदाबाद संव्यूह प्र ाासन की अचयन निकाय की वर्तमान अवधि दिनांक 14–1–94 को समाप्त हो रही है, इसलिए फरीदाबाद नगर निगम अधिनियम बनाने का प्रयत्न इस तिथि तक किया जायेगा।

Gazetteer of Palwal City

110. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the Gazetteer of District Faridabad is not available at present; and

(b) if so, the time by which it is likely to be made available?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हां श्रीमान जी।

(ख)फरीदाबाद जिला गजेटियर तैयार किया जा रहा है और इसके वर्श 1994–95 मे ंउपलब्ध होने की सम्भावना है।

District Consumer Redressal Forum

111. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Minister for Food and Supplied be pleased to state-

(a) the total number of complaints receivd by the District Consumer Redressal Forum in District Faridabad during the year, 1991-92 and 1992 to June 1993; and

(b) the number of complaints out of those referred to in part (a) above have been decided so far?

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्री महेन्द्र प्रताप सिंह): सूचना विधान सभा के पटल पर रखी जाती है–

(क) (i) जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिोश फोरम फरीदाबद में वर्श 1991–92 में प्राप्त ि ाकायतो की संख्या

(ii) वर्श 1992 से जुन 1993 तक प्राप्त ि ाकायतो की संख्या 527

(ख) (i) पार्ट (क) मे संदर्भित ि ाकायतो में से वर्श 1991–92 में निपटाई गई ि ाकायतो की संख्या 10

(ii) वर्श 1992 से जुन 1993 तक निपटाई गई ि ाकायतो की संख्या 151

National High Way

105. Prof. Chattar Singh Chauhan: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to declare Narnaul-Rohtak road as National Highway?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): राश्ट्रीय उच्च मार्ग भारत सरकार का विशय है। फिर भी ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नही है।

Govt College for Women Bhiwani

105. Prof. Chattar Singh Chauhan: Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to start a women wing in Govt. College, Bhiwani, if so, the time by which it is likely to be started?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना):

(क) नही।

(ख) प्र न ही नही उठता।

Vacant Post of Teachers

107. Prof. Chattar Singh Chauhan: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the posts of JBT Teachers/Masters and Headmasters are lying vacant in the State at present; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to fill up the said vacancies?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना):

(ए) जी हां।

(बी) जे0 बी0 टी0 अध्यापको के सभी 3214 रिक्त पदो को भरने हेतु अधीनस्थ सेवायें प्रवरण मण्डल से अनुरोध किया गया है कि अभ्यार्थी का चयन कर सिफारि ो भेजें। प्रवरण मण्डल ने 22–8–93 को पद विज्ञापित कर दिए है।

1–3–92 से अब तक की अवधि में सीधी भर्ती के कोटा के लिए आरक्षित मास्टर्ज के 583 पदो को विभाग द्वारा बनाई गई चयन सूचियो में से भरा गया है। आरक्षित वर्गो से संबंधित 263 पदो को पात्र अभ्यार्थी उपलब्ध न होने के कारण नही भरा जा

सका है। इन पदो को पुनः भीघ्र ही विज्ञापित किया जाएगा। 1–3–92 से अब तक की अवधि में पदोन्नति कोटा के लिए आरक्षित मास्टर के 240 पदो को भी भरा गया है। पदोन्नति कोटा के लिए आरक्षित भोश 70 पदो को भरने हेतु पदोन्नति मामलो का परीक्षण किया जा रहा है और आदे ा भीध्र ही जारी कर दिये जाएंगे। इनके अतिरिक्त मास्टर्ज के 56 पदो को प्रौढ ि ाक्षा प्रयवैक्षको को नियुक्त करके भरा गया है। अन्य कोइ रिक्त पद नही है।

जहां तक मुख्याध्यापको के पदो का प्र न है, सीधी भर्ती के कोटा के लिए आरक्षित 120 पदो को हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा 14–8–93 को विज्ञापित किया गया है। पदोन्नति कोटा के 375 पदो को भरने के लिए मामलो का परीक्षण किया जा रहा है।

–घोशणाएं–

(क) अध्यक्ष द्वारा

(i) पैनल आफ चेयरमैन

Mr. Speaker: Hon'ble Memers under Rule 13(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following member to serve on the panel of Chairmen:-

1. Shri Verender Singh;

2. Shri Mani Ram Keharwala;

3. Shri Dhir Pal Singh; and

4. Shri Amar Singh Dhanak.

(ii) कमेटी औन पैटी ान्ज

Mr. Speaker: Hon'ble Members Under Rule 286(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following member to serve on the Committee on Petitions:-

1. Shri Sumer Chand Bhatt, Deputy Speaker, Ex-Officio Chairman

2. Shri Brij Anand, Member

3. Shri Rajinder Singh Bisla, Member

4. Shri Amar Singh Dhanak, Member

5. Shri Jaipal Singh, Member

(ख) सचिव द्वारा–

राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो सम्बन्धी

Mr. Speaker: Now the Secretary will make an announcement.

सचिवः अध्यक्ष महोदय, मै उन विधेयको को द ार्ाने वाला विवरण, जो हरियाणा विधान सभा ने अपने दिसम्बर, 1992 तथा मार्च, 1993 में हुए सत्रो में पारित किए थे तथा जिन पर

राश्ट्रपति/राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादर सदन के पटल पर रखता हू।

विवरण

दिसम्बर सत्र,1992

1. खाद्य अपमिश्रण निवारण (हरियाणा विधिमान्यकरण) विधेयक, 1992

मार्च सत्र, 1993

1. हरियाणा विनियोग (सं0 1) विधेयक, 1993

2. हरियाणा विनियोग (सं0 2) विधेयक, 1993

विभिन्न ध्यानाकर्शण सूचनाओ/स्थगन प्रस्तावो के बारे में माननीय अध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित सदस्यो को सूचनाएं देना

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैने एक ऐडजर्नमैंट मो ान और चार कालिंग अटें ान मो ान आपकी सेवा में दिए थे, उनका क्या बना?

श्री अध्याः चन्द्रावती जी, अभी ये अन्डर कंसीड्रेसन है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमारी पार्टी के 17 एम0 एल0 ए0 ने आपको एक नोटिस दिया है कि हरियाणा में भयंकर बाढ आई ओर बहुत ही विना ालीला व तबाही मचा गई।

बाढ से खडी फसल नश्ट हो गई, बर्बाद हो गई, जाने चली गई, प ाु मारे गए तथा नहरे और नाले बाढ की वजह से खत्म हो गए। स्पीकर साहब, बहुत सी फसलो के अन्दर आज भी पानी खडा है। किसानो को यह डर है कि यह फसल तो समाप्त हो ही गई, कही अगली फसल भी खराब न हो जाए क्योकिं आज भी 100 एकड जमीन पानी में डूबी हुई हे। लोग बीमार पडे है तथा बुरी हालत है। कोई उनको देखने वाला नही है ंइसलिए हमने आपको स्थगन प्रस्ताव दिया था क्याकि स्टेट का यह एक बहुत ही अहम मुददा है। इसलिए सरकार को चाहिए कि आज जो छोटा मोटा बिजनैस है उसको स्थगित करके आप स्थगन प्रस्ताव को स्वीकार करके, चर्चा कराए। हरियाणा प्रदे ा के लोग आपकी तरफ देख रहे है और सोच रहे है कि विधान सभा में बाढ के बारे में बातें होंगी। लोग आपसे बडी उम्मीदें लगाये बैठे है और देख रहे है कि सरकार उनके लिए क्या करेगी, कैसे उनको कम्पनसेट किया जाएगा, कैसे उनको रिलीफ दिया जाएगा। लोगो की आ ाएं इसी पर टिकी हुई है इसलिए मेरी आपसे अपील है कि आप इसको ऐडमिट करें।

Mr. Speaker: Smt. Chanravati Ji, your calling attention motions regarding acute shortage of water and electricity in Bhiwani and Mohindergarh districts; regarding serious famine conditions in Loharu consitituency, regarding abduction of Sushila teacheress and regarding flood situation are under consideration.

प्रो राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, नारनौल की घटनाओ को लेकर एक ऐडजर्नमैंट मो ान मैने, चन्द्रावती जी ने और औम प्रका ा बेरी जी ने दिया था।

श्री अध्यक्ष: अभी आप बैठिए।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मैने भी एक कालिंग अटें ान मो ान सुखे के बारे में दिया था। लोगो को पीने का पानी नही मिल रहा है। पिछले दिनो एक एक घडा आठ आठ रुपये में बिका है।

श्री अध्यक्ष: चन्द्रावती जी, अभी यह अन्डर कंसीड्रेसन है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध हम तीन विधायको ने एक एडजर्नमैंट मो ान आपकी सेवा में आज 11:00 बजे दिया है। 10 अगस्त को नारनौल में हुए गोलीकांड मं बेगुनाह लोगो का खुन बहा है। पुलिस की ज्यादती से लोगो की जान चली गई। तीन लोग अभी लापता है, 150 लोग घायल हुए है। वे आज रोहतक में पडे हुए है, कोई प्रोवोके ान्ज नही थी। आजादी के बाद इतनी ज्यादती हरियाणा में भाायद पहली बार हुई है। अध्यक्ष महोदय, लोगो में इस बारे में बडी रिजैन्टमैन्ट है। इस बारे में बहन चन्द्रावती, चौधरी औम प्रका ा बेरी और मैने एडजर्नमैंट मो ान दिया था। स्पीकर साहब, वहां बाजार बन्द है, बार एसोसिए ान बन्द है परन्तु अब तक कोई कार्यवाही नही हुई है।

Mr. Speaker: Hon' Members, the adjournment motion given notice by Shri Om Parkash Beri, Smt Chandravat and Sh Ram Bilas Sharma rgarding police firing on peaceful gathering of people at Narnaul has been converted into calling attention motion and I have admitted the same for 31st August, 1993.

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, यह एडजर्नमैंट का मसला था, इससे अहम बात और क्या हो सकती थी। (विघ्न) स्पीकर साहब, मै आपके फैसले के खिलाफ नही जा रहा हूं।

श्री अध्यक्ष: राम बिलास जी, आप कृप्या बैठ जाइए।

साथी लहरी सिंह: स्पीकर साहब, पिछले साल जो गन्ने की फसल खराब हो गई थी, उसके बारे में मैने एक काल अटैन ान मो ान आपकी सेवा मे दिया था। इस बार भी गन्ने की फसल खराब हो रही है।

श्री अध्यक्ष: आपका काल अटैन ान मो ान नही आया है, आप कृप्या बैठ जाइए।

साथी लहरी सिंह: स्पीकर साहब, मेरा कवै चन बबैन मंडी के बारे में था, उसका जवाब नही आया है।

श्री अध्यक्ष: आपके क्वै चन के लिए एग्रीकल्चर मिनिस्टर ने टाइम की ऐक्सटैन ान मांगी है और आपको जवाब दे दिया गया है।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, हमने अंडर रुल 84 के तहत मो ान दिया था, उसके बारे में भी आप बता दीजिए।

श्री अध्यक्षः उसके बारे में भी बता दिया जाएगा।

डा0 राम प्रका ाः स्पीकर साहब, जून के महीने में मांगे राम नाम के व्यक्ति का मर्डर हो गया था, वह एरिया पुलिस स्टे ान पेहवा के तहत आता है। धना माजरा गांव में उसपर कातिलाना हमला किया गया, उस हमले में वह मारा गया इससे वहां के लोगो में बडी रिजैन्टमैंट है। इस बारे में मैने एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव आपकी सेवा में भेजा है ताकि सरकार इस बारे में बयान दे कि कातिलो को पकडने के लिए क्या–क्या कदम उठाए गए है?

Mr. Speakr: The calling attention motion given notice by Dr. Ram Parkash, M.L.A regarding the murder of Sh. Mange Ram resident of village dhani rampura (Police Station Pehowa) had been disallowed on the following grounds:-

(a) That the matter is not of recent occurance;

(b) That the matter related to the day to day administration, and

(c) Morover, the aggrieved party may seek the remedy through a court of law.

श्री कर्ण सिंहः स्पीकर साहब, मैने आपकी सेवा में 5 ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिए है। जिनमें से एक पलवल के बारे में है।

पलवल के कुछ इलाको में टिडडी दल के प्रकोप से लोगो की फसल का भयंकर नुकसान हो रहा है। सरकार ने इसकी तरफ अभी तक कोई ध्यान नही दिया है।

Mr. Speaker: Dalal Sahib, your calling attention motion regarding fury of loeust swarm which is prevailing in the area os Palwal has been admitted for 31st August, 1993.

Your other calling attention motions-

(a) regarding loss of sugarcane crops due to supply of spurious pesticides by the Palwal Sugar Mill;

(b) regarding contaminated water which is being released into the Agra Canal and Gurgaon Canal by the Industrialists of Faridabad; and

(c) regarding the prevention of Thalassemia (blood cancer) which is spreading in the area of Palwal City.

have been sent to the Government for comments.

श्री औम प्रका ा बेरी: स्पीकर साहब, मैने एडजर्नमैंट मो ान दिया है क्योंकि करीब–करीब आधे हरियाणा में आज सूखे जैसी स्थिती है, फसले बर्बाद हो रही है। एक कारण इसका यह है कि हरियाणा सरकार द्वारा पानी के वितरण के मामले में बदनीयती से काम किया जा रहा है, इस जह से आधे हरियाणा में पानी नही मिल रहा है। मै यह चाहता हूं कि दूसरे काम रोक कर इस पर चर्चा कर ली जाए ताकि प्रभावित एरिया के रहने वाले लोगो के लिए पानी का कोई न कोई इन्तजाम किया जा सके।

Mr. Speaker: It is under consideration.

श्री औम प्रका ा बेरी: दूसरे मेरा एक काल अटैं ान मो ान है। बिजली की आज बडी भारी समस्या है।

Mr. Speaker: It is also under consideration.

राज्य में बाढ की स्थिती से सम्बन्धित स्थगन प्रस्ताव/नियम 84 के अधीन प्रस्ताव/ध्यानाकर्शण प्रस्ताव के बारे में माननीय अध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित सदस्यो को सूचना देना

Mr. Speaker: Hon'ble Member I have received an adjournment motion from Sh Sampat Singh, M.L.A Leader of Opposition and 14 other Members regarding the situation which has arisen in the State on account of floods. Besides, I have received a notice of motion under rule 84 from Shri Bansi Lal and 4 other Members on the same subject. In addition, I have received two call attention notices from Sarvshri Peer Chand and Ram Parkash M.L.As which have already been admitted for today on the same subject. One more call attention notice from Smt. Chandravati M.L.A has been received regarding the flood situation.

Hon'ble Members, it will be seen that all these notices are of identical subject. I have therefore keeping in view the importance of the subject matter and to save the time of the House, clubbed them and have admitted for discussion.

The discussion lasting 2½ hours on these motions will take place after the conclusion of the business fixed for today.

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे । करना

Mr. Speaker: Now I report the time table of various business fixed by the business advisory committee.

"The committee met at 10:00 A.M on Monday, the 30th August, 1993 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs the Assembly, whilst in session, shall meet on Monday, the 30th August, 1993 at 2:00 P.M and adjourn at 6:30 P.M and on Tuesday, the 31st August 1993, Wednesday, the 1st September] 1993 and Thursday the 2nd September, 1993 at 9:30 A.M and adjourn at 1:30 P.M.

The Committee after some discussion further recommends that the business from 30th August to 2nd September, 1993 be transacted by the Sabha as follows:-

Monday the 30th August, 1993 (2:00P.M)	1. Obituary References. 2. Question Hour. 3. Presentation and adoption of First Report of the Business Advisory Committee. 4. Papers to be laid on the Table of the House. 5. Presentation of excess demands over grants and

	appropriations for the year 1987-88. 6. Presentation of two Preliminary Reports of the Committee of Privilages and extension of time for presentation of the Final Reports thereon.
Tuesday, the 31st August, 1993 (9:30 A.M)	1. Question Hour. 2. Discussion and Voting on the excess demands over grants and appropriation for the year 1987-88.
Wednesday, the 1st September, 1993 (9:30 A.M)	1. Question Hour. 2. Appropriation Bill in respect of excess demands over grants and Appropriations for year 1987-88. 3. Legislative Business.
Thursday, the 2nd September, 1993 (9:30 A.M)	1. Question Hour. 2. Motion under Rule 16 regarding adjournment of the Sabha sine-die. 3. Non-official business

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion regarding the adoption of the First Report of the Business Advisory Committee.

Irrigation Minister (Chaudhri Jagdish Nehra): Sir, I beg to move-

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Question is-

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried.

सदन की मेज पर रखे गये कागज–पत्र

Mr. Speaker: Now, the Minister will lay the papers on the Table of the House.

Irrigation Minister (Chaudhri Jagdish Nehra): Sir, I beg to ay on the Table-

1. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 18/H.A 20/73/S.64/93, dated the 15th March,

1993 regarding the Haryana General Sales Tax (First Amendment) Rules 1993 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

2. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R 98 H.A20/73/S.64/93, dated the 20th July, 1993 regarding the Haryana General Sales Tax (Second Amendment) Rules 1993 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

3. The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R 20/Const./Art, 320/Amd. (3)/93, dated the 18th March, 1993 regarding the Haryana Public Service Commission required under Article 320(5) of the Constitution of India.

4. The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R 26/Const./Art, 320/Amd. (4)/93, dated the 23rd April, 1993 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Function) Fourth Amendment Regulations 1993 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

5. The General Administration Department Notification No. G.S.R33/Const./Art.320/Amd. (5)93, dated 18th June, 1993 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Fifth Amendment Regulations, 1993 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

6. The General Administration Department Notification No. G.S.R37/Const./Art.320/Amd. (6)93, dated 16th July, 1993 regarding the Haryana Public Service

Commission (Limitation of Functions) Sixth Amendment Regulations, 1993 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

7. The General Administration Department Notification No. G.S.R39/Const./Art.320/Amd. (7)93, dated 10th August, 1993 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Seventh Amendment Regulations, 1993 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

8. The General Administration Department Notification No. G.S.R43/Const./Art.320/Amd. (8)93, dated 18th August, 1993 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Eighth Amendment Regulations, 1993 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

9. The General Administration Department (Political Branch) Notification No. G.S.R 19/H.A.3/70/S.8 and 9/93, dated 16th March, 1993 regarding the Haryana Ministers Traveling Allowances (First Amendment) Rules, 1993 as required under Section 9(2)of the Haryana Salaries and Allowances of Ministers Act, 1970.

10. The Annual Financial Accounts of Haryana Khadi and Village Industries Board for the year 1989-90 as required under Section 19-A (3) of the Comptroller and Auditor General of India (Duties Powers and Conditions of Service) Act, 1971.

11. The Annual Report of Chaudhar Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar for the year 1990-91 as

required under Section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

12. The 18th Annual Report and Accounts for the year 1991-92 of the Haryana Seeds Development Corporation Limited as required under Section 619(a) (3) of the Companies Act, 1956.

13. The 16th Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Development Corporation Limited for the year 1989-90 as required under Section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

14. The Annual Financial Statement of the Haryana State Electricity Board for the year 1993-94 and revised Estimates for the year 1992-93 as required under Section 61(3) of the Electricity (Supply) Act, 1948.

Finance Minister (Sh. Mange Ram Gupta): Sir,I beg to lay on the Table:-

15. The Finance Accounts of the Government of Haryana for the year 1991-92 in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitutin of India.

16. The Appropriation Accounts of the Government of Haryana for the year 1991-92 in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

17. The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 1992 No. (3) Civil of the Government of Haryana in pursuance of the

Provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

1987–88 के लिए अनुदानो तथा विनियोजनो से अधिक मांगे प्रस्तुत करना

Mr. Speaker: Hon'ble Member, now the Finance Minister will present the excess demands over grants and Appropriations for the year 1987-88.

Finance Minister (Sh. Mange Ram Gupta): Sir, I beg to present the Excess Demands over Grant and Appropriations for the year 1987-88.

वि ोशाधिकार मामलो के सम्बन्ध में वि ोशाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना

(i) प्रो0 सम्पत सिंह एम0 एल0 ए0 तथा प्रतिपक्ष के नेता के विरुद्ध

Mr. Speaker: Now, Shri Jai Parkash, M.L.A, Chairman Privileges Committee will present the First Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilgeges given notice of by Sh Mani Ram Keharwala, M.L.A against Prof. Sampat Singh, M.L.A and Leader of Opposition in respect of casting aspersions and reflection o the impartiality of the Speaker and using derogatory remarks in his statement published in various newspapers on 4th March, 1993 and will

also move the motion for the extension of time for the presentation of the final report to the House.

Shri Jai Parkash (Chairman Privileges Committee): Sir, I beg to present the First Preliminary Report of the Committee of privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Sh Mani Ram Keharwala, M.L.A. against Prof. Sampat Singh, M.L.A and Leader of Opposition in respect of casting aspersions and reflection on the impartiality of the Speaker and using derogatory remarks in his statement published in varius newspapers on 4th March, 1993.

Sir, I also beg to move-

That the time for the presentation of the final report to the House be extended upto the first shifting of next session.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the time for the presentation of the final report to the House be extended upto the first shifting of next session.

Mr. Speaker: Question is-

That the time for the presentation of the final report to the House be extended upto the first shifting of next session.

The motion was carried.

(i) श्री कर्ण सिंह दलाल एम0 एल0 ए के विरुद्ध

Mr. Speaker: Similarly now Sh Jai Parkash, M.L.A Chairman, Privileges Committee, will present in the First Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Sh. Ram Rattan, M.L.A against Sh. Karan Singh Dalal, M.L.A for using abusive and threatening language to kill and intimidate him in relation to the discharge of his parliamentary duties in the presence of Sarvshri Mohd. Ilyas, Shakrulla Khan, Mahender Partap Singh, Raj Kumar, Dharambir Gauba, Joginder Singh, Mani Ram Keharwala and Chhattarpal Singh, etc. in the lobby of the House at about 3:00 P.M on the 11th March 1993 and will also move the motion for the extension of time for the presentation of the final Report to the House.

Sh. Jai Parkash (Chairman Privileges Committee): Sir, I beg to present the First Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Sh. Ram Rattan, M.L.A against Shri Karan Singh Dalal, M.L.A for using abusive and threatening language to kill and intermidate him in relation to the discharge of his parliamentary duties in the presence of Sarvshri Mohd. Ilyas, Shakrulla Khan, Mahender Partap singh, Raj Kumar, Dharambir Gauba, Joginder Singh, Mani Ram Keharwala and Chhattarpa Singh etc. etc. in the lobby of the House at 3:00 P.M on the 11th March, 1993.

Sir I also beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of next session.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of next session.

Mr. Speaker: Question is-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of next session.

The motion was carried.

राज्य मे बाढ की स्थिती से सम्बन्धित नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पर चर्चा

Mr. Speaker: Hon'ble Members now discussion on the situation arising on account of floods will take place.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, आप इसके लिए टाईम फिक्स कर दें ताकि हाउस को और आपको भी आसानी रहे।

श्री अध्यक्ष: दो घण्टे।

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, आज सुबह बी0 ए0 सी0 की मीटिंग में इस के लिए अढाई घंटे की बात चली थी

लेकिन हम तो सोच रहे थे कि आप इसके लिए और थोडे से लिबरल होंगे। दो घण्टे में तो सभी मैम्बर साहेबान इस पर बोल नही पाएंगे। इसलिए अढाई घंटे का समय नि चत कर दें।

श्री अध्यक्षः ठीक है अढाई घण्टे नि चत किया जाता है।

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): स्पीकर साहब, 15 मिनट से ज्यादा का समय मुकर्रर किया जाता है लेकिन mover can be given some more time.

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है कि यह बडा ही इम्पार्टैन्ट इ ा ू है और इस पर डिस्क ान के लिए कम से कम चार पांच घंटे का समय तो निर्धारित होना ही चाहिये ताकि लोगो को खुलकर बोलने का मौका मिल सके। स्टेट में इतनी जबरदस्त बाढ आई है, जान माल का काफी नुक्सान हुआ है, इसलिए इन सब बातो को हाउस के अन्दर रखने के लिए सदस्यो को बोलने के लिए कम से कम चार–पांच घन्टे का समय मिलना चाहिए। (ाोर)

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): स्पीकर साहब, जैसा कि आपने कहा है कि मूवर को थोडा ज्यादा समय मिलना चाहिए। मूवर तो प्रो0 सम्पत सिंह जी है, चौधरी बंसी लाल जी है, और भी दो तीन माननीय सदस्य मूवर है। अगर इसी तरह से मूवर 15 मिनट से ज्यादा बोलने लगेगे तो फिर इतने टाईम में

डिस्क ान पूरी नही हो पाएगी। I wil request your honour that it should be adhered according the rules.

Mr. Speaker: They will try to maintain the time-table as I announced just now.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप बहुत ही लिबरल है। आपका बहुत बहुत धन्यवाद जो आपने इस पर डिस्क ान के लिए सदस्यो को अढाई धंटे का समय दिया हैं। अगर इस पर बोलने के लिए अधिक समय की जरुरत पडेगी तो आप तीन चार घंटे तक का समय देंगे, यह हमारी धारणा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः जी नही।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि हमारी पार्टी की ओर से श्री औम प्रका ा जी चौटाला इनीि ाएट करेंगे।

चौधरी औम प्रका ा चौटाला (नरवाना): स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा में बाढ की वजह से बहुत भारी नुक्सान हुआ है और हरियाणा के अन्दर यह पहला ही अवसर है जहां बाढ की वजह से 40 से अधिक लोगो की जाने गई हो। सैंकडो प ाु भी मरे है। हजारों मकान बर्बाद हो गए है और सरकारी आंकडो के मुताबिक पांच लाख एकड के लगभग भूमि मे किसानो की फसले बर्बाद हुई है। इतनी भयंकर विना ा लीला हरियाणा बनने के बाद हरियाणा के अन्दर पहली मर्तबा हुई है। सब से ज्यादा दुःखदायी

बात यह है कि हरियाणा प्रदे ा में बाढ की वजह से जितना विना ा हुआ है वह सभी को पता है लेकिन सरकार और प्र ाासन की तरफ से पूरी तरह से सारे प्रदे ा के लोगो की अनदेखी की गई है। स्पीकर साहब, और तो और, अगर कही पर लोगो ने अपने बचाव के लिए सरकार से खाली बोरियो की मांग की तो उन्हे खाली बोरियां भी सरकार की ओर से नही मिल पाई। जहां लोग बाढ में घिरे हुए थे, वहां पर आने जाने के सभी रास्ते बन्द हो गए थे। खाद्य सामग्री लोगो तक नही पहुंच रही थी, लेकिन सार्वजनिक संस्थाओ की तरफ से, लाईन्स क्लब, रोटरी क्लब की तरफ से, गुरुद्वारो की तरफ से, मन्दिरो व मठो की तरफ से, विभिन्न राजनीतिक पार्टियो के कार्यकर्ताओ की तरफ से, व्यक्तिगत रुप से मानवता के आधार पर लोगो की तरफ से, जहां लोगो को इमदाद पहुचाई जा रही थी, वहां सरकार की म ाीनरी ऐसा करने में पूरी तरह से निरर्थक थी। सरकार का सारा प्र ाासन पूरी तरह से निश्क्रिय था। बाढ में घिरे हुए लोगो को इमदाद करने की बजाए, सरकार की सारी म ाीनरी कालका विधान सभा के उपचुनाव में मुख्य मंत्री के बेटे को चुनाव जिताने में लगी हुई थी। सारे मंत्री और सारे विधायक इस बात में लगे हुए थे और हरियाणा प्रदे ा में नही, दे ा के स्तर पर कभी कोई बात सुना करते थे कि रोम जल रहा था। स्पीकर साहब, लोग तो बाढ मे घिरे हुए थे और प्र ाासन जानबूझ कर अनदेखी कर रहा था और दूसरी तरफ कालका उप–चुनाव के परिणाम के बाद हरियाणा प्रदे ा के कांग्रेस सरकार के मंत्री कांग्रेस के विधायक

मुख्य मंत्री की खु ानूबी हासिल करने के लिए, उन बाढ पीडित लोगो को राहत पहुंचाने की बजाए उन लोगो में लडडू तकसीम कर रहे थे। कई जगह पर तो लोगो ने वही लडडू इनके मुहं पर भी मारे। हरियाणा प्रदे ा के मुख्य मंत्री बाढ पीडित लोगो को राहत प्रदेन करने की बजाए, जिस प्रकार बन्दरिया अपने बच्चो के बगल में दबाए फिरती है, उसी तरीके से हरियाणा में जगह जगह जाकर इस बात की दुहाई दे रहे थे कि आपने अच्छी बात की कि मेरे बेटे को जिता दिया। यह कह रहे थे कि यह श्रेश्ठ बाप का श्रेश्ठ बेटा है जो पहली बार सब की जमानत जब्त करवा कर जीत कर आया है। स्पीकर साहब, हरियाणा में पहले भी इस प्रकार के चुनाव हुए है। दडबा कलां में भी एक उप–चुनाव हुआ था। उसमें येसामने बैठे हुए मंत्री को, नौ हजार से कम वोटे मिली थी। वहां पर सब की जमानते जब्त हुई थी। उसमें ये कांग्रेस के प्रत्या ाी भी अपनी जमानत जब्त करवा बैठे थे। (ाोर)

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। स्पीकर साहब, किसी चुनाव में किसी की जमानत जब्त होना कोई दिक्कत की बात नही है, लेकिन इन्होने मेहम के बाद जो दडबा कलां में रंग खिलाए, उसके लिए इनको भार्म आनी चाहिए। (ाोर) ये उस समय चीफ मिनिस्टर थे और साथ में इन के पिता दे ा के उप–प्रधान मंत्री थे। (ाोर) फिर भी ऐसी स्थिती आई। (ाोर) यहां पर ऐसी बात कहेंगे तो

सुनना ही पडेगा, नही कहोगे तो नही सुनोगे। स्पीकर साहब, उस चुनाव में 15 करोड रुपया लोगो से लिया गया.....(ाोर)

श्री अध्यक्षः नेहरा साहब, आप इस तरह से इन्ट्रप्ट न करे, बाद में इकट्ठा ही जवाब दे देना। (ाोर)

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, आपने इस मो ान के लिए अढाई घंटे का समय अलाट किया है। आनरेबल मैम्बर ने अब तक कोई अन–पार्लियामैंटरी भाशा का इस्तेमाल नही किया है। जो लोग ट्रेजरी बैंचिज पर बैठे है, उनको इनकी बात को आराम से सुनना पडेगा। अगर दोनो तरफ से दखलअंदाजी होगी तो सदस्यो को बोलने का पूरा समय नही मिल पाएगा।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम तो मै चेयरमैन साहब की तरफ से प्रोटैक ान चाहता हूं कि एक सदस्य के नाते मुझे अपनी बात कहने का अधिकार है। मैने अपनी तरफ से अपनी सही बात कहने का प्रयास किया है और आगे भी करुंगा। मै विशय से पिछड कर कोई बात नही कहूंगा। सदस्यो को एक बात पर वि ोश ध्यान देना चाहिए कि वे सर्वप्रथम चेयक के आदे ा लेकर फिर किसी से बात करे। इस हाउस के सम्मानित सदस्य आपकी तरफ देखें बिना और आपकी परमि ान लिये बिना दूसरे को टोका टोकी करे तो यह संवैधानिक दृश्टी से अच्छा नही है। हाउस की गरिमा को कायम रखा जाना चाहिए। मै वह बात कहने जा रहा था कि हरियाणा प्रदे ा में जिस प्रकार की

विना ालीला हुई उसका बखान नही किया जा सकता। अभी तो आपको और ज्यादा तकलीफ होगी, अभी तो उसकी भाुरुआत है। तथ्यो पर आधारित मै अपनी बात कहना चाहूंगा। तथ्यो से बिछुड कर बात नही कहूंगा। मै अध्यक्ष महोदय, की मारफत सम्मानित सदस्यो से कहना चाहता हूं कि वे मेरी बातो को ध्यान से सुने। मै आपके हित की बात कहूंगा। हरियाणा प्रदे ा के हित की बात कहूंगा। उन बातो से किसी का कोई वयक्तिगत लगाव नही है, कोई व्यक्तिगत द्वेश नही है। यदि हरियाणा प्रदे ा का कोई नुक्सान होता है तो हरियाणा के हर बाि ान्दे को पीडा होती है। आज हरियाणा प्रदे ा में बाढ की वजह से जितना नुकसान हुआ है उसमें सरकार की तरफ से लोगो को किसी प्रकार की कोई मदद नही की गई। अब तक लोगो को किसी प्रकार की कोई राहत उपलब्ध नही करवाई गई। मै तो सार्वजनिक संस्थाओ का इस बात के लिए धन्यवादी हूं कि उन्होने मुसीबत जदा लोगो को राहत प्रदान करने में अपना सब कुछ कूर्बान किया। चाहे गुरुद्वारे थे, चाहे मठ थे, चाहे मन्दिर थे, चाहे लायंज क्लब थे और चाहे रोटरी क्लब थी, सब ने व्यक्तिगत तौर पर लोगो की मदद की। सरकार की तरफ से ऐसा तो जरुर हुआ और उसके बारे मे मुझे अखबारो में पढने को मिला कि हरियाणा के सिरसा भाहर में सरकार की तरफ से हैलीकाप्टर के द्वारा 80 हजार पैकेट लोगो को खुराक के गिराए गए। मैने सिरसा में जा कर लोगो से कहा कि जब आप बाढ में धिरे हुए थे उस समय सरकार ने आपकी बडी मदद की, आपको खाने पीने का सामान भिजवाया तो उस

समय लोगो ने मुझे बताया कि खाद्य खुराकके पैकेट तो क्या हमने तो आका ा में हैलीकाप्टर या हवाई जहाज उडते हुए भी नही देखे। जिन सार्वजनिक संस्थाओ ने लोगो की मदद की वह भी सरकारी आंकडो में भुमार करके बता दिया। भाायद बाढ के नाम पर लोगो की मदद करने के लिए लोगो से पैसा वसूल न कर लिया गया हो सरकार को इस बात की पडताल करनी चाहिए। मै जाखल मंडी में गया था। जब बाढ का पानी उतर चुका था, सडके पूरी तरह से बंद थी। आवागमन के सारे साधन टूट चुके थे। मुझे रेलवे लाईन के साथ साथ स्कूटर पर बैठ कर जाना पडा था और चार पांच जगह तो मुझे रेलवे लाईन के बीच में पैदल चलना पडा था। वहां जा कर मैने लोगो की जो हालत देखी थी, उसका मै अपनी जुबान से बखान नही कर सकता। दुकान और मकान पूरी तरह से बर्बाद हो गए। जिस घर मे जो कुछ था वह बर्बाद हो गया। वहां पर 6–6 और 7–7 फूट पानी खडा था। प्र ाासन की तरफ से उनको बाढ की कोई सूचना नही दी गीई। लोग बहुत दुखी और परे ाान थे। उस क्षेत्र से चौधरी पीर चन्द विधायक है। जब ये वहां पर गए तो इनको उन लोगो के रोश का सामना करना पडा। सरकार की तरफ से वहां पर कोई नही पहुचा। एक मंत्री महोदय पडोसी हल्के की नुमाइंदगी करने वाले वहां पर गए, बीच में संयोग से चौधरी पीर चन्द मुलाना के हल्के का एक गांव आ गया तो उस गांव के लोगो ने मंत्री से कहा कि हमारी मदद की जाए। मंत्री महोदय ने उसगांव के लोगो से कहा कि आपका गांव मेरे क्षेत्र में नही आता है। यह तो रतिया हल्के में आता है।

इसका मतलब यह हुआ कि मंत्री केवल एक ही क्षेत्र के रह गए है। यह इन मंत्रियो की द ाा बन गई है। अगर सरकारी अधिकारियो से मदद की बात की जाए तो वे कहते है कि उनके पास पैसा नही है। डी0 सी0 पाए का आदमी यह कह दे कि उसके पास खाली बोरियां खरीदने के लिए पैसा नही है। सिरसा का बांध टूटा तो उसको बांधने भाहर के लोग लगे हुए थे और डी0 सी. उनको खाली बोरियां उपलब्ध न कराए यह कितने भार्म की बात है। उस बांध के टूटने से सिरसा में जो विना ालीला हुई और सिरसा की जो हालत हुई उसको कोई आखो से नही देख सकता लेकिन प्र ाासन की ओर से लेागो की कोई मदद नही की गई। मुझे इस बात का फख्र महसूस हुआ और मै पंजाब के उन लोगो का धन्यवाद भी करुंगा कि जब जाखल मंडी के लोग बाढ के पानी से धिरे हुए थे उस पानी में पंजाब के लोग एक एक मन आटा अपने सिर पर रख कर जाखल मंडी मे आउ उस आटे की रोटियां बना कर लोगो ने दो दिन से भूखे अपने बच्चो का पेट भरा। पानी उतरने के बाद जब रास्ते खुल गए तो सरकारी अधिकारी और गांव के लोगो ने जबरदस्ती 40 ट्रंक्टर इकट्ठे किए और मंडी मे बाढ से प्रभावित लोगो को, जिनका अनाज, साल असबाब सब बर्बाद हो गया था, जिनके पास खाने को अन्न का एक दाना नक नही था उनसे 45 हजार रुपये एकत्रित किए। उन लेागो से 45 हजार रुपये यह कह कर इकट्ठे किए गा कि डीज़ल तुम्हारा जलेगा और ट्रैक्टर लोगो से लिए जाएंगे ताकि मण्डी में जो गन्दगी फैल गई है, सडा हुआ अनाज बदबू मार रहा है, उसकी

सफाई करेंगे, वहां पर सीवरेज सिस्टम सारा बर्बाद हो गया और पीने का पानी नही रहा। गन्दा पानी पी–पर कर लोग पीलिये के मरीज हो गये। पीने के पानी के सारे साधन समापत हो गए थे। सीवरेज सिसटम के गन्दे पानी ने बैक मारकर लोगो को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया था। स्पीकर साहब, यह प्रदे ा सरकार आज तक भी उन लोगो की कोई मदद नही कर पाई। इस किस्म की बात सुनने में आई कि जब बाढ आई तो कहते है कि 12 करोड रुपया केन्द्र सरकार ने दिया है परन्तु यह प्रदे ा सरकार आज तक साबित नही कर पाई कि यह 12 करोड रुपया कौन सा है। क्या यह 12 करोड रुपया वह तो नही है जो कि ड्रेनेज संवारने के लिए केन्द्र सरकार की तरफ से दिया गया था। स्पीकर साहब, कांग्रेस सरकार पार्टी की सरकार को बने हुए 26 महीने हो गये है और इस 26 महीने के अरसे में कोई भी ड्रेन इस सरकार ने नही संवारी है। ड्रेने मिट्टी से अटी पडी है और उनमें झाड–झंखाड खडे हो गए है। पानी के जो नैचुरल फलो थे, सरकार ने वे नीलाम कर दिए और उन पर लोगो ने कब्जा कर लिया। पानी आता ही नही पानी को रास्ता नही मिला और वह नहर तोडता चला गया जिसकी वजह से हरियाणा के 13 जिले बाढ से बुरी तरह से प्रभावित हुए। हिसार जिला उनमें से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ जो संयोग से मुख्य मंत्री जी का जिला है। रतिया क्षेत्र मे आज भी ऐसे गांव है जहां पर पानी खडा हुआ है। सिरसा जिला में कई इलाके ऐसे है जहां पानी खडा है। और सरकार की तरफ से कोई मदद लोगो को नही दी जा रही है, खडे हुए पानी

को पम्प आउट नही किया जा रहा है। स्पीकर साहब, उससे ज्यादा दुखदायी बात और क्या होगी कि एस.0 वाई0 एल का पानी हरियाणा को नही दिया जा रहा परन्तु वह पानी जो पाक्स्तिान को जाना चाहिए था वह नहर टूट कर वह सारा पानी हरियाणा में आ गया जिसकी वजह से हरियाणा में बाढ आ गई। वह पानी जो लोगो को राहत प्रदान कर सकता था उस पानी ने तबाही और बर्बादी लाने का काम किया। भाखडा की नरवाना ब्रान्च टूट गई। स्पीकर साहब, आप सुन कर हैरान होंगे कि वह सरकार बाढ से प्रभावित लोगो की कोई मदद नही कर पाई और गलत आंकडे दे रही है। स्पीकर साहब, आपका क्षेत्र भी बाढ से प्रभावित हुआ है और आपको भाायद यह सरकार सही आंकडे उपलब्ध करवा दे तो आप स्वयं देख ले कि क्या कही लोगो को सरकार की तरफ से कोई मदद मिली है। कही पर कोई मदद नही मिल रही है। जो भाखडा मेन लाईन टूट गई उसकी मुरम्मत पंजाब के लोगो ने स्वयं की, उनको मौका मिल गया था और उस चैनल से पानी पम्प आउट करके उन्होने पानी नरवाना ब्रान्च मे डाल दिया जिससे वह टूट गई। डेढ महीना हो गया है परन्तु उसकी मुरम्मत नही हो पाई है। वह गन्दा पानी जिसमें प ा मर गए थे, जिसमें आदमी पर गए थे, जिससे अनाज सड गया था,वह गंदा पानी लगातार डेढ महीने नरवाना ब्रांच में पंजाब के सुनाम के पास पम्प आउट करके डाला जाता रहा। वह पानी सिंचाई के काम में नही आया। वह पानी वाटर वर्क्स में गया। हरियाणा प्रदे ा में चूंकि बिजली का अभाव है, स्पीकर साहब, परमात्मा का भाुक्र है कि इस राज में

आसमानी बिजली नही गिरी वरना तो बिजली आज न भाहरो मे है, न किसी गांव में ओर न ही किसी उद्योग मे है। बिजली न होने से लोग त्राहि–त्राहि कर रहे है। वाटर वकर्स में गन्दा पानी आ गया और बिजली न होने की वजह से पानी साफ नही किया जा सका जिसकी वजह से वह गन्दा पानी जिससे बदबू मारती है, सडांध आती है, लोगो को पीने को मिला, जिसे पी कर लोग बीमार हुए, जोंडिस, आंत्रदोश और मलेरिया जैसी बिमारियां फैली। यह सरकार बुलन्दबांग यह दावा करती थी कि हरियाणा में मलेरिया को खत्म कर दिया गया है लेकिन आज हरियाणा प्रदे ा में सैंकडो केसिज मलेरिया के है। सरकार द्वारा टाईम पर डाक्टर नही भेजे गए, प ाुओ की टीके लगाने का काम नही किया गया, कोई दवा का स्प्रे नही किया गया ताकि मच्छर और मक्खियां पर सके तथा बिमारी न फैले तथा फसले बर्बाद न हो, इसके लिए सरकार ने कोई प्रबन्ध नही किया। स्वास्थय विभाग बिल्कुल निश्कीय रहा। स्पीकर साहब, मै धन्यवाद करुंगा सार्वजनिक संस्थाओ का अपने उन कार्यकर्ताओ का जिन्होने चिकित्सा ि ाविर लगाए। उन्होने 50 हजार से अधिक लोगो को राहत प्रदान की। मै उन डाक्टरो का भी धन्यवाद करुंगा जो कि क्वालीफाइड डाक्टर है, अच्छे फिजि ियन है, बहुत अच्छे सर्जन है और जिनक एक एक मिनट कीमती है, उन्होने पूरा समय लगा कर लोगो की मदद की। लेकिन सरकार की तरफ से कुछ नही हो पाया । सरकार ने इस बात को लेकर, कुछ और योजना बनाकर कमाने की बात सोची है। आज भी हरियाणा प्रदे ा में बाढ के नाम पर पैसा

इकट्ठा किया जा रहा है और बाढ पीडित लोगो को कुछ नही दिया जा रहा। 12 सौ रुपये कच्चे मकान वालो को देने की घोशणाएं की गई है लेकिन वह भी नही दिए जा रहे। स्पीकर साहब, आप सुनकर हैरान होगे कि जिन लोगो को 12 सौ रुपय दिये जाने है, उन से पहले पांच सौ रुपये रि वत के लिए जाते है, तब सात सौ रुपए मिलते है। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैने पहले भी कहा था और मै पुनः अपनी बात को दोहराना चाहता हूं कि जिस किसी ने भी बात करनी है, वह मेरा बात के बाद करे या प्वायंट आफ आर्डर उठा कर करे। बैठे बैठे बोलने की ठेकेदारी की प्रथा तो खत्म हो जाएगी, यह नही चल पाएगा। यह डैमोक्रटिक सैट–अप है और डैमोक्रसी को पास रखने की कोि ा ा मत करे लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज सत्ता में ऐसे लोग आसीन है जो बेचारे सार्वजनिक बात तो जानते नही और न ही इस बात को समझते है।

श्री मनी राम केहरवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि...

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ये कैसे बोल रहे है? ये किस हैसियत से बोल रहे है? कोई इन से मुखातिक नही हो रहा है। यह कोई चुंडुखाना नही है, विधान सभा है। तुम्हे तरीके से बात करनी चाहिए, सोच समझ कर बात करनी चाहिए।

श्री मनी राम केहरवाला: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इनसे पूछना चाहूंगा कि हमें डिक्टेट कैस कर रहे है? ये आपकी तरफ से मुखातिब होने चाहिए और आप हमें मुखातिब करें। ये हमे धमकी देने वाले कौन होते है, हमें डिक्टेट करने वाले कौन होते है?

Mr. Speaker: Mani Ram ji, you please take your seat. He is not dictating you.

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, यदि आप टाईम देंगे और मुझे टाईम मिलता है या मेरी पार्टी को कोई समय अलाट है और यदि उस रे ाो से मुझे टाईम मिलता है तो मै जरुर बोलुंगा।

Mr. Speaker: Chautala Ji, you have already spoken for 20 minutes. Please conclude within 5 minutes.

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मै यह जिक्र कर रहा था कि इन हालात में, परिस्थितियो में, चाहिए तो यह था कि सरकार की तरफ से उन बाढ पीडित लोगो की सहायता की जाती लेकिन सरकार ने एक निर्णय ले लिया, कि कच्चे मकान जिसके गिर जाएंगे, उसको 12 सौ रुपये की धन रा ि ा मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी गरीब ने पांच सात पीडियो से, 4–5 मकान बना लिए और प्रकृति के प्रकोप से 3 मकान गिर गए और सिर्फ एक कोठरा बच गया तथा वह अपने बच्चो को घूप और छांव से बचाए बैठाहै, उसकी उस में लिए बैठा

है तो यह सरकार इस इंतजार में है कि कब जाकर उसका वह मकान गिरे ओर कब जाकर उसको 12 सौ रुपये दिए जाएं। यह सरकार के कायदे है, सिर्फ दो हजार रुपये पक्के मकान के लिए रखे है। पूरा घर जब गिर जाए तब उसको दो हजार रुपए मिलेंगे। सरकार को इस बात का ज्ञान नही है कि आजकल दो हजार में दो हजार ईंटे भी नही आती, उससे छप्पर भी नही बन सकता। तो उसके टूकडे करके दु:खी लोगो के सिर फोड दें, जिनके साथ इस तरफ का मजाक करते है। तब भाायद कुछ काम चल जाएगा, वरना दो हजार रुपये से किसी गरबी की क्या मदद की जा सकती है और वह भी नही दिए जा रहे है। उसमें भी पैसे लिए जा रहे है और मनमाने लोगो को दिए जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, सन् 1988 मे जब फ्लड आया था और उस वक्त हरियाणा प्रदे ा के मुख्य मंत्री चौ0 देवी लाल थे। तब पांच हजार रुपए हर मकान वालो को दिए गए थे और 15 हजार रुपए सरकारी बैंको से बिना ब्याज लोन दिया गया था ताकि 20 हजार से उनके मकान बन सके। आज की सरकार को इतना नही पता कि दो हजार रुपए में किसी का मकान बन सकता है या नही। यह सरकार ने मदद की है। अध्यक्ष महोदय, जहां पर तूडा देने का प्र न आया वहां जाकर के कहा कि आपको 130 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से तुडा दिया जाएगा। हस सबसिडी भी आपका जरुर देंगे। अध्यक्ष महोदय, जब लोग बाढ से घिरे हुए थे, उनके पास खाने को अनाज नही था। वे कही बाहर नही जा सकते थे, तब इनकी सरकार की तरफ से 4.20 रु प्रति किलो के हिसाब से

उन्हे आटा तकसीम किया गया। यह मदद उन बाढ पीडितो की सरकार की तरफ से की गई है।

जहां एक ओर लोग बाढ से बर्बाद हो गए वही दूसरी ओर उनको बिजली भी नही मिल पा रही है। इसके साथ ही लोग गन्दा पानी भी पी रहे है। जिसके कारण बीमारी फैल रही है। आज लोग गन्दा पानी पीने को मजबूर है। इसके अलावा आज प्रदे ा में भयंकर सूखे की स्थिती हो गयी है। सरकार आज भी इस मामले में कुछ स्पश्ट नही कर पायी है, बार बार यह ब्यान आता है कि केन्द्र की सर्वे पार्टी प्रदे ा में सर्वे के लिए आयी है। लेकिन यह पता नही कि सर्वे की क्या रिपोर्ट आई है, केन्द्र की सरकार ने प्रदे ा की सरकार को कितनी मदद दी है और कितने लेागो को वह मदद दे दी गयी है तथा कितने लोग उस मदद के वास्तव में हकदार है, जिनको यह मदद मिल सकती है। अध्यक्ष महोदय, आज लोग परे ाान है, उनको समझ नही आता कि वह कहां जाए?प्र ाासन निश्किय बैठा हआ है। प्र ाासन कहता है कि हमारे पास पैसा नही है? आज बिजली की कमी की वजह से लोग दुखी है। स्पीकर साहब, आप एक ऐसे क्षेत्र से है, जहां की जमीन बडी उपजाऊ है, जहां टयूबवैल से सिंचाई के बडे अच्छे साधन है। आप तो एक प्रगति ाी का तकार रहे है। आपको यह भी पता है कि आज बिना बारि ा के खेती नही है। अगर बारि ा हो गयी तो खेत में बीज डाल दिया और छः महीने के बाद फसल को इकट्ठा करके ले आए। आज खेती करना एक प्रकार से व्यापार

है, जिसमें जितना लगाएंगे, उससे उतना ही मिलेगा। आज एक एक डमें जीरी की, कपास की फसल लेने के लिए 2500 यह 3000 रुपये प्रति एकड का खर्च होता है जबकि सरकार की तरफ से एक नये पैसे का कम्पनसे ान नही दिया गया, जहां पर जीरी की फसल बर्बाद हो गयी थी। सरकारी कर्मचारी अगर आए तो लोगो से कहा गया कि अभी तो हम देखेगे कि जब यह फसल पूरी तरह से हाथ आएगी सूख जाएगी, बीजी जाएगी, पानी उतर जाएगा तब जाकर हम पता करेंगे। स्पीकर साहब, लेागो ने जहां कही भी पानी उतारा है वहां पर बहुत महंगी बासमती खरीदकर मंहंगी लेबर खर्च करके, दोबारा जीरी लगायी गयी लेकिन उनका यह दुर्भाग्य है कि आज उनको बिजली नही मिल रही है। परमात्मा की भी उन पर कुदृश्टी हो गयी क्योंकि आज बारि ा भी नही हो रही है। बिजली के लिए लोग परे ाान है। अगर कभी बिजली आती भी है तो भी लोगो की मोटरे सड जाती है। स्पीकर साहब, अगर 7.5 होर्स पावर की मोटर एक बार सड जाए तो उसको ठीक करवाने के लिए किसान की जेब से 1000 या 1500 रुपये खचै होते है। पिछले एक महीने से हर किसान की मोटरे दस दस बार सड चुकी है और उनको ठीक करवाने के लिए उनकी जेब से 15–15 हजार रुपये खर्च हो चुका है। ट्रांसफार्मर सडे पडे है। जब लोग बिजली के ऐक्सीयन या एस0 ई0 से सम्पर्क करते ळे तो ये लोग उनसे कहते है कि उनके पास ट्रांसफार्मर नही है। जब लोग इनसे कहते है कि इन्ही ट्रांसफार्मर की आप मुरम्मत कर दो तो वे कहते है उनके पास तार नही है और तार इसलिए नही है क्योंकि उनके

पास पैसा नही है। आज हरियाणा स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड की हालत यह है कि इसका 1225 करोड रुपया का घाटा है। एच0 एव0 ई0 बी0 की तरफ से अखबारो में ब्यान दिया जाता है कि 750 करोड रुपये का घाटा है। अध्यक्ष महोदय, मै आपको बताना चाहता हूं कि हमारी पार्टी के एक सदस्य ने लोकसभा में जब इस बारे में केन्द्र सरकार से एक सवाल पूछा तो उसका उतर केन्द्र सरकार की तरफ से यह आया कि 1225 करोड रुपये का घाटा है। जब हमारी पार्टी की सरकार थी तो इसका घाटा 300 करोड रुपये का था। अध्यक्ष महोदय, इन 26 महीनो में इस बोर्ड का घाटा 1225 करोड रुपये का कैसे हो गया? क्या सरकार इस बारे में बताएगी कि इन्होने कितने नये टयूबवैल लगाएं कितने नये कनैक ान दिये और कितने उपभोक्ताओ को बिजली मिली, कितने उद्योग धन्धो को बिजली मिली? अध्यक्ष महोदय, अभी तक तो उद्योग मंत्री महोदय के दामाद को बिजली के पूरे कनैक ानज भी नही मिल पाए होंगे? आज बिजली कहा चली गयी? अध्यक्ष महोदय, लोग परे ाान है किबिजली कहां चली गयी? जो बिजली के कंट्रक्टर थे वे सरकार का काम करने को तैयार नही है। (घण्टी) अध्यक्ष महोदय, मै हुक्म का पाबन्द हूं। आप जब भी आदे ा देंगे मै बैठ जाउंगा। मुझे विधान सभा के कानून का पता है। मै कह रहा था कि सरकार की इस यह हालत है। इस प्रकार के वातावरण में हम आपसे प्रोटैक ान मांगते है। हरियाणा प्रदे ा आपकी तरफ देख रहा है ि कइस सरकार से कम से कम इस प्रकार के आ वासन तो लिए जाए कि बाढ से जो पीडित लोग है

सरकार उनकी किस हद तक मदद कर पायी है तथा कितनी मदद यह सरकार और कर सकती है? आज जीरी की फसल बर्बाद हो रही है, नरमा कपास की फसल बर्बाद हो रही है, सावनी की फसल बर्बाद हो रही है, मै आपके माध्यम से सरकार से इस हाउस में जानना चाहूंगा कि कब तक बिजली मिलेगी? आज बिना नोटिस के कट लग जाता है। भाहरो में दो घंटे के लिए बिजली का कट लगा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आज आप किसी भी भाहर में जाकर देखें। आप तो कम से कम अपने क्षेत्र मे जाते रहे होंगे और आपको रैस्ट हाउस में भी रुकने का अवसर मिला होगा तो आपको भी इस बात से खास तौर से वास्ता पडा होगा वहां बिजली तो है नही। हम लोग तो आदि हो गए है। किसान तो फिर भी बर्दा त कर लेंगे, मच्छर खांएंगे तो भी बेचारे अपने खेत में पडे रहेंगे। परे ाानी तो उन लोगो को है जो मांगे राम गुप्ता जी के परिवार के लोग है जिन्होने बडे चाव से इस सरकार को बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, उनकी हालत बडी खराब है। एक से तीन घंटे तक बिजली का कट होता है। अध्यक्ष महोदय, हमारे बारे में अगर सरकार कहे तो हम मान सकते है क्योंकि हमने सरकार का विरोध किया लेकिन ए0 सी0 चौधरी और मांगे राम गुप्ता जी ने इस सरकार को बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, संयोग से बिजली का महकमा भी इनके पास है। मै आपके द्वारा आ वासन चाहता हूं कि कही फूड एंड सप्लाई की बजाए, एक्साइज एण्ड टैक्से ान की हालत के जो किस्से छपे थे, वे कही बिजली में न भाुरु हो

जाएं। इनका हाथ तो ऐसा है कि जब भी ये कमलदान में हाथ डालते है, उस कमल दान का सवा सत्याना ा हो जाता है।

श्री अध्यक्षः आपका टाईम खत्म हो गया है, आप कृप्या बैठ जाइएं।

चौधरी बंसी लाल (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनो प्रदे ा में बहुत भारी बारि ा हुई जिसकी वजह से पूरी स्टेट में बाढ आई। इसमें कोइ दो राय नही कि स्टेट के लोगो को बडी तकलीफ उठानी पडी। 40 से ज्यादा आदमी मर गए, कई हजार मकान गिर गए और कई हजार की तादाद में मकान डैमेज हो गए, बीमारियां फैल गई और लोगो को भारी तकलीफ का सामना करना पडा। सबसे ज्यादा अफसोस तो मुझे इस बात का है कि सरकार की तरफ से लोगो को कोई सहायता नही मिली। मै भिवानी जिले में गया था। वहां चरखी दादरी गांव में 8–8 फूट पानी खडा था, परन्तु गांव के लोगो को सरकार की तरफ से कोई सहायता नही दी गई। अडोस–पडोस के गांव वाले अपने ट्रैक्टर टैम्पो और फोर व्हीलर लेकर आए और पानी में से गांव के बच्चो और औरतो को निकाल कर ले गए। दादरी के पास के गावों बिरहीकलां बिहरीखुर्द पांडवान और दिक्कारा में औरते कमर से ऊंचे पानी मे पानी के मटके भरकर ले जा रही थी। कुए और जमीन के पानी का स्तर बराबर हो गया। जिस खेत में थोडा पानी साफ दिखाई दे रहा था वहा ंसे औरते मटको में पानी भरकर ले जा रही थी। सारे इलाके का दौरा करने हम तीन एम0 एल0 ए0

श्री धर्मपाल सिह, प्रो0 छत्तर पाल सिंह चौहान और एक एम0 पी0 चौधरी जगबीर सिंह, चारो आदमी दादरी गए और एस0 डी0 एम0 से मिलने के लिए फोन किया। जवाब मिला की साहब ग त पर है, तो हमने उससे पूछा कि भाहर में है या बाहर है क्योंकि बाहर से तो हम आए थे, उसने कहा मालूम नही? धर्मपाल सिंह जी ने हम सबका नाम बताया और कहा कि हम उनसे मिलना चाहते है दो मिनट के बाद स्टैनो का फोन आया कि साहब आ गए है, उनकी गाडी खराब हो गई थी, ठीक होने गई है दस मिनट में आ जाएंगे। अगले 5 मिनट के बाद फोन आया ओर हमें बुलाया गया, हम मिलने चले गए।

अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकर्शित करना चाहता हूं कि एस0 डी0 एम0 हो या डी0 सी0, ए0 डी0 सी0 या बी0 डी0 ओ0 कोई भी अधिकारी हो, अगर बाढ आ जाए या कोई नेचुरल कैलेमिटी हो और उस वक्त वह लोगो से मिलने से परहेज करता हो तो मै समझता हूं कि यह उसका क्रिमिनल ऐक ान है। हम तो तीन एम0 एल0 ए0 थे, हमको तो वह मिल गए। अगर देहात से कोई पीडित आदमी आ जाए तो उसको मिलना तो चाहिए। वहा ंपर पीने के पानी का इंतजाम करने के लिये हमने एस0 डी0 एम0 से भी कहा और डिस्ट्रिक्ट अथोरिटीज़ से भी कहा कि इसका प्रबन्ध किया जाये। उन्होने प्रबन्ध तो किया मगर दो दिन लेट प्रबन्ध किया। भिवानी भाहर की हालत यह थी कि पूरे भाहर में तो नही, हां आधे से ज्यादा भाहर

पानी में डूबा हुआ था। लोगो के घरो में 4–4 ओर 5–5 फुट पानी खडा हुआ था। उस पानी को निकालने का कोई प्रबन्ध नही था। डिप्टी कमि नर से कहा तो उसने कहा कि मैने ए0 डी0 सी0 की डयूटी लगाई हुई है। ए0 डी0 सी0 से कहा तो वह कहते है कि मैने एस0 डी0 एम0 की डयूटी लगाई है। किसी की भी डयूटी लगाओ मगर लोगो की सहायता तो करो। मुझे बडे अफसोस के साथ कहना पड रहा है कि अफसरो ने वहां के लोगो की किसी किस्म की कोई सहायता नही की। लाला राम भजन तथा प्रो0 छतर सिंह चौहान कैथल भी गये और सिरसा भी गये। वहां पर भी मोर और लैस ऐसी ही हालत मिली। अलबत्ता सरकार के दबाव के कारण यह वहां के लोकल अधिकारी कुछ अच्छे थे कि फतेहाबाद को डूबने नही दिया। यह अच्छी बात है उन्होने कुछ प्रबन्ध किया हुआ था। रतिया के इलाके में बहुत नुक्सान हुआ और इसी तरह से लोगो की तबाही हुई है। वहां के अधिकारी मौके पर जाने के बजाये मकानो के अन्दर घुस कर बैठ गए और बाहर नही निकले। सरकार को उनको सजा देनी चाहिये। डिटेरैंन्ट पनि ोमैंट मिलनी चाहिए ताकि आइन्दा के लिए कोई अधिकारी इस किस्म की गलफत न करे। अध्यक्ष महोदय, मकानो का जो कम्पनसे ान दिया जा रहा है, वह बहुत कम है। 1200 रुपये से क्या होगा। हमारे जिले में तो 1200 रुपया भी किसी को नही मिला। अगर 1200 किसी को देते भी है तो वह एसे आदमी को देते है जिसका पूरे का पूरा मकान गिर गया हो। अगर किसी एक कोठडा भी पूरे मकान में से बच गया तो उसको एक पैसा भी नही

मिला। कम्पनसे ान पूरा मिलना चाहिए। उसके साथ साथ जो आदमी मर गए है, उनको कम्पनसे ान सरकार को पूरा देना चाहिये क्योंकि मरने वालो को तो कोई कसूर नही है। इसकी जिम्मेवारी सरकार के उपर आती ही आती है। एक और बात एसे हुई। भगवान जाने क्या हुआ। एक तरफ बारि ा आई और दूसरी तरफ बाढ आयी। जो फसल किसान ने बो रखी थी, वह तबाह हो गयी, वह तो मारी गयी। उसके बाद कई दिनो तक मौसम खुला नही। अगर कही पर खुल गया और किसी ने कुछ बोया तो वह पैदा नही हुआ। आज हमारे भिवानी जिले में तो हालत यह है कि तुडे का भाव 150 रुपये क्विंटल है। मै सरकार को आपके जरिये समय रहते आगाह करना चाहता हूं कि कहत के आसार है। वैसे तो पूरा कहत पड ही गया है।ज्यादा बारि ा होने के बाद, बाढ आने के बाद पता नही किस किस्म की बारि ा थी कि कुछ भी पैदा नही हुआ। इस वजह से आज प ुाओ के लिए चारा नही है। मवे ाी कुछ तो डूब कर मर गये और कुछ अब मर जायंगे क्योंकि उनके खाने के लिए चारा नही मिलेगा। तो मैने सरकार से इस बारे में मार्च में भी कहा था कि हमारे जिले में पीने के पानी की किल्लम आयेगी। मुख्य मंत्री जी ने और मंत्री ने, सबने यह कहा कि हम पीने के पानी का पूरा प्रबन्ध करेंगे। वहां पर दो दो साल के कइ गावो में पीने का पानी नही पहुंचा है। मै इस सरकार को आज इस चीत के लिए आगाह करना चाहता हूं कि मवे ियो को मरने से बचाने के लिए तूडे का, चारे का और सबसिडी का फौरन प्रबन्ध करे ताकि मवे ाी न मर सके। इसके अलावा बीमारियां भी

फैल गई है। मलेरिया तक की दवाईयां लोगो को नही मिली। हमने अधिकारियो से कहा कि डी0 डी0 टी0 का छिडकाव करो। मगर एक आध जगह कही कर दिया हो तो कर दिया होगा वरना कही पर भी डी0 डी0 टी0 का छिडकाव नही हुआ। लोगो की मिटटी खराब हो हुई। अब की बार खराब पानी की वजह से पेट की बीमारियां फैल रही है। वह इसलिये क्योंकि जो वाटर सप्लाई स्कीमे थी, उनके उपर से पानी फिर गया। खराब पानी, गोबर का यह फर्टीलाईजर का पानी वहां से फिर गया। इस वजह से पीने वाले पानी के फिल्टर सब खराब हो गये। उन सब को सरकार साफ करवाये और ठीक कराये ताकि आईन्दा उन सब की वजह से बीमारी न फैले।

अध्यक्ष महोदय, इस ज्यादा बारि ा से यह नुक्सान भी हुआ है कि ड्रेनेज सिस्टम और सीवरेज सिस्टम हर भाहर में खराब हो गया। सीवरेज का कायदा है कि साल में दो बार साफ होना चाहिये और बारि ा से पहले जरुर साफ होना चाहिये। मगर कई कई सालो से सीवरेज सिस्टम साफ नही कराया गया। सरकार के जो पिछले अफसर थे जिन्होने इसको साफ नही कराया और जिन्होने गफलत की उनको सजा दी जाए। स्पीकर साहब, और सरकार जो यह कहती है कि हमने इस काम पर रुपया खर्च किया वह रुपया खर्च हुआ या किसी की जेब में गया है इसकी इंक्वायरी की जाए ताकि आईन्दा तो ये बाते कम से कम न दुहराई जाए। स्पीकर साहब, छिडकने की दवाएं पूरी भेजी जाए। इस वक्त तो

दवाएं पूरी नही गई है। कही दवाए गई है और कही नही गई। स्पीकर साहब, सरकार के पास कोई खाली कट्टे नही जिनमें मिटटी भर कर बांध बना दे ताकि पानी आगे न जाए। हमारे विधायक श्री राम भजन जी ने सरकार के लिए 1700 कट्टे का इन्तजाम करवा दिया। डिप्टी कमि नर ने यह कहा कि कल भााम तक पैसे मिल जाएंगे लेकिन आज सवेरे तक पैसा नही मिला। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, मै उन लोगो को मुबारकबाद देता हूं कि जिन लोगो ने सरकार की गफलत के बावजूद, स्पीकर साहब, सरकार की गफलत में कमी नही रही (व्यवधान), यह कोई हंसने की बात नही है, स्पीकर साहब, सरकार की तरफ से इतनी गफलत रही और गफलत रही नही बल्कि वह गफलत आज भी है, मुख्य मंत्री जी मै आज भी यह बात कह रहा हूं और यह ठीक भी है। मै गलत बात नही कहता यानि सरकार की गफलत के बावजूद लोगो ने, देहातियो ने, भाहरियो ने आटा, गेहूं और खाने पीने की दूसरी चीजे कपडा आदि जो लोगो में बांटा, स्टेट के उन लोगो को मै मुबारकबाद देता हूं।

स्पीकर साहब, अब मै बिहरी गांव जो दादरी हल्के में है, के बारे में कहना चाहता हूं। वहां हरिजनो के साठसे ज्यादा घर गिर गए। अब तक उनको कोई कम्पनसे ान नही दिया गया। इसी तरह से बिरही खुर्द, पांडवान, मेहडा, धीकाडा, मेहडा और खेडी के जंगल मे आज तक पानी खडा है। इसको निकालने का कोई प्रबन्ध नही है। स्पीकर साहब, पानी निकालने की बहुत

आसान बात है। उस को इंदिरा गांधी कैनाल मे ंडाल दो वह आगे लोहारु से बहल की तरफ चली जाएगी। और वहां रबी की फसल का त करवा देना। एक पंथ दो काज हो जाएंगे। स्पीकर साहब, मंदोला के जंगल में पानी खडा है और जो कुंआ ज्यादा बाढ आने से खत्म हो गए है, नीचे से काट काट कर कुंए की नाल को, पानी उसमें गंदा भर गया है। नए कुएं बनाने के लिए गावो की पंचायतो को सहायता दी जाए। कई जगह ऐसा हुआ है कि ज्यादा उंचा पानी भर गया और उंचा पानी भरने से और ज्यादा दिन तक बारि ा होने की वज़ह से उपर के पानी से जो बिजली लीक हुई उसे कम से कम पचास साठ ट्रांसफार्मर जल गए है जो इस वक्त तक रिप्लेस नही हुए है। उनको रिपलेस करना चाहिए और कूंगड के पास ज्यादा बारि ा होने की वजह से नहर टूट गई। नहर टूटने से कुंगड मैनी जाटान, मैनी ठाकरान और सिवाना में तीन तीन चार चार फूट पानी खडा हो गया और बहुत सी जगहा पर उनमें से आज भी पानी खडा है और बवानीखेडा हल्के अकेले में कम से कम दो सौ पचास घर गिर गए। यहां कूगड में, बवानीखेडा में, रोहनात में और बलियाली में यानी सब जगह घर गिर गए है और लोग मरे भी है। जैसे रोहनात में चौकीदार मुनादी कर रहा था वह दीवार गिरने से मर गया। पुर गांव में वाल्मिकियो का लडका था, वह जा रहा था, रास्ते में दीवार गिर गई और वह मर गया। ऐसे लोगो को जल्दी से जल्दी कम्पनसे ान दिया जाए और अच्छा कम्पनसे ान दिया जाए। स्पीकर साहब, इसी तरह से बडेसरा, सुखपुरा गावों मे आज दो

तीन फूट पानी खडा है। ये गांव भिवानी जिले में है। स्पीकर साहब, फरीदाबाद में बढराम गांव मे खेतो मैं आज तक पानी खडा है। अगर उसको नहर में डाल दो तो वे लोग भी फसल का त कर लेंगे और वह पानी आगे भी किसी काम आ जाएंगा। स्पीकर साहब, आपके जरिए मै सरकार से जानना चाहूंगा कि वह लोगो को कम्पनसे ान क्या देगी, किस भाक्ल में देगी, कितनी ग्रान्ट देगी और कितना कर्जा देगी क्योंकि गरीब आदमी जिनके घर बिल्कुल गिर गए, वे तबाह हो गए है और गरीब तो क्या खाता पीता आदमी भी नया मकान आसानी से नही बना सकता।

स्पीकर साहब, बिजली की हालत यह है कि आती ही नही है। अगर पांच मिनट आती है तो एक घंटा गायब और अगर 10 मिनट आती है तो दो घंटे गायब। मेरे ख्याल में आपकी कांस्टीच्यूऐंसी में भी यही हाल है। इसलिए बिजली का प्रबन्ध व्यापक रुप से होना चाहिए। स्पीकर साहब, परसो चौथे, टी0 वी0 के अनदर हमने सुना कि तीन चार स्टेटस ने एन0 टी0 पी0 को बिजली के पैसे नही दिये है। जिनमें हरियाणा का भी नाम है। अगर ये स्टेटस पैसे नही देगी तो वे इनकी बिजली काट देंगे। अध्यक्ष महोदय, बिजली काटने से तो दे ा को नुकसान होगा, अकेले हरियाणा का नुकसान नही होगा। इसलिये मै सरकार से यह कहूंगा कि वह केन्द्रीय सरकार से इस बारे में बात करे कि ऐसा कोई ड्रसटिक स्टैप एन0 सी0 टी0 पी0 न उठा ले कि बिजली का कनैक्ा ान की काट दिया जाए। अगर बिजली का कनैक्ा ान

कट जाएगा तो क्या हालत हो जाएगी, यह आप समझ सकते है। अव्वल तो पहले ही बिजली नही आती और अगर आती है तो इन हालात मे ंवह भी बन्द हो जाएगी, फिर किसान कहां जांएगे? मै सरकार से जानना चाहता हूं कि सरकार बाढ पीडित लोगो को कब तक सहायता दे देगी? चारे का प्रबन्ध कब तक कर देगी? पीने का पानी का जो नुक्सान हो गया है, बैड खराब हो गये है, सरकार उन को कब तक ठीक कर देगी। अध्यक्ष महोदय, आज सवेरे एक क्वै चन भी आया था कि नहरो की डी–सिलटिंग करनी है। अगर वक्त पर नहरो की डी–सिलटिंग हो जाती तो आज ये हालात पैदा न होते। नेहरा साहब इस वक्त बैठे नही है,कही इधर उधर चले गये होंगे। वे कहते थे कि बारि ा के बाद डी–सिलटिंग करेंगे। बारि ा तो पिछले साल भी हुई थी, उसके बाद ही डी–सिलटिंग कर दी होती तो अब बाढ से इतना नुकसान न होता, नहरे टूटती नही।

अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि कुरुक्षेत्र जिले का कुछ हिस्सा करनाल जिला पूरा और कुछ हिस्सा कैथल का, कुछ हिस्सा हिसार जिले का और कुछ हिस्सा जींद जिले का, पूरा पानीपत जिला, पूरा सोनीपत जिला, रोहतक का पूरा जिला, पूरा महेन्द्रगढ, पूरा भिवानी, व रेवाडी जिला और पूरे गुडगांव और फरीदाबाद जिले, इनमें नहरो का पानी अगर जाता है तो वह भी केवल तीन या चार दिन जाता है। अध्यक्ष महोदय, मै किसी भी किसान की बुराई नही चाहता लेकिन मै यह जरुर चाहता हूं कि

आज बाढ से जो नुक्सान हो गया है, आज ड्रऊट की जो कंडी ान पैदा हो गई है, इसके लिये सरकार को चाहिए कि किसानो के खेतो के लिये सरकार, यह जो इलाके मैने बताए है, इनमे पानी डाईवर्ट करके इन इलाको के किसानो को पानी दे ताकि वे अपनी फसलो को बचा सके और रबी की फसल की का त कर सके, क्योंकि चने की फसल को जब एक बार बो दिया जाता है तो बाद में भगवान अगर दो उंगल बारि ा कर दे तो चना पूरा हो जाता है। इस तरह से सरकार को इस ओर वि ोश ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहे बगैर नही रह सकता कि पूरे हरियाणा के अन्दर बाढ के मामले में सरकार ने गफलत दिखाने में कोई कसर नही छोडी है। पूरी गफलत दिखायी है और जो अधिकारी मौके पर थे, जिनके क्रीमीनल ऐक ांज है, ओमि ांज है, जिन अधिकारियो ने मौके पर जाकर कुछ काम नही किया है, किसी की डयूटी नही लगाई और किसी इलाके को देखने तक नही गए, ऐसे अधिकारियो के खिलाफ सरकार ऐक ान ले। बाढ के बारे में तो मै इतना ही कहना चाहता हूं। ड्राऊट के बारे में, जब दूसरा ओकेईयन आएगा तो मै बोलूंगा। धन्यवाद।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

बिजली मंत्री द्वारा

बिजली मंत्री (श्री ए0 सी0 चौधरी): स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट आफ पर्सनल ऐक्सप्लेने ान। अभी चौटाला साहब ने

बोलते हुए मेरे बारे में एक सरकासटिक रिमार्क पास किया है, वह कह कर कि एक्साईज एंड टेकसे ान की करनाल वाली बात यहां पर दोहराई न जाए (ाोर एवं व्यवधान)मेरे पर उन्होने वाई नेम पर्सनल अटैक किया है, इसलिए मेरी यह जिम्मेवारी बनती है कि मै पर्सनल ऐक्सप्लेने ान दूं ताकि उनकी गलतफहमी दूर हो जाए और लोगो को भी पता लग जाए कि कौन कितने पानी में है? (विघ्न) स्पीकर साहब, अगर मै आज उनकी बात का जवाब नही दूंगा तो फिर कल को तो चीफ मीनिस्टर साहब ने जवाब देना है, मुझे अपनी बात कहने का मौका नही मिलेगा। इसलिये मै आज ही अपना स्पश्टीकरण देना चाहूंगा।

चौधरी बंसी लालः स्पीकर साहब, पर्सनल ऐक्सप्लेने ान होता है Just after the Question Hour and before taking the business of the House.

श्री ए0 सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, उन्होने वाई नेम रिमार्कस कहे है, जिसका उतर तो मुझे देना ही होगा। (ाोर) स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने अपनी बात करते करते एक जिक कर दिया बिजली के बारे में। उसका तो मुख्य मंत्री जी जवाब देंगे ही लेकिन मै भी दे दूंगा। जहां तक इन्होने ऐक्साईज एण्ड टैकसे ान विभाग का जिक करते हुए यहां कहा है कि यहां भी कही करनाल जैसा वाक्या न हो जाए तो उस बारे में मै कहना चाहता हूं कि करनाल में कोई वाक्या नही हुआ। फिर भी जो कुछ अखबारो में निकला, उसको देखते हुए मैने सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग

जज द्वारा इंक्वायरी की मांग करके यह साबित कर दिया कि यह चौटाला टाईप चोरिया नही है। हमारा यहां पर लोगो की सेवा करके सफेद कपडो को बे–दाग रखने का चरित्र है। अगर यह न होता तो जब इनकी सरकार टूटी थी, उसके बाद पहले साल मै मैने स्टेट को दो सौ करोड रुपए का एडी ानल रैवेन्यू दिया। उस समय हमने कोई नया टैक्स नही लगाया, बल्कि टैक्सो में कंसे ान करके वह रैवेन्यू दिया। तो यह इस बात का दयोतक है कि हमने इनकी चोरियां को रोका जिसकी इनको बहुत तकलीफ है। आगे क्या नही इनको कितनी तकलीफे दूंगा यह तो आने वाला वक्त बताएगा।

राज्य मे बाढ की स्थिती से सम्बन्धित नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारु): स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। इस वक्त हम बाढ के उपर बोल रहे है। समस्या ऐसी है कि बाढ भी आ गई और पीने का पानी तक भी नही मिल रहा है। मै बाढ पीडित गावो का जिक्र करुंगी जिनमें मै खुद जा कर आई हूं। वहां पर जो बाढ आई वह मैन मेड है। जजोपा, बादल और सीसवाल में पंजाब के वक्त के बने हुए बांध थे जिनमें होली तक पानी रहता था लेकि व `अब टूट गए और असावरी के मकानो को नुक्सान पहुंचा। उस पानी ने भीरी और चरखी गावो से टक्कर ली। इस बारे में भाई बंसी लाल जी भी बता चुके है। उस पानी का पम्प आउट करके

लोहारु और महेन्द्रगढ की तरफ भेजा जा सकता था लेकिन वह पानी आज भी वहां पर खडा है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) एक बात मै हमे ाा कहती आई हू कि वहां पर जो लिफ्ट इरीगे ान थी वह खराब है और उसकी वजह से वहां पानी खडा रहता है। उस पानी को आगे नही भेजते। आज सारी नहरे अटी पडी है और उन नहरो की आजतक गाद निकालने की कोि ा ा नही की गई। उनमें से पिछले दस साल से गाद नही निकाली गई जिस वजस से आज वहां पर बाढ की स्थिती हो गई। उसके बाद उससे भी बुरी सुखे की हालत हो गई। पता नही पानी और सूखे का किस तरह से मेल हो गया। हमारे यहां कहते है किजब दक्षिण और पि चत की हवा चलती है तो उससे सारा सूख जाता है। आज किसी भी खेत में दाती चलने की बात नही है। पहले तो कुछ बाढ ने खत्म कर दिया और अब पानी नही रहा है। क्योंकि बिजली नही है। हमारे यहां ढिगावा गांव का एक महीने से ट्रांसफार्मर जला हुआ है। हमारे भाई ए0 सी0 चौधरी वहां पर गए और उस समय इन्होने मुझे कहा कि बहन जी यह ट्रांसफार्मर एकया दो दिन में ठीक कर दिया जाएगा। आज उस बात को एक महीने से ज्यादा हो गया है वह ट्रांसफार्मर आज तक ठीक नही हुआ है। मैने इस बारे मे मुख्य मंत्री जी को टैलीग्राम दिया लेकिन मेरे पासउन टैलीग्रामो का कही से भी कोई जवाब नही आया। मै लोहारु हल्के के 35 गावों में गई और सतनाली के 22 गावो ंमे गई। सभी गावो में लोगो ने एक ही बात कही कि बहन जी पीने का पानी नही है क्योंकि बिजली नही है, बिजली के बगैर टयूबवैल

नही चलते। एक अटेला गांव है। अटेला गांव की वाटर सप्लाई स्करीम से 10 गावो का पीने का पानी जाता है। उसका एक कुंआ काम कर रहा है। बाकी के कुए काम नही कर रहे। इस बार इतना बुरा अकाल पडेगा कि लोग 56 के आकल को भुल जाएंगे। मै हर बात की चिटठीं लिख कर भेजती हूं लेकिन मेरे पास उसका जवाब नही आता है। टैलीग्राम देती हूं लेकिन उसका कोई जवाब नही आता है। बादल मेहडा पिचोपा अठारवी ओर गढी माजरी दादरी तहसील के गांव है इन गावों में बाढ का पानी खडा है। चरखी की हालत बहुत खराब है। आज वहां पर सुखा पडा है और बाढ भी है। ढिगावा का ट्रांसफार्मर एक महीने से पहले का खराब पडा है। उसको ठीक नही किया जा रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै जितनी जगहो पर गई हूं उन सभी जगहो पर लोगो ने एक ही बात की कि बहन जी पीने का पानी दें। कुओ का बहुत बुरा हाल है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै तो कहती हूं कि पीने के पानी के बारे में यदि लगातार अगले तीन दिन भी हाउस में डिस्क ान हो जाए तो वह भी थोडी है। मै मुख्य मंत्री जी से कहना चाहती हूं कि आप हफते मे दो दिन दिल्ली रहते है। आप थोडा टाईम हरियाणा को भी दें। आपने हमरे एम0 पी0 तो खरीद लिए आप हरियाणा के लोगो को भी टाईम दे आज खुद जाकर देखे कि हरियाणा के लोगो की क्या हालत है। आप खुद आ कर देखे हम आपको हरियाणा के लोगो की हालत दिखाएंगे। जो 20–20 हजार रुपये की भैंसे थी आज उनको 10–10 हजार रुपए में कोई नही पूछता क्योंकि भैंसो के लिये चारा नही है। आप दिल्ली हफते में दो दिन

जाते है। आप हरियाणा में भी दो दिन जाएं और लोगो की हालत देखें। आप हरियाणा की वजह से चीफ मिनिस्टर है। दिल्ली के आकाओ की वजह से भी होंगे। दिल्ली के आका भी आप पर ही निर्भर है। आप हरियाणा के लोगो की तरफ भी ध्यान दें। आज हरियाणा प्रदे ा में प्र ाासन नाम की कोई चीज नही है। लोगो का किसी भी तरह का काम नही किया जाता है। आज आप खुद देख लें कि क्या हरियाणा में प्र ाासन नाम की कोई चीज है? कोई फाईल नही चलती है। पब्लिक के काम नही होते। प्रदे ा की सडके बाढ के कारण टूट गई है। हमारे यहां कहते है कि बाढडा और लोहारु के पास रेत बह कर आ गया। उस रेत से कही कही पर तो ठीक हो गया क्योंकि यदि वहां पर वह रेत बह कर नही आता तो वह जगह लोगो को ठीक करनी पडती। टिब्बे के टिब्बे बह कर आ गए। अहसास का टिब्बा बाढ के कारण बह कर आ गया उससे वहां पर जो चौक था वह भर गया और वह जगह ठीक हो गई। स्पीकर साहब, बाढ के कारण सडके टूटी हुई हैं। बाढ मैन मेड ज्यादा थी। हमारे यहां दो बांध थे अगर वे न टूटते तो चरखी नही डूबती बिरही गांव में पानी नही खडा होता। बिरही गांव से पानी निकालने के लियेएक भी पम्प नही दिया। चरखी को दो पम्प दे दिये चरखी को जो दो पम्प दिए वह बहुत देर के बाद दिए। बादल गांव का एक मित्रु मित्रु नाम का आदमी हैं। उसके टयूबवैल में दो मोटरे लगी हुई थी। बाढ के कारण यह पता नही लगा कि वे दोनो मोटरे कहा पर चली गई। आज डेढ लाख रुपये में टयूबवैल लगता है लेकिन उसको केवल 1200 रुपए

कम्पनसे ान दिया गया है। आप खुद लोगो की हालत देखकर आओ। चाहड गांव में 8 रुपए के हिसाब से पानी का मटका बिका है। बिजली की हालत यह है कि यदि बिजली आती भी है तो केवल पांच मिनट के लिए आती है। पांच मिनट के बाद चली जाएगी और फिर नही आएगी। अभी 25 तारीख को मै लोहारु गई थी। उस दिन वहां पर चार बजे बिजली चली गई और फिर आई ही नही। यदि बिजली आएगी भी तो बहुत डिम आएगी। डिम लाईट में तो बच्चे पढ ही नही सकते। बहुत बुरा हाल है। प्र ाासन पता नही क्या करता है? लोगो की दिक्कतो को कोई दूर नही करता। बाढ और सुखा दोनो आपदाओ का एक साथ होना एक अजीब सी बात है। कही बाढ आई है तो कही सूखा पडा। सिर्फ कैथल का ही नही सारे हरियाणा का बुरा हाल हुआ है। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे से पहले औम प्रका ा जी ने तथा भाई बंसी लाल जी ने भी कहा कि कम से कम इनको जा कर देखना चाहिए कि कहां पर लोगो का क्या हाल है? आज बाढ की वजह से सब रास्ते कट गए है। सडके टूटी हुई है, उन पर चलने से किस का नुकसान होता है? सरकारी गाडियां भी उन पर चलती है, जीपे चलती है, बसे चलती है, जिससे सरकार को नुकसान हो रहा है। इन सारी दिक्कतो को दूर करने के लिए सरकार ने कुछ नही किया है। डिप्टी स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी को चाहिए कि कम से कम इंस्ट्रक ान जारी करे कि जिन लोगो का नुकसान हुआ है, उनको राहत पहुंचाए। इनको चारे का इंतजाम करना चाहिए, बिजली का इन्तजाम करना चाहिए ओर पानी का इंतजाम

करना चाहिए। अगर बिजली का इंतजाम नही होगा तो पीने के पानी का और सिंचाई के पानी का बिल्कुल इंतजाम नही होगा। डिप्टी स्पीकर साहब, ये सारी चीजें बाढ की वजह से हुई है और यह सारे राहत के काम इनको करते चाहिये। मेरी तो सरकार से यही दरख्वास्त है कि अधिक से अधिक राहत लोगो को दी जाए। उपाध्यक्ष महोदय, आप ने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थन ग्रहण करती हूं।

चौधरी सतबीर सिंह कादयान (नौथला): डिप्टी स्पीकर साहब, जुलाइ के महीने में हरियाणा प्रदे ा में बहुत ज्यादा बारि ा हुई। बारि ा तो हर साल होती ही है। बारि ा को भी कंट्रोल नही किया जा सकता परन्तु जो बजट का पैसा है या जो केन्द्र सरकार से धनरा ि ा प्राप्त होती है, वह सही तरीके से उस काम पर खर्च की जानी चाहिये जिसके लिये उसका प्रावधान किया गया है। डिप्टी स्पीकर साहब, बडे दुर्भाग्य की बात है कि पिछले 2 साल से मौजूदा सरकार ने केन्द्र सरकार से प्राकृतिक प्रकोप से राहत देने के लिये जो पैसा मिला है उसमें से एक भी पैसा ड्रेनो की सफाई के लिए खर्च नही किया है, बल्कि नकली और फर्जी बिल बनाकर छोटे मोटे ठेकेदारो के तहत सारा पैसा ये हडप कर गए। कोई पैसा इनहोने खर्च नही किया। ड्रेनो के अन्दर बडे बडे झाड और मिट्टी से कटाव पड गए। बरसात से पहले जो प्रिवैंटिव मैथडज लेते है, जो सावधानी सरकार को बरतनी चाहिए, वह नही बरती गई। यह सम्भावित होता है कि जून जुलाई अगस्त और

सितम्बर महीनो में बारि ा होगी परन्तु मौजुदा सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान नही दिया और जब सरकार ने ध्यान नही दिया तो स्वाभाविक तौर पर जो ड्रेने थी वे अट गई, उसमे जब पानी का फ्लो नही होगा तो उसके किनारे टूट जाएंगे। नहरो के किनारे टूटने से जान माल और फसलो का नुकसान हुआ। 50 के करीब जाने फ्लड की वजह से गई और अनेको बीमारियां भी फैली। मौजूदा सरकार ने पिछले 2 साल से किसी भी गांव में डी0 डी0 टी0 का छिडकाव नही किया जबकि पहले ये छिडकाव हर साल होते थे। रिंग बांध की स्कीम चौधरी देवी लाल ने गावो को बाढ से बचाने के लिए भाुरु की थी। उन्होने 1978 में रिंग बांध बाधें थे परन्तु उन बांधो की मुरम्मत नही की गई और उनकी तरफ कोई ध्यान नही दिया गया। एस0 वाई0 एल0 टूटने की वजह से पंजाब से जो पानी आया, उससे सिरसा और हिसार जिलो में पानी से तबाही हुई। इस तबाही का ि ाकार मै समझता हूं कि हमारे प्रदे ा के सिंचाई मंत्री श्री जगदी ा नेहरा साहब भी हुए। इन्हे भी बरसात का गन्दा पानी पीने को मिला भाायद इसलिये ये बीमार भी हो गये। मे समझता हूं कि ये भी बीमारी का ि ाकार इसी बाढ के प्रभाव से गंछा पानी पीने से हुए। जो सरकार अपने मंत्रियो का ध्यान नही रख सकती वह आम प्रजा का ध्यान कैसे रखेगी। कैथल में ड्रेन टूटने की वजह से कितनी भारी तबाही हुई हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओ ने निश्ठा से काम करते हुए चौटाला साहब के निर्दे ा से गांव गांव में कैम्प लगाए, लोगो को फ्री दवाईयां दी, डाक्टरो ने मदद दी, परन्तु हरियाणा सरकार की

तरफ से कोई राहत नही दी गई। डिप्टी स्पीकर साहब, आज किसानो के टयूबवैल तबाह और नश्ट हो गए है, उनकी मोटरे खड्डो में 20–20, 30–30 फूट नीचे दब गई हैं। मोटरे जल गई है, परन्तु इस मौजुदा सरकार को इसका कोई दुख नही है। एक समस्या और पैदा हो गई है कि पहले फ्लड की स्थिती थी लेकिन अब नहरो में पानी नही है। इतनी अपार बारि ा होने पर पानी कहां गया। पहले जुलाई और अगस्त और सितम्बर के महीनो में नहरे कभी भी एक दिन के लिए बन्द नही होती थी लेकिन आज नहरो में ओसरे लगे हुए है, किसी भी गांव में टेल पर पानी नही पहुंचता। डिप्टी स्पीकर साहब, सिरसा का ऐरोड्रम जनमग्न हो गया, पानीपत के थर्मल प्लांट मे ंपानी भर गया क्योंकि वहां पर भी नहरो की सफाई नही हुई। पहले ड्रेनेज महकमे को समय पर पैसा दे दिया जाता था ताकि वे समय पर सफाई करवा ले, परन्तु आज सफाई न होने की वजह से सुखडाना, आसन, कालखों मुंडारी, कांसापुर कितने ही गांव ऐसे है, जिनमे पानी भर गया। सरकार की तरफ से कोई अधिकारी और कोई मिनिस्टर उनको सहायता देने के लिए पूछने नही गया। सारी सडके टूट गई, सारे रास्ते बन्द हो गए। उपाध्यक्ष महोदय, लोगो ने दो तीन बार अपनी जीरी की फसल लगाई लेकिन सरकार ने किसी को मुआवजा नही दिया और न ही इनके यह पता है कि कितने एकड में किसी गांव में नुक्सान हुआ है। अभी तक मै समझता हूं यह सरकार आंकडे तैयार करने लगी है। उपाध्यक्ष महोदय, जब किसी गरीब का मकान गिर जाता है और उसके पास रहने के लिए कोई जगह न रह

जाए तो उसको राहत दी जाए। राहत का मतलब होता है कि जितना नुक्सान होता है उसकी भरपाई के लिये सरकार की तरफ से अनुदान दिया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, 1988 में जब बाढ आई थी तो पांच हजार की मदद दी गई थी। उसके बाद आजतक रुपये का कितना डीवैल्ये ान हुआ, रुपए की कितनी कीमत गिरी है यह सभी को पता है। उसके हिसाब से आज वह रा ि ा 18–20 हजार रुपए होनी चाहिए। जब बजट मे ंबढौतरी की जाती है तो इसमें क्यो नही की जाती है। उपाध्यक्ष महोदय, फ्लड के दौरान जो गेहूं का भण्डार था, कुछ तो पानी मे बह गया और काफी नुकसान हो गया कुछ जगह नही हुआ है। जहां पर नुकसान नही हुआ है वहां पर फर्जी नुकसान दिखाया गया है। यह सब मिलीभगत से ही दिखाया गया है। रिपोर्ट भी इस तरीके से तैयार की गई है कि यह नुकसान हो गया है। उपाध्यक्ष महोदय, आंकडे तैयार है, 12 करोड एक बार और 13 करोड दूसरी बार दिखाया गया। केन्द्र की तरफ से जो 45 करोड रुपए मिले थे, उस रा ि ा में से किसी को राहत के तौर पर एक पैसा भी नही दिया गया। मै तो यह कहता हूं कि ये इस पैसे को बाढ से पीडित लोगो को राहत देने के लिये नही बल्कि गलत तरीके से, दूसरे तरीके से प्रयोग करना चाहते है। तूडी सरकार ने130 रुपए क्विंटल खरीदी है, पानीपत में 70–75 रुपए में मिल सकती है। लेकिन आज किसान वह सबसिडी होने के बाद 40 रुपये में मिल सकती है। लेकिन आज सरकार वह 165 रुपये में खरीदने को मजबूर है। सरकार इस तरफ पूरा ध्यान न देकर उनकी मदद नही कर रही

है। बाढ राहत के लिये बजट के अन्दर हरियाणा सरकार ने कितना पैसा रखा है? क्या बारि ा से पहले गुप्ता जी ने पैसा कही पर रिलीज किया है या सांप बनकर उस पर बैठे रहे। (विघ्न) वह तो आप मेरे से ज्यादा जानते है। बिजली का प्रदे ा में जो हाल है वह सब जानते है। चौधरी देवी लाल जी की सरकार में 20 से 24 घंटे बिजली मिलती थी लेकिन मौजूदा सरकार ने नारा दिया कि हम 25 घंटे बिजली देंगे इसका मतलब यह हुआ कि ये 24 घंटे नही देंगे सिर्फ एक घंटा देंगे। गांव और भाहरो में भी आज डिस्पैरीटी है। पानीपत भाहर में हम देखते है कि 20–22 घंटे बिजली देते है क्योंकि उनको खु ा करना है। परन्तु हमारे जो नौलथा असंध और समालखा के इलाके है, उनके टयूबवै पर 3 घंटे भी बिजली नही आती। उपाध्यक्ष महोदय, पानीपत थर्मल प्लांट के अंदर एक 132 के0 वी0 का सब–स्टे ान लगना था और 8–8–93 को इन्सटाल होना था। मुख्य मंत्री जी अपनी ताकत का इस्तेमाल करके उसको 7–8–93 को ही कही ंऔर ले गए। उपाध्यक्ष महोदय, एक ट्रांसफार्मर को री–चार्ज करने के लिए कम से कम 40 दिन की जरुरत होती है। नौथला मे सब–स्टे ान एक्सटैं ान के लिये मंजूर है परन्तु उसको नही दिया गया है। एक एक सब–डिवीजन के अन्दर साठ सौ और नौसौ के बीच में ट्रांसफार्मर जले है। ट्रांसफार्मर के लिये पैसे लिए जाते है, अधिकारी लोगो की ि ाकायते नही सुनते और आज बिजली की हालत यह हो गई है कि वोल्टेज बहुत ही डिम आती है। हमारी मोटरे सड जाती है। वे किसानो पर छापे मारते है। इन्होने

प्रदे ाो में किसी भी उद्योग पर आज तक छापा नही मारा। मुख्य मंत्री जी घोशणा करते है कि प्रदे ा में उद्योगो पर बिजली का कट लगाया गया है परन्तु उद्योगो मे कट के बावजूद भी किसानो की एक मिनट भी ज्यादा बिजली नही हुई है। या तो मुख्य मंत्री जीग लत बोलते ळै या इनकी घोशणाएं गलत है या फिर इस सरकार की सारी नीतियो गलत है। आज प्रदे ा की हालत बुरी है। पहले लोग बाढ से परे ाान हुए और आज लोग सूखे की चपेट में है। डिप्टी स्पीकर साहब, जिस तरह से आज बाढ से मरने वालो को श्रद्धांजलि दी गयी है कही ऐसा न हो कि आने वाले दिनो में या अगले सै ान में भूख से तडपकर मरने वाले लोगो को हमें मजबूर होकर ही श्रद्धांजिल न देनी पडे। हरियाण प्रदे ा का कोई भी मंत्री या अफसर गांव के लोगो के कश्टो को दूर करने के लिये गांव मे नही पहुंचा है। वे केवल रैस्ट हाउस में ही बैठकर कागजी कार्यवाही करते है जबकि इस कागजी कार्यवाही से कोई लाभ नही है। (व्यवधान)अगर आप अपने जिले में जाकर कह दे कि वहा ंपर बिजली पूरी मिल रही है तो हम मान लेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, लोग इनके किसी मंत्री को भी गांव में घुसने नही देंगे। लोग असहाय है, लेकिन मरता क्या न करता वाली कहावत कही पूरी न हो जाए। अगर ऐसा हो गया तो आपको लेने के देने पडेगे। उपाध्यक्ष महोदय, इस तरह से प्रदे ा की अर्थव्यवस्था को घाटा होगा क्योंकि अगर किसान अन्न पैदा नही करेगा तो वह सरकार को टेक्स किस प्रकार देगा और अगर वह टैक्स नही देगा तो सरकार कैसे चलेगी? मार्किटिंग बोर्ड का जो

पैसा किसानो की भलाई के लिए लगना था वह आज भाहरो को सुन्दर बनाने में लगाया जा रहा है। आज सडको की बूरी हालत है। हल्को के साथ भेदभाव किया जा रहा है। आज यह देखा जाता है कि कौन सा हल्का कांग्रेस विधायक का है और कोन सा हल्का विपक्षी विधायक का। आज प्रदे ा की इस सरकार ने दयनीय स्थिती कर दी है। उपाध्यक्ष महोदय, मै तो यह कहता हूं कि इस सरकार ने मौरल ग्राउंड पर रिजाईन करना चाहिए ताकि लोगो की भलाई हो सके।

श्री धीरपाल सिंह (बादली): डिप्टी स्पीकर साहब, आज सदन में बाढ लीला से जो भयंकर नुक्सान हुआ था, उस पर चर्चा हो रही है। जुलाई माह में पूरे प्रदे ा में भयंकर बाढ आयी और 15 जिलो मे से 13 जिले बाढ से प्रभावित हुए। ये जिले न केवल प्रभावित हुए बल्कि वहां पर जान और माल का भी काफी नुकसान हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, जिस इलाके में, जिस गांव में, जिस भाहर में सात–2 फूट पानी खडा हो या सात सात फूट पानी वहां से गुजरे तो आप खुद कल्पना कर सकते है कि उसमें क्या बचता है। मै आपको बताना चाहता हूं कि जाखल मंडी में सात फूट पानी आया। हमारी पार्टी के दो विधायको श्री जिले सिंह और श्री बलवन्त सिंह ने वहां पर 24 तारीख को देखा वहां पर बहुत बुरा हाल था और लोग कम से कम 200 ट्रैक्टरो की सहायता से लोगो की मदद कर रहे थे। कोई उनको पानी से निकाल रहा था और कोई उनकी किसी दूसरी तरह से मदद कर रहा था। लेकिन

प्र ाासन ने कही नही देखा कि क्या हो रहा है। केवल वहां पर एक बाबा आदम के जमाने का पम्प लगा हुआ था जो कि पानी निकाल रहा था। उस पम्प की कपैसिटी भी बहुत कम थी। लोगो ने वहां बताया कि केवल एक बात तहसीलदार साहब यहां आए थे और वह भी नहर पर से ही वापस भाग गये क्या आप भी उनकी तरह वापस जाएंगे? हम बडी मु कल से ट्रैक्टर पर बैठकर गांव के अन्दर गएं गांव में केवल उंचे इलाके के 100 घर ही बाकी बचे हुए थे, जहां पर पानी नही गया था और बाकी कोई धर ऐसा नही था जहां पर मलेरिया से बुखार से या अन्य किसी बीमारी से वे लोग पीडित न हो। हम वहां पर गए और हमने वहां पर देखा गर्दन के नीचे तक पानी था और बहने पानी लेकर आ रही थी। उन्होने कमैंट भी किया कि ये लेाग कुर्ता पायजामा पहन कर आ गए है, इनको क्या पता कि हम कितने दुखी है, कोई स्वासथय विभाग का कर्मचारी वहां नही आया। मै डी0 सी0 भिवानी से मिला। भिवानी का सारा हाउसिंग बोर्ड पानी से धिरा था। जब मैने एक अधिकारी से इसके बारे में कहा तो डिप्टी स्पीकर साहब, उसने जवाब दिया कि अगर कोई कुंए में जाकर मकान बनाए तो हम क्या करे? इससे ज्यादा दुख की बात और क्या हो सकती है? डी0 सी0 और ए0 डी0 सी0 को तो व्यवस्था करनी चाहिए थी। हाउसिंग बोर्ड तो प्लने जगह में बना हुआ है, उसके साथ दूसरी बस्तियां जहां पानी आ गया था .....(विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः धीरपाल जी, डायरैक्ट न बोलिए।

श्री धीरपाल सिंहः डी0 सी0 भिवानी ने कहा कि रात को पम्प आ जाएंगे। रात को ही हम बिरही गए वह सारा गांव पानी से घिरा हुआ था। लोगो ने गांव खाली कर दिए थे। हम सिरसा गए, सिरसा में लोगो ने बताया कि पूरा सिरसा पानी में डूबा हुआ है और अरोडा साहब चन्द्रमोहन की जीत की खु ाी में लड्डू बांट रहे है। लोगो ने यह बात रोते हुए बताई थी।

श्री उपाध्यक्षः डिस्क ान का विशय फलड है, लछमण दास अरोडा नही है। Please confince your speech to the subject under discussin.

श्री धीरपाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, जानबूझकर सिरसा को डुबोया गया। भाग्य से वहां सेना आ गई, अगर सेना न आती तो फतेहाबाद का कम साफ हो गया होता। कैथल, अम्बाला और हिसार के कुछ इलाक पानी में डूबे हुए थे। हमारे रोहतक के गावों में पानी आया। मेरे बादली इलाके के 5–6 गावों में पानी आया। लोगो ने डी0 सी0 को कहा कि कम से कम स्पे ाल गिरदावरी होनी चाहिए, जिन लोगो का नुक्सान हुआ है, उनको सहायता मिलनी चाहिये। लेकिन उन्होने एक नाली काटकर दूसरी नाली में पानी भेज दिया लोगो की अरहर और बाजरा की खेती बर्बाद हो गई। लेकिन अब जीरी की खेती लगानी चाही तो जीरी की खेती सूखे की वजह से बर्बाद हो रही है। सरकार 1200 रुपये में मकान बनाने की बात कह रही है, मै नाम देता हूं मुडा खेडा गाव में एक मकान गिर गया। गांव के सरपंच ने एक कर्मचारी को

वहां भेजा। मकान का एक हिस्सा गिरा हुआ था। उस कर्मचारी ने कहा कि इस मकान की कडियां अपनी मर्जी से उतारी हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, कच्ची झोपडी हो या मकान हो, जहां तक मेरी जानकारी है, जो उसमें रहता है अपने मकान को आप नही गिरा सकता। महंगाई के इस युग में एक ईंट लगाना दूभर हो जाता है। 1200 रुपये के लिए कोई मकान गिराएगा?

प्रो0 सम्पत सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा कहना यह है कि मुख्य मंत्री जी या रैवेन्यू मिनिस्टर हमारी बातो को नोट करें। इनकी हालत तो यह है कि दोनो आपस में बैठकर गप्पे मार रहे है। रैवेन्यू मिनिस्टर के पास बैठे दूसरे लोग गप्पे मार रहे है। Sir, they are not taking it seriously. This is the situation. (Interruption) Sir, this is a very serious matter. (Interruptions).

Mr. Deputy Speaker: Please take your seat. Sampat Singj Ji, they are sitting on the treasury benches. They are also taking notes of the discussion.

Prof. Sampat Singh: This is directly related to Revenue Minister and the Revenue Minister is also there but he is gossiping. (Interruptions).

Mr. Deputy Speaker: Please have your seat. No interruptions please.

श्री धीरपाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से सरकार से कह रहा था कि सैंकडो डीप टयूबवैलज

पानी आने की वजह से बैठगए है। एक किसान एक एक टयूबवैल लगाने पर एक एक लाख रुपया लगाता है। यह जो 1200 रुपये का कम्पनसे ान दिया जा रहा है, यह बहुत ही कम है, आज सरकार नाम की कोई चीज नही है। इस बाढ की लीला के बारे में मुख्यमंत्री जी द्वारा किए गये सर्वेक्षण के बारे में ट्रिब्यून में 'ताऊ बोल्या' में एक भाब्द आया था कि हवाई निरीक्षण करने के बाद कोई पैसा बचेगा तो बाढ राहत पर खर्च करेंगे। यह ताऊ बोल्या ने ट्रिब्यून अखबार में लिखा था। हमारे मुख्य मंत्री जी कितने मेहरबान है। हवाई सर्वेक्षण ही करते है। जनता में जाने की हिम्मत नही है क्योंकि अपने राजकुमार को ही जगह जगह पर ले जाकर इस तरह से प्रस्तुत किया जा रहा है ताकि वह कामयाब हो सके। इनके पास केवल एक ही काम है। बाढ से निपटने के लिये सरकार का जो दायित्व होता है, वह सरकार नही निभाती। सरकार की इस कोताही की वजह से ओर गैरजिम्मेवारी की वजह से प्रदे ा में करोडो का नुकसान हुआ। 40 आदमियो की मौत हुई। हजारो प ा मारे गए। हजारो प ा बीमार हो गये। इसी वजह से अब हमें भंयकर सूखे का सामना करना पड रहा है। रोहतक, भिवानी, नारनौल जैसी जगहो पर सूखे की हालत पैदा हो रही है। वहा ंपर बिजली नाम की कोई चीज नही है। 18 तारीख रात के 12 बजे कट हो गया। रोहतक के आस पास के लोग इकट्ठे हो गये। उन लोगो के इधर से उधर घुमाना भाुरु कर दिया आखिर में वहां पर हालात यह हो गयी कि हजारो आदमियो ने एस0 ई0 को रोहतक में पीट डाला। मुख्य मंत्री महोदय, बिजली देना तो

सरकार का काम है। ऐसा बिजली का बंटवारा होना चाहिये कि उसमें कोई भेदभाव न हो। इसकी जिम्मेवारी तो सरकार की है लेकिन पिटाई एस0 ई0 की या एक्स0 ई0 एन0 की जो तो वह तो भाग जाएंगे। हमारे साथी ने चर्चा की। हमारे यहां पर ट्रांसफार्मर जले हुए है। वहां पर एक्स0 ई0 एन0 यह एस0 ई0 यह कह रहा है कि अगर 2000 यह 3000 रुपया दोगे तो यह ट्रांसफार्मर चेंज हो जायेगा। आखिर यह पैसा कौन से खोते में जाएगा या किस हैड में जा रहा है। क्या यह सरकार की जिम्मेवारी नही है कि वह ट्रांसफार्मर बदले? बाढ के बाद पूरी बिजली देनी चाहिये थी लेकिन यह सरकार नही दे रही है। 1987 में हमारी सरकार थी। चौधरी देवी लाल से उस वक्त भगवान भी नाराज हो गया था क्योंकि बारि ा नही हुई थी। अब बारि ा तो हो गयी है। उस वक्त हमने जबकि एक बूंद भी बारि ा नही हुई थी, लोगो को पूरी बिजली दी थी। चौधरी देवी लाल ने लोगो को 24 घंटे बिजली मुहैया करवाई थी। उस समय लोगो का यह अहसास हो गया था कि सूखा नाम की कोई चीज हरियाणा में नही है। अब जबकि प्रदे ा में सूखा भी नही है क्योंकि बारि ा हो चुकी है तब भी लोगो को एक तरफ तो बिजली सप्लाई नही की जा रही है दूसरी तरफ कारखानो की पूरी बिजी दी जा रही है। मै यह कहना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी के कारखाने पर कट की कोई बात ही नही है। कंधे मटकाते हुए यह कह देंगे कि कारखानो में या फैक्टरीज में कोई कट नही है। ऐसी हमारे पास जानकारी है कि कट केवल कृशि क्षेत्र में है। इसकी इंक्वायरी कराई जाए।

उपाध्यक्ष महोदय, इनके दामाद और इनकी फैक्टरी में कोई कट नही है। हांडी में दो पेट होनी वाली बात ठीक नही है। इसलिये हम चाहते है कि समय रहते हुए सरकार सचेत हो जाए ओर लोगो की जो दिक्कतें है उनको दूर करते हुए अपना दायित्व निभाए। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 राम प्रका ा (थानेसर): उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे जुलाई मास मे बाढ की वजह से जो गम्भीर स्थिती पैदा हुई उस पर यह सदन काफी चिन्ता प्रकट कर रहा है। मैने ध्यानाकर्शण प्रस्ताव के माध्यम से इस सदन में कुछ जानकारी प्राप्त करनी चाही ाी कि जो विना ा जुलाई के महीने में हुआ उसके लिये हम क्या कर रहे है, क्या पग उठाए जाने चाहिए और भविश्य के लिये क्या सावधानियां बरती जाएं,इस बात की चर्चा नितान्त आव यक है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) मै अध्यक्ष महोदय, महोदय के माध्यम से सिंचाई मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि कुल विना ा का जायजा जो सरकार ने लिया है वह कितना लिया है। कितने लोग मरे है, कितने प ाुओ की हानि हुई है। कितन घर गिरे हैं, कितने लोग हे जो उजड गए है, कितनी फसल का नुक्सान हुआ है और चारे का जो नुक्सान हुआ है उसकी क्या व्यवस्था की गई है। इन सारी बातो का जायजा सरकार ने अव य ले लिया होगा। पूरे आंकडे सरकार के पास होगें क्योकि राहत कार्य इसी आधार पर आरम्भ किया गया होगा...

.....

श्री पीर चन्दः स्पीकर साहब, हमारे साठ गांव बर्बाद हो गए है। हमें तो अपनी बात कहने का मौका मिलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः चौधरी पीन चन्द जी, आपका काल अटैन ान मो ान है। You will also be allowed to speak on this motion. Now you please take your seat. (Interruptions).

डा0 राम प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, एक गरीब आदमी जो दिन रात मेहनत करके अपने परिवार को पालता है इतनी बडी तबाही के बाद अपना गुजारा चला सकेगा, यह बडा मु कल है। इसलिये मै जानना चाहता हूं जो नुक्सान हुआ है उसके आधार पर सरकार ने कितनी मदद देनी तय की है ओर उसमें से कितनी रा ा बांटी जा चुकी है और कितनी रा ा कब तक बांट दी जाएंगी। इसके साथ ही मै यह भी जानना चाहूंगा कि डिसिलटिंग के लिये पिछले साल का जो बजट था उस पहले साल के बजट प्रोवीजन के खिलाफ कितना अमाउन्ट खर्च किया गया। इस बरसात के बाद जो खर्च करना था वह तो खर्च किया जाएगा लेकिन मै तो जानना चाहता हूं कि पिछले साल की जो बरसात थी उसके बाद कितना पैसा डिसिलटिंग पर खर्च किया गया। अध्यक्ष महोदय, साईफन के अन्दर मैने देखा कि बहुत ज्यादा कुडा भरा हुआ था ओर एक प ा भी उसके अन्दर फंसा हुआ था। अध्यक्ष महोदय, थानेसर में भाांतिनगर और रामनगर जैसी बस्तियां है। अगर ये अनअथोराइजड बस्तियां है तो अथोराइजड करने के लिए भीघ्र पग उठाए जाएं। क्योंकि उनको अथोराईजड करने के

लिये कोई पग नही उठाए गए है इसलिए उन बस्तियो में पानी के निकास की कोई व्यवस्था नही है। अगर बाढ आ जाए तो स्थिती इतनी गम्भीर हो जाती है कि उसके बाद किसी किस्त की कोई राहत नही पहुंचाई जा सकती। अध्यक्ष महोदय, सारा अम्बाला यमुनानगर, करनाल और कुरुक्षेत्र का जो इलाका है इसके लिए दादुपुर लाडवा नलवी नहर के द्वारा इस इलाके की पानी की जरुरत को पूरा किया जाए तो समस्या हल हो सकती है। इस कार्य को प्रायरिटी दी जानी चाहिए। ऐसा नही सोचना चाहिए कि जब एस0 वाई0 एन0 आएगी तो इसका काम आरम्भ किया जाएगा। ऐसी संकट की घडी में अगर किसी किस्त की दिक्कत होती है तो उनको दूर किया जा सकता है। मै यह समझता हूं कि उस इलाके का किसान जो बहुत बेताबी से इस बात का इन्तजार कर रहा है कि नलवी दादूपुर–लाडवा वगैरह नहरो का निर्माण किया जाएगा परन्तु उन्हे उस वक्त यह जानकर बहुत ज्यादा दुख हुआ कि जो जमीन एकवायर की गई थी आज गांव में उस जमीन को उन्हे वापिस दे कर और पैसे का हिसाब किताब निपटाना चाहा जिस के खिलाफ यमुनानगर जिले के लोग कोर्ट के अनदर भी गये है, हाई कोर्ट के अन्दर गये है। इसी नाते से हमारा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि जब तक बाढ से जो नुक्सान हुआ है, जहां सरकार स्टेट के आंकडे दे, वहां जिला कुरुक्षेत्र के आंकडे अलग से अव य मुहैया करवाए जाएं क्योंकि कुछ इलाको के लोगो को इस बात का बहुत सन्देह रहता है कि उनका राजपाट के अन्दर हिस्सा नही है। वहां के लोग चाहते है कि उनका

व्यवस्था के अन्दर हिस्सा बना रहना चाहिए, चाहे वह नौकरियो का हिस्सा हो, चाहे वह बिजली का हिस्सा हो, चाहे पानी का हिस्सा हो, वह मिलना चाहिए। इस में किसी प्रकार की दिक्कत नही होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर बिजली के बारे में भी चर्चा की गई। मुझे एक बात की समझ नही आती कि जितने घंटे रादौर में बिजली मिल सकती है और किसी दूसरे आसपास के हल्के में मिल सकती है हालांकि सन्तोशजनक स्थिति वहां भी नही है, उतने समय कुरुक्षेत्र हल्के के अन्दर बिजली की व्यवस्था क्यों नही हो सकती। हर बार बिजली की व्यवस्था बारे चर्चा की जाती है और यह कुरुक्षेत्र का इलाका जिसे हरियाण के अन्दर राईस का कटोरा कहा जा सकता है और उसमें अनाज पैदा करने की क्षमता भी है। जहां का किसान अपने खुन पसीने की गाढी मेहनत के साथ सोना पैदा करता है अगर उस में हम बिजली की व्यवस्था नही कर पाएंगे तो उसमें बेचैनी बढेगी। अस दिक्कत के लिये चाहे नोट लिख दो, चाहे अफसरो को मिलो, अगर ऐसी स्थिती पैदा हो जाए कि लोग उस वक्त बिल्कुल बेचैनी महसूस करे तो मै नही समझता कि इस गरिमामय सदन के सिवाये और कौन सी जगह हो सकती है जहां उन लोगो का दुख दर्द सत्ता के गलियारो तक पहुचाया जा सकता हो। अध्यक्ष महोदय, इसीलिये मैने कुछ बाते आपकी सेवा में निवेदन की है और मुझे पूरी उम्मीद है कि जो राहत कार्य है, वे समय पर ऐसे लोगो को पहुचाए जाएंगे हालांकि

इसके लिये काफी देर हो चुकी है फिर भी सरकार को इस ओर पूरा ध्यान देना चाहिए ताकि लोगो को किसी प्रकार की परे ाानी न हो और बिजली का संकट जो हर बार पैदा होता है उसके दूर किया जाए।

अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो बाढ का पानी था और दूसरी तरफ राईस सूटस की मन्जूरी हुई है लेकिन जब उन लोगो को राइ सूटस देने के लियेहम एक्सीयन एस0 ई0 से बात करते है तो वे इस बात के ऊपर हाथ हिला देते है कि अभी नही दिये जा सकते। इसके लिये कोई समय निर्धारित किया जाए, कोई तिथि नि चत की जाए ताकि उस के अनुसार काम हो सके। मुझे पूर्ण वि वास है कि मेरे इन सभी प्र नो का उतर आपके माध्यम से सरकार की ओर से मुझे अव य मिलेगा। धन्यवाद।

श्री पीर चन्द (रतिया, एस0 सी0): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिये आपका बहुत बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, मैने 24 तारीखको लिखकर दिया था कि मेरे रतिया हल्के में जाखल से लेकर अली सदर और भट्टू सोतर तक 60 गांव, आठ आठ फूट पानी में खडे हुए है और उन गावों के जमींदारो की फसले बिल्कुल नश्ट हो गई है। हरिजनो और बैक्वर्ड क्लासिज के लोगो के कच्चे मकान तो बिल्कुल ही तबाह हो गये है। पक्के मकानो को भी काफी नुकसान पहुंचा है। स्पीकर साहब, जाखल गांव की मण्डी के अन्दर 10–12 फूट पानी खडा हो गया था और लाला लोग उपर की मंजिल पर बैठे रहे लेकिन

20–25 दिनो तक पानी को निकालने के लिये जगह नही थी कि उस पानी को कहां निकाला जा सके। आज भी ऐसे गांव है जिनके अन्दर तीन तीन चार चार फूट पानी खडा है। वे लोग वहां पर साढी की फसल नही बो पाएंगे। इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि ऐसे इलाके के लोगो को अव य ही सरकार की ओर से जल्दी सहायत मिलनी चाहिये। स्पीकर साहब, रतिया हल्का सब से बडा है। घग्घर नदी रतिया व रंगोई के बीच मे से गुजरती है जिस कारण से वहां बाढ का प्रकोप रहा। मै यह कहे बगैर नही रह सकता कि वहां के जमींदारो ने और हमारे लोगो ने आपस में काफी सहयोग दिया। मै हिसार के डी0 सी0 साहब के बारे में यह कहूगा कि अगर वे वहां पर न होतेा तो फतेहाबाद और रतिया का सारा इलाका डूब जाता। वहां पर जमींदारो ने 8–10 फूट उंचे बांध लगा कर पानी को रोका। इसी तरह से फतेहाबाद की बात है और उसकी हालत आज भी खराब है। वहां पर पिछडे वर्ग के लोग और गरीब आादमी बहुत दुखी है। जाखल, सातनवास, सिवानी, बहबलपुर, मडोला, खेडी, रती और अली सदर में आज भी तीन चार फूट पानी खडा है। उसको निकालने का आज तक सरकार ने कोई प्रबन्ध नही किया। वहां के लोगो ने आपस में सहयोग से काम चलाया। बाढ की वजह से वहां पर मच्छर बहुत ज्यादा हो गए है। मलेरिया तथा दूसरी बीमारियो से लोग बहुत परे ाान है। सरकार की तरफ से वहां पर कोई मैडिकल हैल्प नही दी गई। सरकार कहती है कि कच्चे मकान के लिये 1200 रुपये और पक्के मकान के लिये दो हजार रुपये सहायता देंगे। मै

समझता हूं कि यह सहायता बहुत कम है। मै समझता हूं कि जाखल से लेकर अली सदर का जो इलाका है उसको पंजाब के बराबर सहायता दी जाए। पंजाब ने एक हजार रुपया किलो के हिसाब से सहायता दी, कच्चे मकान के लिए 5 हजार रुपये और पक्के मकान के लिए 12 हजार रुपये दिए। जाखल के अन्दर इतनी बुरी हालत थी कि वहां के लाला लोग अपने घरो से सामान तक नही निकाल सके। मैने वहां के 40 गावों का सर्वे किया है ओर 20 का बाकी है। वहां पर गरीब हरिजनो के घरो के सामान का नुकसान हुआ है और उनकी फसल का भी नुकसान हुआ है। यह कुल नुकसान जो हुआ है वह मेरा ख्याल है एक सौ करोड रुपये का हुआ है। आज भी वहां पर जमींदार भूख और प्यास से तरस रहे है। और हरिजनो ने सडक पर डेरे डाल रखे है। तो मेरा इस सरकार और सभी सदस्यो से निवेदन है कि उनके लिए फाखदिली दिखा कर कम से कम जो पंजाब सरकार ने अपने इलाके में दिया है उतना जरुर दे जिससे कि उनका गुजारा हो सके। मैने उनसे सारी जानकारी ली औरहम खुद भी खेती करते है। जीरी लगाने में चार पांच सौ रुपया किल्ले का लग जाता है। इसके अलावा दो अढाई सौ रुपया खाद का लगता है। उसके बाद जीरी की पनीरी बनती है, उसका भी खर्चा है। तो मेरे ख्याल में जमींदार का एक किल्ले का कम से कम एक हजार रुपये का खर्च आ जाता है। तो अगर हम उनको एक हजार रुपया प्रति किल्ला देते है तो इससे तो उनका खर्चा ही पूरा होगा। दूसरी बात मै यह कहना चाहता हूं कि बहुत से बडे आदमी है, उन्होने अपनी जमीने ठेके पर दे रखी

है। वे पांच छः हजार रुपया एक किल्ले का लेते है। अब उन जमीनो पर जो मुजारे थे उनको भी कुछ मिलने वाला नही है। मै चाहता हूं कि मुजारो और सीरीयो को उस जमीन के मालिक से कुछ दिलाना चाहिए। जिन्होने उस जमीन पर अपना खुन पसीना बहाया उनके पास खाने के लिए कुछ नही है। तो मै आपके द्वारा सदन से निवेदन करुंगा कि रतिया हलके के लोगो को ज्यादा से ज्यादा सहायता की जाए। दूसरे जाखल से लेकर फतेहाबाद–रतिया होते हुए अली सदर, भट्टू और सोतर में जो पानी आता है वह पंजाब का आता है। इसके लिए मेरा सुझाव है कि फतेहाबाद से एक नहर खोद कर भट्टू होते हुए राजस्थान ले जाए। जितना पानी आगे आयेगा वह पानी सारे का सारा एक दो दिन में आगे निकल जाएगा और उस पानी से भट्टू कि इलाके के लोगो को फायदा भी होगा क्योंकि वहां पर मोटी रेत है, टिब्बेहै। वहां के किसान अपनी फसल बो सकेंगे, वहां पर पानी की बहुत कमी है। सरकार को रंगोई नाले का और भाखडा का इंतजाम करना चाहिए। जो रुपया सरकार दे रही है वह नहर बनाने में इससे कम पैसा लगेगा। तीन चार साल में जो फ्लड आता है उसके तमाम जमींदार मारे जाते है। मै किसानो की हालत देखकर आया हूं। किसानो के टयूबवैलो पर 5–5 और 6–6 फूट पानी फिर रहा है। मोटरे खराब हो गई है। मैने बहुत से कुए ऐसे देखे जो झेरे बन कर रह गए है। कुआं की ईंटो से जो चिनाई की हुई थी वह पानी के कारण नीचे बैठ गई हे। सरकार उन कुआं का दो या तीन हजार रुपये के हिसाब से कम्पनसे ान देगी। मै कहता हूं कि

उनका नुकसान देखकर आप कम्पनसे ान दें। कुआ लगाने में जितना खर्चा किसानो का होता है कम से कम उसका चौथा हिस्सा जरुर दिया जाना चाहिए। बाढ के कारण सारे हिसार जिले में सबसे ज्यादा नुकसान रतिया इलाके में हुआ है। मै सरकार से निवेदन करुंगा कि जिन गरीब आदमियो के कच्चे मकान गिर गए है उनको कम से कम पांच हजार रुपए और जिनके पक्के मकान गिर गए है उनको 10 या 12 हजार रुपये देकर उनको बसाने की कृपा करें। इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, 20,21 और 22 जुलाई की रात को हरियाणा और पंजाब में 7 बजे से लेकर 12 बजे तक ऐसी भंयकर बरसात हुई कि खेतो का पानी बाढ बन गया। उससे हरियाणा के लगभग 12 जिले प्रभावित हुए। परन्तु दुखदायी बात यह है कि पंजाब का पानी इकट्ठा हो कर सिरसा के रास्ते से, घग्घर के रास्ते ओटू पुल से होते हुए हनुमानगढ की तरफ गया और वह हरियाणा में तबाही करता हुआ गया। एस0 वाई0 एल0 का पानी तो नही छुडवा सके लेकिन बाढ का पानी एस0 वाई0 एल0 के रास्ते हरियाण में भेज दिया। हमारे मुख्य मंत्री जी पता नही केन्द्रीय सरकार से बाढ से हुए नुकसा का पैसा क्यों नही ला सके। जैसे बाढ से नुक्सान पंजाब मे हुआ है हरियाणा में हुआ ही नही। केवल 22 करोड रुपए में मुख्य मंत्री जी ने अपनी तसल्ली कर ली जबकि पंजाब को केन्द्रीय सरकार ने सैकडो

करोड रुपये राहत देने की बात कही। इनही के अन्दाजे से हरियाणा में एक हजार करोड रुपये का नुक्सान हुआ हैं। कच्चे मकान, पक्के मकान, किसानेा के टयूबवैल, जीरी की फसल, कपास की फसल, बाजरे, गंवार की फसल, प ा पूंजी की फसल और 40 लोगो की जाने चली गई इसका मोटा मोटा अंदाजा एक हजार करोड रुपए का नुकसा हुआ है। हमे ंकही पर भी ऐसा नही लगा कि बाढग्रस्त लोगो के साथ इस सरकार की हमदर्दी है। मै सिरसा में गया फरमाईया गावं है और एक कालोनी है जो सरकार का हवाई अड्डा है उसका अकेले का 40 करोड का नुकसान हुआ है। सेना आ गई परन्तु हमारे डी0 सी0 और प्र ाासन के दूसरे लोग वहां कोई राहत नही दे पाए। वहां पर पांच गावो ंके लोग सारी रात पुल बांधते रहे, अपने ट्रैक्टरो से बांधते रहे लेकिन प्र ाासन की ओर से उनको डीजन तक उपलब्ध नही करवाया गया। रतिया हल्के की बात आ गई। फतेहाबाद की बात आ गई। महेन्द्रगढ मेरा हल्का है।

अध्यक्ष महोदय, 23 तारीख को सुबह सुबह मै एस0 डी0 एम0, महेन्द्रगढ को लेकर 22 गावों मे गया। राजावास गांव में एक हरिजन की 30 बकरियां पानी में बह गई। अकेले राजावास गांव में ही 10 टयूबवैल मिटटी से भर गए और उनकी मोटरे मिटटी के अन्दर रह गई। बालडी पनिहारा गांव में एक हरिजन प्रभु था जिसका कच्चा मकान था, उसका मकान गिर गया, उसकी बकरियां मर गई 5 हजार मन अकेले पानडी पनहारा गांव में बह गया,

सरसो, गेहूं, जौ, ज्वार, चना आदि सब पानी के साथ बह गये। अकेले पानडी पनिहार गांव में 7 कच्चे मकान ध्वस्त हो गये। 20 पक्के मकानो में दरार आ गई। स्पीकर साहब, मै एक एक गांव की स्थिती बताना चाहता हूं लेकिन मजबूरी है कि टाईम बहुत ही कम है। अकेले महेन्द्रगढ तहसील में साढे तीन हजार कच्चे मकान गिर गए जिनमें से ज्यादातर मकान हरिजन भाईयो के है या छोटे छोटे किसानो के है। कोई कच्चा मकान तो भाायदपूरी तहसील में बचा ही नही। एक पचेरवाड नदी आती है उका पानी निम्बी गांव में फैल गया और 4 जानें चली गयी। देवराली के छोटे लाल यादव 35 साल के थे उनका देहान्त हो गया, जाटवास गांव की एक हरिजन बुढिया मर गई और खार गांव का एक हरिजन किसान मारा गया और प्रभु हरिजन पालडा पनिहारा का मर गया। एक तहसील में चार जाने चली गई इतना भयंकर बाढ का प्रकोप था। किसी गांव में कोई कच्चा मकान नही बचा। 300 टयूबवैल एक तहसील में मिटटी से भर गए। लगभग 10 एकड उपजाऊ जमीन की मिटटी बह कर चली गई परन्तु आज तक वहां पर राहत नाम की कोई चीज नही पहुंची। किसानो के टयूबवैल भर गए है परन्तु उन्हे कोई मदद नही मिली है। मेरे इलाके में वाटर लैवल लगभग 300–400 फुट नीचे चला गया है। किसानो को टयूबवैल का बोर करवाने में लगभग एक लाख रुपया खर्च करना पडता है, टयूबवैल की खुदाई, चिनाई ओर मोटर आदि पर बहुत पैसा खर्च होता है और 300 से ज्यादा टयूबवैल मिटटी से भरे पडे है। किसान डर के मारे अपने टयूबवैलो पर जा नही रहा है कि कही वहा ंपर कोई

गैस वगैरा न बन गई हो। कृशि विभाग का कोई इंजीनियर आज तक किसान के पास नही गया है। स्पीकर साहब, सरसों के पोलवे का टाईम आ गया है और 300 टयूबवैलो पर आज किसान नही जा रहे है और सरकार की तरफ से भी कोई आदमी नही भेजा गया है। सरकार ने 1200 रुपये की राहत का ऐलान किया है। स्पीकर साहब, आप खुद गांव के रहने वाले है। और आपको पता है कि 15 हाथ से कम का कोई छप्पर या कच्चा मकान कोई व्यक्ति नही बनाता है। कच्ची ईटों का खर्चा और उसकी बंधाई का खर्चा उस पर लगा है। 1 दिन तक दो आदमी लगते है तब छप्पर की छान बन्धती है। स्पीकर साहब, गांव के आदमियो से अनुमान लगवाया है तो 1200 रुपये तो उसकी बंधाई के ही लग जाते है तो ऐसी हालत में 1200 रुपये की राहत देना उनके साथ मजाक है। जो लोग बाढ मे मरे है, 50 हजार रुपये उनके आश्रितो को दिये गये है। पंजाब में आतंकवादियो की गोलियो सेजो मरते है उनको तो 2 लाख रुपए सरकार मुआवजा देती है। ये लोग भी प्राकृतिक प्रकोप से प्रभावित हुए है, इसलिए बाढ से जो लोग मरे है, उनके परिवार के लोगो को भी मुआवजा ज्यादा दिया जाना चाहिए ओर कच्चे मकान गिर है ओर स्पीकर साहब, खासकर के जो टयूबवैल मिटटी से भर गए है उनको राहत दी जानी चाहिए। विद–इन वीक अगर टयूबवैलो पर कोई आदमी कृशि विभाग का नही गया तो मजबूर हो कर किसान टयूबवैलो मे उतरेगे और हो सकता है जहरीली गैस से किसी की मृत्यु हो जाए इसलिए कृशि विभाग को इस संबंध मे कोई न कोई कार्यवाही भीघ्र करनी

चाहिए। स्पीकर साहब, संवेदना भून्य सरकार नही देखी। 21–22 तारीख को बाढ आई हुई थी बाकी सभी लोग पहुंच परन्तु सरकार की तरफ से यहां ज न मनाए जा रहे थे। कालका में प्रजातंत्र के कत्ल पर ज न मनाए जा रहे थे और बाढ से प्रभावित 12 जिलो में जाने वाला कोई नही था। सपी मै आपसे गुजारि ा करुंगा कि आप सरकार को कहे कि सरकार को हरियाणा के लोगो के दुख मे भाामिल होना चाहिए। मुख्य मंत्री जी केन्द्र सरकार की रक्षा के लिए तो केन्द्र मे जाते है परंतु कम से कम हरियाणा के लोगो की तकलीफ मे भी भाामिल हो। स्पीकर साहब, आज हरियाणा में बिजली नही, आज गावों मे लोगो को पीने का पानी उपलब्ध करवाने तक के लिए बिजली नही है। स्पीकर साहब, आप तो नहरो के किनारे पर बसते है लेकिन मेरे इलाको में तो पीने के पानी की समस्या है पीने का पानी उपलब्ध नही है। स्पीकर साहब, अब तो चव्वे के टयूबवैल नही रहे अब तो चूस से पानी खींचना पडता है। अगर बिजली नही होगी तो गरीब आदमी पानी का इन्तजाम कैसे करेगा। आज कई कई दिन तक लोगो को पीने का पानी नही मिलता है और लोगो को प्यासा रहना पडता है। पडोस से कही से खारा पानी लाकर पीना पडता है। अध्यक्ष महोदय, एक तो बाढ ने मार दिया और पिछले दिनो से बारि ा नही हुई। अब सुखे की स्थिती पैदा हो गई है। किसान अगली फसल बोना चाहता है लेकिन उस के पास कोई चारा नही है। इन्होने डेढ सौ रुपए क्विंटल तूडे की बात कही थी क्योकि बाढ से किसानो का तूडा बह गया है। इस बार सावनी की फसल में बाजरे की पैदावार

भी ज्यादा नही हुई। अगली फसल की किसान को उम्मीद नही। अध्यक्ष महोदय, सरकार को इस बारे में गम्भीरता से सोचना चाहिए। इन्हे मुआवजे की रा ि ा बढानी चाहिए और जो टयूबवैल मिटटी से भरे पडे है, उनको तुरन्त ही कृशि विभाग के इंजीनियरो को जाकर देखना चाहिए कि किस तरह से किसान के टयूबवैल चलाए जा सकते है। दूसरे बिजली के बारे में कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, जो इलाके टेल पर है, जिसके लिए सिंचाई के सारे साधन टयूबवैल है, उनको बिजली दी जाए। बस, मै इस सम्बन्ध में इतना ही कहना चाहता हूं।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, प्रदे ा में बाढ की वजह से बहुत भयंकर स्थिती बनी हुई है, इसमें कोई दो राय नही है। सभी माननीय सदस्यो ने जो दुःख जाहिर किया और जो बात कही है, उसमें काफी हद तक वजर है लेकिन आप जानते है कि प्रकृति के आगे किसी का कोई चारा नही और जोर नही चलता। बाढ भी आ सकती है, तुफान और भुकम्प भी आ सकता है। आपने देखा होगा कि दुनिया में भुकम्प की वजह से कितना नुकसान हो जाता है। अध्यक्ष महोदय, ई वार को जो मंजूर होता है, उसके आगे किसी का कोई चारा नही चलता है। लेकिन सरकार का फर्ज बनता है कि जितनी भी मदद कर सके करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, महारी सरकार की तरफ से कोई कमी नही रही है। मै आपको बताना चाहता हूं कि कुछ माननीय सदस्यो ने कहा ि कवे यहां पर इलैक ान मै व्यस्त थे,

इस बात पर तो मै बाद में आऊंगा। अध्यक्ष महोदय, 9 तारीख को तीन दिन लगातार बारि ा होती रही है। मै 15 तारीख को हैलीकाप्टर से सिरसा, कैथल, जाखल ओर टोहाना तथा बाकी सभी एरियो को देखते हुए गया। उस दिन मेरे साथ एग्रीकल्चर मिनिस्टर श्री हरपाल सिह भी थें। हमने सब जगहो का दौरा किया और वहां के हालात हमने बहुत नजदीक से देखें। बहुत से गावो में और भाहरो में पानी भरा हुआ था। लोगो को आने जाने मे बहुत भारी असुविधा हो रही थी। हमने बकायदा डी0 सी0 का हिदायत जारी कि और एस0 डी0 एम0, तहसीलदार, बी0 डी0 ओ0, कमी नर, एफ0 सी0 आर0 तथा सीनियर आफिसर्ज को हिदायत दी थी कि वे वहां मौके पर पहुंचे। वे वहां पानी में किस्तियो के द्वारा गए और लोगो से उनकी प्रोब्लम के बारे मे पूछते रहे। अध्यक्ष महोदय, यही नही मै एक बार ही नही गया था, कई बार गया था। हमने प्रधानमंत्री जी को टेलीफोन करके कहा कि हरियाणा का बहुत बुरा हाल हो गया और पंजाब के बारे में भी कहा। प्रधानमंत्री जी ने 16 तारीख को हरियाणा का दौरा किया लेकिन मौसम खराब होने की वजह से पंजाब में नही जा सके। उन्होने एक घंटा हरियाण का दौरा किया और कहा कि भजन लाल जी हरियाणा में वाकई बहुत नुक्सान हुआ है और लोगो को मेरी भावना पहुंचा देना, उनको जो तकलीफ है वह मेरी ही तकलीफ है। उसके बाद मैने 18 तारीख को फिर स्टेट प्लेन से दौरा किया। यही नही, अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री जी के बाद गवर्नर साहब ने भी हवाई जहाज से दौरा किया और वहां का सर्वे

किया कि कहा कहां पर क्या नुकसान हुआ है? 23 तारीख के बाद मै फिर स्टेट प्लेन से गया और 30 तारीख को सडक से फतेहाबाद, सिरसा, असंध, राजौद, नीसिंग और बाकी सब जगह गया। हमारे विधायक चाहे रुलिंग पार्टी के हो, या अपोजी ान के हो, हम सब लोग मिले और सारे अधिकारी गए। सिरसा की एक एक गली और मोहल्ले में गए, देखा कि क्या क्या नुकसान हुआ और लोगो से भी मिले। हम सभी जगहो पर मौके पर गए और लोगो से जानकारी ली। हमने सभी जगह लोगो से एक बात ही कही कि ई वर के आगे कोई चारा नही। लेकिन सरकारी म ाीनरी ने, सारे डिमिनिस्ट्रे ान ने बहुत ही भाानदार काम किया है। सारी सारी रात वे हमारे साथ खडे रहे तथ जहां पर आटा नही था रा ान नही था उन्होने वहां पर आटा पहुंचाया, रा ान पहुंचाया, मिटटी का तेल भेजा तथा पूरी तरह से लोगो को बचाने की कोि ा ा की। अध्यक्ष महोदय, आर्मी को भी हमने दो दिन रखा ताकि पानी भाहरो में न धुस जाए। इस तरह से लोगो को बचाने में आर्मी ने भी मदद की। आर्मी की मदद से हमने काबू पाने की कोि ा ा की। इसलिये यह कहना कि सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नही की गयी,कोई मुनासिब बात नही है। अध्यक्ष महोदय, पत्रकार दोस्तो ने भी और आपने भी देखा होगा। पत्रकार दोस्तो ने भी कहा कि सरकारी म ाीनरी का बडा ही अच्छा रोल रहा है। अध्यक्ष महोदय, मै निश्पक्ष रुप से यह कहना चाहता हूं कि पांच आदमी बिना पोलिटिकल भेदभाव के वहां पर जाकर देखे और अगर ये लोग एक जगह भी यह कह देंगे कि सरकारी

म ीनरी का दोश है तब हमें आप दोशी कह सकते है। सरकारी म ीनरी की सभी ने तारीफ की है। सरकारी म ीनरी ने उस तकलीफ को अपनी तकलीफ समझ कर काम किया और पानी ओर धूप में रहकर भी वे लोग काम करते रहे है। अध्यक्ष महोदय, 13 जिलो में कही ज्यादा और कही कम नुकसान हुआ है। इसी तरह से बाढ से 15 लाख लोग प्रभावित हुए है। अध्यक्ष महोदय, अभी तक जिन क्षेत्रो में पानी खडा हुआ है वह लगभग 7130 हैक्टेयर क्षेत्र है और एक लाख 13 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में फसल बर्बाद हो गयी। पहले हम सोचते थे कि पांच लाख हैक्टेयर क्षेत्र में फसल बर्बाद हो गयी और बाढ से जो इंसाप गुजर गए है वह 50 हंसान है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से 596 प ाु बाढ से मरे है और 30429 टयूबवैल बाढ से खराब हो गये है तथा मकान 49238 गिरे है अब तो जो सहायता बाढ पीडितो को दी गई है वह 40 करोड रुपये है जो हमने जिलो में भेज दी है। जहां से डिमांड आती है वहां पर हम तुरन्त सहायता देते है। एक मिनट भी देर करने का सवाल नही है। हमने डी0 सी0 से कह रखा है कि हमें फैक्स से सूचित करो ताकि फौरन वहा ंपर पेसा दिया जाए। (ाोर) मै आपको जिले वाईज आंकडे बता सकता हूं। हमने भोजन के लिए कैथल में चार लाख रुपए यानि टोटल कैथल जिले को दो करेड 14 लाख रुपया दिया है। इसी तरह से जींद में 53 लाख रुपये, सिरसा में दो करोड रुपये, हिसार को 44 लाख रुपये, करनाल को 57 लाख और तीन लाख रुपये अम्बाला में, 53 लाख रुपये कुरुक्षेत्र को दिये है। इस तरह से 12 करोड रुपये सब जिलो में

भेजे गए है। टयूबवैल के लिए हमने करोड 11 लाख रुपये दिये है और जिन जमीनो पर फसले खराब हो गयी है। वहां पर हमने 200 रुपये से बढाकर डबल यानि 400 रुपये प्रति हैक्टेयर कर दिये है। इस तरह से अब तक टोटल 40 करोड रुपया स्टेट के अंदर चला गया है।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः भिवानी को कितना पैसा दिया गया है, कृप्या वह भी बताइए?

चौधरी भजन लालः भिवानी को 31 लाख 25 हजार रुपया दिया गया है। पहले बाढ में जो आदमी डूब जाता था, उसे 10 हजार रुपया सहायता के रुप में दिया जाता था अब हमने 10 हजार रुपये से बढाकर 50 हजार रुपया किया है। सबके पास 50–50 हजार रुपये उनके घर पर पहुंचा दिए गए है, अगर कही नही पहुंचा हो तो कोई भाई नोटिस में लाए, कल भाम तक उसके घर सहायता पहुंच जाएगी। कच्चे मकानो के लिए 600 रुपये से बढाकर 2000 रुपये कर दिए है। चौटाला साहब ने कहा कि वे 5000 रुपया देते थे। चौधरी देवी लाल ने अनाउंस तो कर दिया था लेकिन एक आदमी को भी नही दिया, अभी तक लोग फिरते है।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी हाउस को गुमराह कर रहे है। यह एक रिकार्ड की बात है कि उन लोगो को 5 हजार रुपये दिये है और 15 हजार रुपये

के बिना ब्याज के कर्ज दिये है। हाउस को इस तरह से गुमराह नही करना चाहिये। ये जो कह रहे है कि 40 करोड रुपया भेजा है, एक भी आदमी का रिलीफ नही मिला है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः औम प्रका ा जी, हम आपके बीच में नही बोले, हम आपको रिकार्ड दिखाएंगें। अध्यक्ष महोदय, मै कल हाउस में फाइल दिखा दूंगा। 5 हजार रुपये देने की घोशणा की गई लेकिन सबको दिए नही गए। अध्यक्ष महोदय, ऊंट, घोडा, घोडी, भेड, भैंस, गाय, बैल, के लिए पहले एक हजार रुपया देते थें। हमने 3000 रुपये किए। गधे के लिए 150 से बढाकर 450, खच्चर के लिए 400 से 1200 और भैंस की कट्टी के लिए 700 से बढाकर 2100 रुपये किया है। बछडे बछडी और भेड बकरी के लिए 100 रुपये से बढाकर 300 रुपये कर दिए है। अध्यक्ष महोदय, हमने भारत सरकार से भी कहा है। एक बात इन्होने यही कही है कि पंजाब को ज्यादा मद मिल गयी और हरियाणा को नही मिली। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के पास कोई 72 करोड रुपया, जिसको 70 सी0 आर0 एफ0 कहते है, भारत सरकार की तरफ से उपलब्ध है। इसके अलावा उन्होने 7 करोड रुपया अगले साल का भी भेजा है यानि लगभग 78 करोड रुपये हमारे पास है। इसमें से हमने 40 करोड दे दिया है बाकी और पैसा हम देंगे। ज्यों ही डिप्टी कमि नर्ज की डिमांड आयेगी, हम उसमें से एक मिनट की देरी किए बिना फौरन देंगे। हम 48 घंटे या एक दिन मै पैसा उनको देंगे। हमारे पास पैसा उपलब्ध है। हमने भारत सरकार से यह

प्रार्थना की है कि इससे काम चलने वाला नही है। बडा भारी नुक्सान हुआ है। टयूबवैलज के लिये हमने 3000 रुपया मुरम्मत के लिये देने का फैसला किया है। आज लगभग 30000 से भी ज्यादा टयूबवैल खराब हो गये है। इसके लिये हम लोगो को पैसा दे रहे है। जैसे मैने कहा, अब तक हमने 7 करोड रुपया भेज दिया है ताकि अपने टयूबवैल की मुरम्मत जल्दी करायें और टयूबवैलज चालू हो सकें। इसके अतिरिक्त हमने 40 करोड रुपया अलग अलग जिलो में बाटा है।

श्री धीर पाल सिंहः क्या आप डिटेल्ज देंगे कि कौन कौन सी जगह पर कितना पैसा डिस्ट्रिब्यूट किया गया है?

चौधरी भजन लालः 7 करोड में से कितने पैसे डिस्ट्रिब्यूट हो गये है और कितने अभी रह रहे है, इसकी डिटेल आंकडे अभी तो मेरे पास नही है। कितना पैसा डिस्ट्रिब्यूट हो गया वह मै सदन के आखिर में बता दूंगा। जब जाओ तो पूछ लेना। (व्यवधान एवं भाोर) हमने अलग अलग विभागो में भी पैसा दिया है क्योंकि कही पर सडके टूट गयी है, कही पर नहरे टूट गयी है। कई जगह पर बहुत बुरा हाल हो गया है। हमने बिजली बोर्ड को 15 करोड 55 लाख रुपया दिया है ताकि जल्दी से जल्दी सारी चीजो की मुरम्मत हो सके और सारे प्रदे ा का माहौल और हालात ठीक हो सकें। कई जगहो पर पानी खडा है। मै इस बात को मानता हूं कि प्रदे ा में 7000 हैक्टेयर से कुछ ज्यादा रकबे मे पानी खडा हुआ है। 15 सितम्बर के बाद हमारे पानी को निकालने

के लिये नार्म्ज बने हुए है ताकि अगली फसल की बिजाई हो सके। अब हम 15 सितम्बर को यह काम चालू करक वहां पर बिजाई करवांएगे। अगह हम अभी यह काम करायेंगे ओर दोबार बरसात आ जायेगी तो नीची जगहो पर पानी खडा हो जाता है। उसको निकालने का फिर कोई महत्व नही रह जाता। जहां पर फसल बची हुई है, हम वहां से पानी को निकालने की कोि ा ा में लगे हुए है।

इन्होने बिजली का भी जिक किया कि बिजली की बडी दिक्कत है। बिजली प्रदे ा में कई जगहो पर नही है, ऐसा कह दिया गया। मै यह मानता हूं कि कुछ दिक्कत है। मै इससे डिफर नही करता। (व्यवधान एवं भाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, डिगावे का ट्रांसफार्मर.....

चौधरी भजन लालः बहन जी मेरे पास आपकी सारी बाते नोट है। मै अभी उनके उपर ही आ रहा हूं। (व्यवधान एवं भाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, ढिगावे का ट्रांसफार्मर जो 70–80 लाख रुपये का है, पता नही जल गया या उसकी उम्र पूरी हो गयी.....(व्यवधान एवं भाोर)

चौधरी भजन लालः बहन जी, ढिगावे का ट्रांसफार्मर तो 14 तारीख को चालू हो गया है। (व्यवधान एवं भाोर) आप सुनने

की कृपा तो करें आप अगर अपनी कांस्टीच्यूंसी में जाये तो पता हो। आप तो भय खाकर दिल्ली में फिरती रहतीहै। हल्के मे न जाये तो मै क्या करुं।

श्रीमती चन्द्रावतीः आप बे ाक वहां का रिकार्ड मंगवा कर देख लें। मै वहां पर 25–8–1993 को गयी हूं। (व्यवधान एवं भाोर)

चौधरी भजन लालः मै यह जो आंकडे और स्टेटमैंट दे रहा हूं, यह सरकारी तौर पर दे रहा हूं। 14 तारीख को यह ट्रांसफार्मर वहां पर लगाकर चालू कर दिया गया है।एक और आपका ट्रांसफार्मर है। वह 20 एम0 वी0 ए0 132 के0 वी0 का ट्रांसफार्मर है। वहां वहां पर पहुंच चुका है। इसके चालु किया जा रहा है। यह भी 7–8 दिनो मे ंचालू हो जायेगा। इसके अलावा जो छोटे छोटे ट्रांसफार्मर जले है वे सब जगह भेजे जा रहे है। स्टेट के अन्दर चालीस से ज्यादा भेज दिए है। स्पीकर साहब, यह ठीक बात है कि बिजली की दिक्कत है ओर इसमें कोई दो राय नही है। स्पीकर साहब, यह दिक्कत अकेले हरियाणा में नही है बल्कि सारे मुल्म के अन्दर दिक्कत है। इसके कई कारण है। एक तो यह है कि एक डेढ महीने से बारि ा नही हुई। बारि ा न होने के कारण बिजली की डिमांड ज्यादा हो गयी। डिमाण्ड ज्यादा होती है तो बिजली की फ्रीक्वेन्सी कम हो जाती है। स्पीकर साहब, दिलली में आठ आठ घंटे कट है। हमने इंडस्ट्रीज पर कट लगाया हुआ है। एक एम0 बी0 ए0 से जो इंडस्ट्रीज ज्यादा लोड की है उन पर

कट लगा रखा है। मै फिगर्ज देकर बताना चाहता हूं कि हम इस साल पिछले साल के मुकाबले कितनी ज्यादा बिजली दे रहे है। स्पीकर साहब, 21–8–1992 को 185 लाख यूनिट बिजली ग्रामीण सैक्टर को दी थी, जबकि इसी तारीख को 1993 में 208 लाख यूनिट बिजली दी है। कुल बिजली पिछले साल उस दिन 304 लाख मैगावाट थी और इस साल 316 लाख मैगावाट है। 22–8–1992 को 186 लाख यूनिट ग्रामीण क्षेत्र को दी। इस साल 22–8–93 को 321लाख यूनिट ग्रामीण क्षेत्र को दी। 23–8–92 को 189 लाख यूनिट दी थी जबकि इस साल 23–8–93 को 215 लाख यूनिट ग्रामीण क्षेत्र को दी है। 24–8–92 को 169 लाख यूनिट दी थी और इस साल इसी तारीख को 225 लाख यूनिट दी है। पिछले साल 25–8–92 को 183 लाख यूनिट दी थी और इस साल उसी तारीख को 221 लाख यूनिट दी है। इसी तरह से पिछले 20 तारीख को 194 लाख यूनिट दी थी और इस साल 217 लाख यूनिट दी है। पिछले साल की औसत जो है वह 183.48 है और इस साल 1993 की औसत 216.15 है। इस समय ग्रीड की फ्रीक्वैन्सी 48 से 47 तक पहुच चुकी है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि दिक्कत यह है कि अगर बरसात न हो तो वोल्टेज लो हो जाती है और हमारी दिक्कत बढ जाजी है। लेकिन यह दिक्कत केवल हरियाणा कीनही है। यह दिक्कत सारे दे ा में है। यह दिक्कत राजस्थान की है, पंजाब की है, यू0 पी0 की है और हिमाचल की है। आप वहां जाकर देखो तीन तीन घंटै बिजली किसान को नही मिलती। स्पीकर साहब, सब से बडी दिक्कत पैसे

की है। चौटाला साहब ने ठीक कहा कि जब हम छोड कर गए थे तो 309 करोड रुपये का था और अब वह घाटा सात सौ करोड का हो गया। स्पीकर साहब, 309 करोड का घाटे से सात सौ करोड का घाटा हो जाना स्वाभाविक है। हमने पैंतीस हजार पांच सौ टयूबवैल के नए कनैक ान दिए है और हमसे दो सौ पचास मैगावाट बिजली चली गई। स्पीकर साहब, किसानो को कनैक ान कैसे नही देते, उन्होने पैसा बैंको से कर्ज लेकर टयूबवैल लगाये थे।

श्री सतबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि जब हमारी सरकार आई थी, उसी समय एक लाख कनैक ान पैंडिंग थे। उसके बाद 49 हजार कनैक ांज पैंडिंग थे, लेकिन अब 63510 कनैक ांज पैंडिंग है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, जब सरकार की कैडिबिलिटी हो तो टयूबवैल्ज लगते है। हमने 35500 टयूबवैल्ज के कनैक ान दिये है। अध्यक्ष महोदय, ये कहते है इन्होने हमारे वक्त से ज्यादा बिजली दी थी। स्पीकर साहब, इनके वक्त में एक भी बिजली का प्रौजैक्ट ठीक तरह से बिजली का उत्पादन नही कर रहा था।

चोधरी औम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, मै पुनः एक बात दोहराना चाहता हूं कि लीडर आफ दि हाउस, हाउस को

निरंतर गुमराह कर रहे है और * * * * * * * * बोल रहे है। इस वक्त न दिल्ली में कट है, न राजस्थान में कट है, न पंजाब में कट है ,और न हिमाचल मे बिजली की कोई कमी है। ये जो कुछ भी कह रहे है अपने तौर पर कह रहे है। ये अभी कह रहे थे कि इतने हजार टयूबवैल्ज को बिजली के कनैक ांज दिए है। इन्होने कल अखबार में इ तहार दिया और वह इ तहार आपने भी पढा होगा। उससे स्थिती साफ हो जाती है कि बिजली की क्या हालत है। मेरा कहना यह है किये हाउस को गुमराह न करे और आप इसी बात का ध्यान रखे।

श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री(चौधरी कृश्ण मूर्ति हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, अभी श्री औम प्रका ा चौटाला ने बोलते हुए कहा कि दिल्ली में भी कट नही है लेकिन मै यह दावे के साथ कह सकता हूं कि दिल्ली में कट है। इनकी कोठी भी दिल्ली में है, मेरी भी कोठी दिल्ली में है। इनकी हजार गज में है और मेरी दो सौ गज में है। अगर इनकी बात सच हो तो मै इस्तीफा दे दूंगा और अगर मेरी बात सच हो तो ये इस्तीफा दे दें। (ाोर एवं व्यवधान)

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): स्पीकर साहब, अभी चौटाला साहब ने बोलते हुए ** ** ** भाब्द का प्रयोग किया जो अन–पार्लियामैन्टरी भाब्द है। ये एक्स चीफ मिनिस्टर रहे है, इनको ऐसी बात नही कहनी चाहिये थी। यह भाब्द कार्यवाही में से निकाल दिया जाना चाहिये।

श्री अध्यक्षः ठीक है यह भाब्द कार्यवाही में से निकाल दिया जाए। चौटाला साहब, कट दिल्ली में भी है, कट पंजाब में भी है।

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, पंजाब के मुख्य मंत्री और बिजली मंत्री ने यह आ वासन किसानो को दिया है कि हम दिन में साढे दस घंटै बिजली देंगे। (ाोर) मै हाउस के द्वारा इस सरकार से यह आ वासन चाहता हूं कि हरियाणा के किसानो को कितने घंटे बिजली मिलेगी? हम इस तरह का साफ आ वासन चाहते है। (ाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मै रिकार्ड की बात इनको बताता हू, इनके यूही कहने से क्या बनता है। पानीपत थर्मल प्लांट के दो और तीन यूनिट्स का हमने 1980–81 मे ि ालान्यास किया था और चौथे और पांचवे यूनिट्स का ि ालान्यास 1985–86 में हमने किया था जोकि अब 1990 में चालू हो गया है। इसके अलावा मै यह कहना चाहता हूं कि इन्होने किसी एक भी थर्मल प्लांट की आधारि ाला रखी हो तो ये हमें बता दें। यह सारा काम हमारे ही वक्त में हुआ है। इनकी मेहरबानी से तो सारी समस्याएं खडी हुई है। ये लोग किसाना को भडकाते है कि आप बिजली के बिल न दो। दूसरी तरफ कहते है कि किसानो को बिजली ज्यादा दो। पैसे देंगे तो बिजली मिलेगी। कोई जादू तो नही है कि कही से बिजली आ गई और हम आगे दे दें। मेरे कहने का मतलब यह है कि लोगो को सही बात कहनी

चाहिये। किसानो को यूंही सरकार के खिलाफ भडकाना अच्छा नही है। सारे दे ा में एक हरियाणा प्रदे ा ही ऐसा प्रदे ा है जहां पर किसानो को 60 प्रति ात बिजली दी जाती है। जबकि सारी कंट्री की ऐवरेज केवल 26 परसैंट है। प्राइवेट कम्पनियो वाले दो ढाई रुपये में बिजली बेचते होगें लेकिन हरियाणा प्रदे ा इस वक्त सब से सस्ती बिजली दे रहा है। इस तरह से किसानो को गुमराह करके ये लोग दे ा का बडा भारी नुकसान कर रहे है। हमारी तरफ से पूरी कोि ा ा है कि हम किसानो को सब से ज्यादा और सस्ते भाव पर बिजली देंगे और दे भी रहे है। चाहे हमें इंडस्टरी पर कट क्यों न लगानी पडे। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि बाढ पंजाब में भी आई और हरियाणा में भी आई। भाखडा नहर में पंजाब में हुए कटो के नाते वाक्या ही नुकसान हुआ। पंजाब वालो ने हमारी तरफ कुछ पानी बहाने की कोि ा ा की। क्योंकि जब आदमी डूबता है तो ऐसा ही करता है। मैने यह मामला प्रधान मंत्री के सामने उठाया और पंजाब के चीफ मिनिस्टर के साथ ही प्रधान मंत्री की मोजूदगी में मामला उठाया। मै कहना चाहता हूं कि सारी की सारी नहरे, हमारी नरवाना ब्रांच और एस0 वाई0 एल0 मैं जो पानी डाला था उसके बारे में 16 जुलाई को प्रधान मंत्री के सामने सारी बातें हुई और 2–3 अगस्त तक सारी की सारी नहरें, जो मानसा के पास नहर थी और नरवाना ब्रांच सारी की सारी ठीक हो गई और उनमें पूरा पानी चालू हो गया। यह ठीक बात है कि जब बाढ आती है तो उस समय दिक्कत आती है, उस वक्त सब को दिक्कत झेलनी

पडती है। अध्यक्ष महोदय, और प्रका ा जी चौटाला आज दो सवा दो साल के बाद पहली बार हाउस में आए है। मै समझ रहा था कि ये कुछ ठीक बात करेंगे भाायद इनको कुछ अक्ल आ गई होगी, सोच आ गई होगी लेकिन अभी इनको पूरी अक्ल नही आई, अभी इनको समझाना पडेगा और अक्ल देनी पडेगीं। अध्यक्ष महोदय, इन्होने कहा कि सरकार की तरफ से बडी अन–देखी हो गई। अन–देखी इन्होने अपने जमाने में देख रखी होगी, यहा कोई अन–देखी नही है। दूसरे इन्होने कहा कि सारी सरकारी म ाीनरी ओर सारे सरकार के मंत्री हमारी पार्टी के लोग है, वे लगे हुए थे, इनके लोग भी लगे हुए थे और हमारे भी लगे हुए थे। (विघ्न) कादयान साहब, आप बीच में मत टोकिए वरना मुझे सी0 बी0 आई0 वाली एफ0 आई0 आर0 का जिक करना पडेगा। आप मेहरबानी करके बीच में मत बोलें।

श्री अध्यक्षः महोदय, इन्होने मंत्रियो का नाम लिया। मै कहता हूं कि इलैक ान में सभी ने डयूटी दी है। मंत्रियो, एम0 एल0 एज0 और अन्य वर्करो ने दिलो जान से काम किया। फिर इन्होने डैमोकसी का जिक किया। डैमोकेसी का नाम औम प्रका ाा चौटाला ले, यह सुन कर मुझे बडी भार्म आई। मुझे नही पता कि इनको भार्म आई या नही आई। सौ चूहे खाके बिल्ली हज को चली, अरे भाई गजब है। अभी तक लोगो को मेहम याद है, आप इतनी जल्दी कैसे भूल गए और आज डैमोकसी का नाम लेते हो। (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: सन, आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान मै पहले भी अर्ज कर चुका हूं कि हाउस के डैकोरम को बराबर रखा जाए। कोई भी व्यक्ति इस सदन का सम्मानित सदस्य आपके माध्यम से बात करे, कोई सीधी बात न करे। मैने आपको पहले भी कहा था कि हाउस के नेता हाउस को गुमराह कर रहे है। ये हर मामले में गलत बोलते जाते हे। (ाोर) ये दूसरे लोग भी इनकी सहमति से बोल रहे है। अध्यक्ष महोदय, जो कोई भी बात करे वह आपको संबोधित करके करे, आपके द्वारा करें।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मै कह रहा था कि डैमौक्रसी के हिसाब से इलैक्ा ान होते है। यदि दे ा में प्रजातंत्र खत्म हो जायेगा तो क्या दे ा रहेगा। क्या हम और पर रहेंगे? कोई सदन में बैठेगा। क्या यह दे ा चलेगा? जैसे महम के इलैक्ा ान के दौरान इन्होने प्रजातंत्र का सत्यानाश कर दिया था। यदि मै महम की चर्चा करुंगा तो इनको फिर तकलीफ हो जाएगी लेकिन इन्होने वहां पर किस तरह के हालात पैदा किए वह सारा दे ा जानता है। दे ा की प्रैस जानती है। टी0 वी0 के लोग जानते है। महम की चर्चा में यही पर बन्द करता हूं। अध्यक्ष महोदय, एक बात इन्होने कही कि भारीफ बाप का भारीफ बेटा या भले बाप का भला बेटा, (ाोर) चलो मै अपने भाब्दो में कहता हूं कि भारीफ बाप का भारीफ बेटा। वह बेटा जिसने आप सब की जमानत जब्त की है। वह आपको याद होना चाहिए। यह तो आप

भूल नही सकते। आपकी वहां पर तीन पुस्ते लगी हुई थी। चौधरी देवी लाल, औम प्रका ा चौटाला, अभय सिंह, अजय सिंह आपके सारे परिवार के लोगो ने जोर लगा लिया सी0 पी0 आई0 का आपको सहयोग था। उसके बावजूद भी आप अपनी जमानत नही बचा सके। इससे ज्यादा बुरी बात और क्या हो सकती है। आपने नरवाना का इलैक ान जीतने के बाद पता नही आपने क्या समझलिया और आप क्या बन गए। आप नरवाना का इलैक ान किन हालात में जीते हो यह आप खुद जानते हो। अगर वहा पर सुरजेवाला के लडके की जगह अगर हमार कोई दूसरा कंडीडेट होता तो आपकी जमानत नही बच सकती थी। आप आज इस्तीफा दे करवहां से दोबारा चुनाव लड लें। अगर आप दुबारा वहां से चुनाव जीन जाए तो मै राजनीति से सन्यास ले लूंगा। (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, मै अपना रैजिगने ान आपको देता हूं और मुख्य मंत्री भी इस्तीफा दे दें और आदमपुर से चुनाव लड लें, अगर ये यहां से चुनाव जीत जाए तो मै राजनीति छोड दूंगा। यह मेरा इनको चैलेंज है।

चौधरी भजन लाः अध्यक्ष महोदय, बात नरवाना की हो रही है और ये आदमपुर पहुंच रहे है। आदमपूर से 1972 भजन लाल ने आपके पिता श्री देवी लाल को साढे ग्यारह हजार वोटो से धूल चटाई थी। आदमपुर के बारे में आप क्या बात करते है। अभी नरवाना की बात कही है। आप अपना इस्तीफा दे कर नरवाना से दोबारा चुनाव लड लें, हम अपना उम्मीदवार लाएंगे, यदि आप वहां

से चुनाव जीन गए तो भजन लाल इस्तीफा दे कर अपने घर चला जाएगा। यह मेरा चैलंज खडा है। आपने कहा कि चन्द्रमोहन भले आदमी का बेटा है। मै कहता हूं कि वह भले बाप का भला बेटा है। मै चौधरी देवी लाल जी की तरह नही हूं जो कह दे कि औम प्रका ा मेरा बेटा नही है। मै कहता हूं कि वह मेरा बेटा है और काबिल बेटा है, लायक बेटा है। न मै चौधरी देवी लाल की तरह बाप हूं और न ही मेरा बेटा आप जैसा बेटा है।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मुख्य मंत्री जी ने कहा कि 100 चुहे खाकर बिल्ली हज को चली। 100 चूहे नही 900 चुहे खाकर और 900 चूहे खाकर बिल्ली चल नही सकती, वह गिरती पडती चलती है। (हंसी)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, एक बात इन्होने यह कही कि डी0 सी0 सिरसा के पास पैसा नही। इस बारे में मै आपके सामने जिलावार आंकडे बता दिए है। बिजली के बारे मे मैने बता दिया। इन्होने एक बात पीने के पानी के बारे में कही कि गंदा पानी गया है यह बात ठीक हो सकती है क्योंकि कई जगहो पर जब बरसात होती है तो गंदा पानी बह कर जा सकता है। हमने पानी में दवाई डाली है, पूरा इन्तजाम किया है। प्रदे ा में कही पर किसी प्रकार की कोई बीमारी नही फैली न प ुाओ में कोइ किसी प्रकार की बीमारी फैली औरन कोई इंसानी बीमारी फैली। इत्तफाक से बीमारी होती है, अगर बीमारी नही होती तो पता नही यह दे ा कहां तक पहुंच जाता। एक तरफ तो कहते है

कि लोगो को सहायता पहुंचाने के लिए पैसा नही गया और दूसरी तरफ कहते है कि लोगो की सहायता के लिए जो पैसा दिया है, उसमें पैसा लेते है। इनको अपना जमाना याद आता है। स्पीकर साहब, हमारी सरकार इनकी तरह के काम नही करती कि बुजुर्गो को पैन ान तो दी 100 रुपये और उसमें से 10 कमी ान के ले लिए। इन्हे अपने जमाने की बाते याद आती है। हमारी सरकार पैं ान में से कोई कमी ान नही लेती है। (विघ्न) किसी ने कोई कमी ान नही लिया, अगर कोई साबित कर दे कि किसी अफसर ने रि वत ली है तो मामला हमारे नोटिस में लाए हम भााम से पहले उस अफसर का इलाज करेंगे, उसके खिलाफ केस दर्ज करेंगें। (विघ्न)

श्री सूरज भान काजलः स्पीकर साहब, एक बात कहना चाहता हूं और मेरी बात का समर्थन फाईनैं मिनिस्टर श्री मांगे राम गुप्ता जी भी करेंगे। एस0 सी0 जींद को कहा गया.....(ाोर एवं व्यवधान) लडक सिलैक्ट भी हुआ। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सूरज भान जी, आप मेरी परमि ान के बिना बोल रहे है, आप बैठिये।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै इनकी बात का जवाब देता हूं। किसी व्यक्ति ने कम्पलेन्ट की कि सुरे ा नाम का व्यक्ति जो जुलाना हल्के का है। (विघ्न) उस आदमी से रुपये लिये गए, सच तो वे ही जानते होंगे। एक्साईज एंड टैक्से ान इंस्पैक्टर

की सिलैक ान के लिए रुपये लिये गये लेकिन वह आदमी लगा नही। उसकी कम्पलेंट आती रही। (विघ्न) जब यह कम्पलेंट सरकार के पास भेजी गई और यह बात नोटिस में आई कि उस आदमी के साथ अन्याय हो गया है तो सरकार ने और मुख्य मंत्री साहब ने हिदायत दी कि कोई रियायत किसी के साथ नही करनी है, उस आदमी को पकडा गया और मौके पर उस आदमी के सवा तीन लाख रुपये उसे दिलवाये गये।

चौधरी भजन लालः ऐसा काम तो यह सरकार ही कर सकती है। एस0 पी0 को बुला कर उस आदमी को पकडा गया और उससे रुपये वसूल करके उसको दिलवाए गए।

चौधर सूरज भान काजलः उस आदमी के खिलाफ कोई कार्यवाही क्यो नही की गई जिस व्यक्ति को रि वत लेने में पकडा गया। हम चाहते है कि उसके खिलाफ मुकद्मा चले। (ाोर एवं विघ्न)

श्री सतबीर सिंह कादयानः उस आदमी के खिलाफ तो कि मिनल केस दर्ज किया जाना चाहिये था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः सूरज भान जी, आप बैठिए।

चौधरी भजन लालः जिस आदमी का पैसा था, उसने कहा कि वे कोई कार्यवाही नही चाहते और उन्होने आपस में कम्परोमाईज कर लिया। (विघ्न)एक आदमी जिस दिन कह देगा कि भजन लाल या भजन लाल के परिवार के किसी आदमी ने पैसा ले

कर काम करवाया है, उसी दिन इस्तीफा दे कर घर चले जाएंगे। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः सूरज भान जी, आपको परमि ान ले कर बोलना चाहिए। आप अपनी सीट पर बैठिए।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, यह बात ठीक है कि पिछले करीब डेढ महीने से बरसात नही हुई है। फसलें सूख रही है। सरकार की तरफ से प्रयास किये जा रहे है। (विध्न)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, गावं के हर घर में लोग मलेरिया से बीमार पडे हुए है और लोगो को दवाईयां नही मिल रही है। दिल्ली में भी मलेरिया का प्रकोप है।

चौधरी भजन लाः दिल्ली मे बाढ तो नही आई। हरियाणा मे फ्लू का प्रकोप कुछ जगहो पर है लेकिर मलेरिया नही है। मलेरिया दिल्ली में है ओर चण्डीगढ में है।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः अगर हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 15 मिनट और बढा दिया जाए?

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः हाउस का टाईम 15 मिनट के लिये बढाया जाता है।

राज्य मे बाढ की स्थिती से सम्बंधित नियम 84 के अधीन चचा (पुनरारम्भ)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी ने कहा सरकार की तरफ से कुछ सहायता नही है। यह ठीक बात नही है। एक इन्होने कह दिया तीन एम0 एल0 ए0 और एक एम0 पी0 दादरी गये थे। इन्होने अपने मुहं से खुद ही सफाई दे दी। ये कहते है कि टेलीफोन किया और जवाब मिला कि एस0 डी0 एम. बाहर गया हुआ है, और फिर कहते है कि दो मिनट मे टेलीफोन आ गया कि एस0 डी0 एम0 साहब आ गये है। आप ही देंखे वे बाहर गए हुए थे और आते ही दो मिनट में टेलीफोन कर दिया। जो आदमी दो मिनट में ही टेलीफोन कर दे और पांच मिनट में दफ्तर आ जाए, उसको भी ये कहेंगे कि अधिकारी काम नही करते। कम से कम आप चीफ मिनिस्टर रहे है, आपको ठीक बात कहनी चाहिए।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, इस समय में वे उसके घर मे पूछते थे और बात करना नही चाहते थे।

चौधरी भजन लालः तो दो मिनट में क्या बात हो गई, यह आप बताएं। हम तो कहते है कि ऐसा नही हो सकता।

अध्यक्ष महोदय, इन्होने यह भी कहा कि रतिया भाहर डूबा हुआ था, कोई ऐसी बात नही है। पीरचन्द जी ने ठीक कहा है कि रतिया हल्के के 56 गावों मे बाढ से नुक्सान हुआ है। और

उसके लिय हम इंतजाम कर रहे है। और वहां पर जो पानी खडा है, उसको भी निकालेंगे। किसानो को मुआवजा भी देंगे। तूडे का भाव भी महंगा हो गया है क्योंकि बहुत सी जगह जहांर आज फल्ड आ गया है, वहां से तूडे के कूप के कूप बह गए काफी नुक्सान हुआ है। चारे पर भी हमने 50 प्रति ात सबसिडी दी है, बाकी पैसा हम कर्जे की भाक्ल में तकावी की भाक्ल में लोगो को मदद कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, एक बात और इन्होने कही कि पीने का पानी दो साल तक नही पहुचता क्या कोई भी आदमी दो साल तक प्यासा रह सकता है? यह बात मेरी समझ में नही आई। यह बात ठीक हो सकती है कि कही पर पीने के पानी की दिक्कत हो गई हो लेकिन यह कहना कि दो दो साल तक गावों में पानी नही पहुंचा, यह बात मेरी समझ में नही आई और न ही किसी ओर की समझ में आई है। दो चार दिन हो सकता है, हफ्ता हो सकता है या पन्द्रह दिन हो सकते है। (ाोर एवं व्यवधान)

Education Minister (Shri Phool Chand Mullana): Speaker Sir, the leader of the House is speaking and there are interruptions time and again. I would request that every member should have time and seek your permission, otherwise they have no right to speak. (Interruptions & noise) चौटाला साहब ने भी यह सवाल किया है कि इन्ट्रप ान न हो। अध्यक्ष महोदय, जब कोई आदमी बोल रहा हो और उसके बीच अगर किसी को कुछ बोलना हो तो आपकी परमी ान लेकर बोले।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चन्द्रावती जी ने कहा कि प्र ाासन नाम की कोई चीज नही है। यह बात ठीक है। सभी माननीय सदस्यो के लिये, चाहे वे इधर बैठे हो, चाहे उधर बैठे हो मेरे मन में सब के लिये बहुत इज्जत है। इन्होने एक एस0 डी0 एम0 की ि ाकायत की है और हमने उसको वहां से बदल दिया है। जबकि उसके बारे में जो रिपोर्ट आई है उसमें उसका कोई कसूर नही है। लेकिन मै इनको यह बताना चाहता हू कि इन्होने हमे कह ओर हमने उसको बदल दिया। बाकी कल आपको उसका जवाब दे देंगें

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, वह बैड एलीमैंट है। आई0 ए0 एस0 पता नही कैसे बन गया।

चौधरी भजन लालः कादयान साहब ने कहा कि ड्रेनेज की सफाई नही है, उसका मैने जवाब दे दिया है। धीरपाल जी ने गिरदावारी के बारे में कहा और वह हमने करवा दी। दूसरे धर्मपाल जी ने कहा कि कितना नुकसान हुआ है। उसके बारे में भी टोटल आंकडे दिये है। किसी इलाके के साथ कोई भेदभाव नही किया है। यह जरुर है कि कोई कमी हो सकती है, कही लाईन खराब हो सकती है (ाोर) स्पीकर साहब, ये किसकी इजाजत से बोल रहे है। अध्यक्ष महोदय, पीरचन्द जी ने कहा कि मुआवजा उनको बढाकर देना चाहिये। मै आपको बताना चाहता हूं कि हमने अब यह 200 रुपये से बढाकर 400 रुपये प्रति हैक्टेयर कर दिया है यानि डबल कर दिया है। पंजाब से उसके हिसाब से

मदद मिल रही है ओर हम हमारे हिसाब से मदद मिल रही है। अगर स्पे ाल पैसा पंजाब को मिलेगा तो उसके साथी ही यह पैसा हरियाणा को भी मिलेगा। इसी तरह से इन्होने कह दिया है कि बकरियो का नुक्सान हो गया, वाटर लैवल नीचे चला गया। अध्यक्ष महोदय, यह तो कुदरत की बात है इस पर किसी का व ा नही चलता। अध्यक्ष महोदय, बाढ और सूखे से प्रदे ा में भयंकर स्थिती बनी हुई है इसलिये बिजली और पानी की भयंकर समस्या है, नहर में पानी की दिक्कत है। यह दिक्कत इसलिये है क्योंकि गोविन्द सागर डैम का पानी 57 फूट कम हो गया है और इसलिये पानी कम होने की वजह से यह दिक्कत हुई है, बिजली मे कट हो गया था। लेकिन हमं यह सक कुछ करना है। अध्यक्ष महोदय, यह काम अकेली सरकार नही कर सकती बल्कि यह सबके सहयोग से ही संभव है। जब कोई समस्या किसानो पर, प्रदे ा के लोगो पर आती है तो सब को मिलकर संयम से रहकर ठीक बातें करनी चाहिए। सरकार भी उन लोगो की पूरी मदद करेगी और जहां तक ही सकेगा कही पर भी किसी प्रकार की दिक्कत सरकार प्रदे ा के लोगो को नही होने देगी, यह मै हाउस को वि वास दिलाता हूं। अध्यक्ष महोदय, इन्ही भाब्दो के साथ मै यह कहना चाहूंगा कि मैने सदस्यो की एक एक बात का जवाब दिया है। माननीय सदस्य भी इस बात को ग्रहण करें।

Mr. Speaker: Now the House stands adjourned till 9:30 A.M tomorrow the 31st August, 1993.

7:22 P.M

(The Sabha then adjourned till 9:30 a.m tomorrow the 31st August, 1993)